● वर्ष-3
● अंक-221
रायपुर, गुरुवार
25 अप्रैल 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› बांटिए अपना प्रोफेशनल ज्ञान

छग में थमा दूसरे चरण का प्रचार

कल 52 लाख से अधिक मतदाता तय करेंगे 41 उम्मीदवार की किस्मत

रायपुर। छत्तीसगढ़ की तीन लोकसभा सीट पर 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए प्रचार अभियान बुधवार शाम छह बजे समाप्त हो गया। राज्य की इन तीन सीट पर मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के मध्य है। प्रचार के दौरान दोनों दलों ने एक दूसरे पर भ्रष्टाचार और संविधान बदलने समेत अन्य आरोप लगाए।दूसरे चरण के तहत होने वाले चुनाव में भाजपा का प्रचार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जैसे प्रमुख नेताओं ने रैलियां कीं। वहीं कांग्रेस के लिए, प्रियंका गांधी वाद्रा ने प्रचार का नेतृत्व किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे राज्य में दूसरे चरण के प्रचार अभियान में नजर नहीं आए। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को अपनी दो दिवसीय यात्रा के समापन के बाद छत्तीसगढ़ से मध्य प्रदेश के लिए रवाना हुए। इस दौरान राज्य में उन्होंने तीन रैलियों को संबोधित किया। उनमें से एक पर दूसरे चरण में तथा दो पर तीसरे चरण में मतदान होगा। शाह और आदित्यनाथ ने दूसरे चरण के चुनाव के लिए एक-एक रैली को संबोधित किया। मोदी और शाह ने संविधान, कांग्रेस नेताओं के अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होने, आतंकवाद और नक्सलवाद को लेकर विपक्षी पार्टी पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने दो रैलियों को संबोधित किया। उन्होंने पलटवार करते हुए दावा किया कि उनकी पार्टी गरीबों के हित के लिए सोचती है जबकि भाजपा संविधान को बदलना चाहती है। कांग्रेस ने अपने अभियान के दौरान चुनावी वादों को लोगों के सामने रखा जिनमें महालक्ष्मी योजना, जाति जनगणना, 30 लाख खाली सरकारी पदों पर भर्ती, युवाओं के लिए 'अप्रेंटिसशिप' शुरू करना, सरकारी कंपनियों में ठेकेदारी प्रथा को खत्म करना तथा किसानों की कर्ज माफी जैसी योजनाएं शामिल हैं। राज्य की 11 लोकसभा सीट पर तीन चरणों में चुनाव हो रहे हैं। राज्य के नक्सल प्रभावित बस्तर निर्वाचन क्षेत्र (अनुसूचित जनजाति आरक्षित) में 19 अप्रैल को मतदान हुआ। तीन अन्य सीट ङ्क राजनांदगांव, कांकेर (एसटी) और महासमुंद में 26 अप्रैल को दूसरे चरण में मतदान होगा। शेष सात सीट- रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा (अनुसूचित जाति आरक्षित), कोरबा, सरगुजा (एसटी) और रायगढ़ (एसटी) में तीसरे चरण में मतदान होगा। अधिकारियों ने बताया कि दूसरे चरण में तीन महिलाओं सहित कुल 41 उम्मीदवार मैदान में हैं। कुल 52,84,938 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र हैं। इनमें 26,05,350 पुरुष, 26,79,528 महिला और तृतीय लिंग के 60 मतदाता शामिल हैं। उन्होंने बताया कि तीनों निर्वाचन क्षेत्रों में 6,567 मतदान केंद्र बनाए गए हैं और उनमें से 458 को संवेदनशील मतदान केंद्रों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि तीन लोकसभा क्षेत्रों में नक्सली समस्या से प्रभावित बूथ और इलाकों में मतदान का समय सुबह सात बजे से दोपहर तीन बजे तक है। उन्होंने बताया, 'राजनांदगांव लोकसभा सीट के मोहला-मानपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्रों में मतदान का समय सुबह सात बजे से दोपहर तीन बजे तक है, जबकि लोकसभा क्षेत्र के शेष स्थानों पर मतदान सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक होगा।'

इनके बीच है मुकाबला

हाई प्रोफाइल राजनांदगांव सीट पर भाजपा के मौजूदा सांसद संतोष पांडेय और पूर्व मुख्यमंत्री तथा कांग्रेस के उम्मीदवार भूपेश बघेल के बीच मुकाबला होगा। सत्ताधारी भाजपा ने महासमुंद और कांकेर सीट पर अपने मौजूदा सांसदों का टिकट काट दिया है तथा क्रमश: रूपकुमारी चौधरी और भोजराज नाग को मैदान में उतारा है। चौधरी और नाग पूर्व विधायक हैं। विपक्षी कांग्रेस ने महासमुंद में राज्य के पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू और कांकेर सीट पर बीरेश ठाकुर को मैदान में उतारा है। ठाकुर 2019 का लोकसभा चुनाव कांकेर सीट पर भाजपा उम्मीदवार से हार गए थे। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने नौ और कांग्रेस ने दो सीट जीती थीं।

13 राज्यों में चुनाव प्रचार, 88 सीटों पर 26 को मतदान

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण के मतदान के लिए आज प्रचार अभियान थम जाएगा. दूसरे चरण के लिए 26 अप्रैल को मतदान होना है. पार्टियों के दिग्गज नेता बुधवार को प्रचार में जी जान से जुटे हैं. दूसरे फेज में 13 राज्यों के 88 सीटों पर वोटिंग होगी। दूसरे चरण के मतदान में कई बड़े नेताों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है. अपने प्रत्याशियों के प्रचार में एनडीए और इंडी गठबंधन के नेता जी जान से लगे हैं. बिहार की जिन पांच सीटों पर दूसरे चरण में मतदान होना है उनपर सभी उम्मीदवार जदयू के हैं. इंडी गठबंझन के तरफ से कांग्रेस के तीन प्रत्याशी और राजद के दो उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं. पूर्णिया, किशनगंज , भागलपुर , बांका, और कटिहार सीट पर 26 अप्रैल को वोटिंग होगी. राहुल गांधी की वायनाड, शशि थरूर के तिरुवनंतपुरम से चुनाव लड़ रहे हैं. उनके भाग्य का फैसला दूसरे चरण के मतदान में जनता करेगी.वहीं सेकेंड फेज के मतदान में भाजपा प्रत्याशी ओम बिरला, हेमा मालिनी, अरुण गोविल, नवनीत राणा, प्रह्लाद जोशी, समेत कई और नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हैं. दूसरे चरण में यूपी की आठ सीटों पर मतदान होने वाला है. पश्चिमी उत्तर प्रदेश की इन आठ सीटों पर शुक्रवार को मतदान होगा.

देश की संपत्ति को लूटना कांग्रेस अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझती हैः मोदी

कांग्रेस की नजर आपके आरक्षण पर ही नहीं बल्कि आपकी कमाई, मकान, दुकान, खेत-खलिहान, ज्वेलरी पर भी है

रायपुर/अंबिकापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सलाहकार सैम पित्रोदा द्वारा विरासत-कर संबंधी बयान पर कांग्रेस और इंडी गठबंधन को एक बार फिर आड़े हाथों लिया और आगाह किया है कि कांग्रेस सत्ता में आई तो वह नया विरासत कानून लाएगी। अगर भारत शक्तिशाली हो गया, तो कुछ ताकतों का खेल बिगड़ जाएगा। अगर भारत आत्मनिर्भर बन गया, तो कुछ ताकतों की दुकान बंद हो जाएगी। इसलिए वह भारत में कांग्रेस और इंडी गठबंधन की कमजोर सरकार चाहते हैं और इसलिए अब वह अमेरिका की तरफ रुख कर रहे हैं। श्री मोदी बुधवार को सरगुजा लोकसभा क्षेत्र के अम्बिकापुर में भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में आहूत विशाल जनसभा के संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस इस मुद्दे पर अपनी स्थिति स्पष्ट करें कि क्या वह पित्रोदा के बयान से सहमत हैं? कांग्रेस अगर पित्रोदा की राय से इत्तेफाक नहीं रखती है तो उसे अपने घोषणा पत्र से इस मुद्दे को वापस लेना चाहिए। श्री मोदी ने कहा कि पित्रोदा का बयान कांग्रेस का मकसद साफ तौर पर जाहिर कर रहा है कि कांग्रेस देश की जनता की निजी संपत्ति का सर्वे कर निजी संपत्ति को सरकारी खजाने में डालना चाहती है और देश के संसाधन पर सबसे पहला अधिकार माइनॉरिटी और उसमें भी मुस्लिम लोगों का है की मंशा को पूरी करते हुए इसका बँटवारा करना चाहती है, जैसा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने अपने कार्यकाल में कहा था। श्री मोदी ने कहा कि पित्रोदा ने अमेरिकी कानून भारत में लागू करके देशवासियों की सम्पत्ति हड़पना चाहती है। अब कांग्रेस या तो स्वीकार करे कि उसका मकसद वही है जो पित्रोदा ने कहा है, या फिर देश से माफी मांगकर इस मुद्दे को अपने घोषणापत्र से वापस ले। छत्तीसगढ़ की जनता-जनार्दन कांग्रेस की इस बदनीयती को अच्छी तरह भाँप रही है और कांग्रेस दो टूक बता देगी कि देश के संसाधनों पर सबसे पहला अधिकार देश के गरीबों, दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्ग का है। श्री मोदी ने कहा कि सरकार में आने पर कांग्रेस की सरकार माताओं-बहनों के सोना-चांदी का हिसाब करेगी और जाँच करेगी, और फिर वह सम्पत्ति उनको बाँट देगी, जिनके ज्यादा बच्चे हैं, उनको बाँटने की बात कह रही है, घुसपैठियों को बाँटने की बात कह रही है। अपनी मेहनत की कमाई का पैसा घुसपैठियों को दिया जाना देशवासियों को कतई मंजूर नहीं होगा। यह कांग्रेस की %अर्बन नक्सली सोच% है। परिवारवादी लोगों ने देश के लोगों को लूटकर अपना आर्थिक साम्राज्य बना लिया है और अब उनकी नजर देशवासियों की सम्पत्ति पर पड़ गई है। देश की सम्पत्ति को लूटना कांग्रेस अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पुरानी यादों को जनता-जनार्दन के साथ साझा करते हुए कहा कि भाजपा ने जब उन्हें प्रधानमंत्री पद का दावेदार बनाया तो अंबिकापुर में लाल किला बनाया था। कांग्रेस के ईको सिस्टम है, जो आए दिन मोदी पर हमला करने के लिए जगह ढूंढते रहते हैं, उस पूरी टोली ने हमला बोल दिया था कि ये लालकिला कैसे बनाया जा सकता है?

प्रमुख समाचार

छत्तीसगढ़ के स्थाई न्यायाधीश हो सकते है राकेश मोहन पांडेय

रायपुर। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने केंद्र से छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिए न्यायमूर्ति राकेश मोहन पांडे के नाम की सिफारिश की है. इसके अलावा अतिरिक्त न्यायाधीशों के रूप में नियुक्ति के लिए न्यायमूर्ति सचिन सिंह राजपूत और राधाकिशन अग्रवाल के नामों की भी सिफारिश की गई है. बता दें कि इससे पहले बीते साल 22 नवंबर 2023 को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के कॉलेजियम ने सर्वसम्मति से अतिरिक्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति पांडे को उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने और न्यायमूर्ति राजपूत और न्यायमूर्ति अग्रवाल के वर्तमान कार्यकाल को आगे बढ़ाने के लिए सिफारिश की थी. कॉलेजियम ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के 26 अक्टूबर 2017 के संकल्प के संदर्भ में भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा गठित सुप्रीम कोर्ट के दो न्यायाधीशों की समिति ने उपरोक्त अतिरिक्त न्यायाधीशों के फैसलों का आंकलन किया. कॉलेजियम ने उपरोक्त नामों की योग्यता और उपयुक्तता का आंकलन करने के लिए रिकॉर्ड पर रखी गई सामग्री की जांच और मूल्यांकन किया.

एक साल के प्रधानमंत्री के फॉर्मूले पर विचार कर इडी गठबंधनः मोदी

नई दिल्ली। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को समाचार रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि भारतीय गुट एक साल के प्रधान मंत्री के फॉर्मूले पर विचार कर रहा है क्योंकि वे एक प्रधानमंत्री चेहरे पर किसी सहमति पर नहीं पहुंच सके हैं। मध्य प्रदेश के बैतूल में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए, मोदी ने कहा कि वह सत्ता में आने के बाद पहले 100 दिनों के काम पर काम कर रहे हैं, विपक्षी गठबंधन के पास पीएम का कोई चेहरा भी नहीं है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश को पता चलना चाहिए कि उनका पीएम चेहरा कौन है। हमारी तरफ आपके सामने मोदी हैं, 10 साल की ट्रैक रिपोर्ट के साथ। विपक्ष को पीएम चेहरे की तलाश थी, लेकिन कोई नहीं मिल सका। अब कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि वे एक साल-एक पीएम फॉर्मूले पर चर्चा कर रहे हैं जिसका मतलब है पांच साल में पांच प्रधानमंत्री। देश का क्या होगा? उन्होंने हमला जारी रखते हुए कहा कि इसका मतलब है कि वे अब पीएम की कुर्सी नीलाम कर रहे हैं। कुर्सी पर एक व्यक्ति बैठेगा. और चार अन्य लोग उनका कार्यकाल ख़त्म होने का इंतज़ार करेंगे। यह सुनने में तो मुंगेरीलाल के हसीन सपने जैसा लगता है लेकिन यह हसीन नहीं है।

आप-बीजेपी-कांग्रेस का मुकाबला निर्दलीय अमृतपाल सिंह से होगा

लुधियाना। लोकसभा चुनाव के बीच एक बड़ी खबर सामने आई है कि वारिस पंजाब जत्थेबंदी प्रमुख अमृतपाल सिंह खालसा लोकसभा क्षेत्र खडूर साहिब से आजाद चुनाव लड़ेगा। इस बात की जानकारी उनके वकील राजदेव सिंह खालसा ने दी है। राजदेव सिंह खालसा ने कहा कि वह भाई अमृतपाल सिंह से मिलने असम की डिब्रूगढ़ जेल गये थे। बैठक के दौरान, उसने अमृतपाल से लोकसभा चुनाव लड़ने का अनुरोध किया और अमृतपाल सिंह ने अनुरोध को स्वीकार कर लिया और लोकसभा क्षेत्र खडूर साहिब से स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के लिए सहमत हो गया। जिसके बाद यह लगभग तय हो गया है कि वह लोकसभा क्षेत्र खडूर साहिब से आजाद उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ेगा। बता दें कि अमृतपाल सिंह को पंजाब पुलिस ने अप्रैल 2023 में मोगा जिले के रोडे गांव से गिरफ्तार किया था। उस पर एनएसए लगाया गया था, गिरफ्तारी के बाद उसे असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद कर दिया गया है। जेल में बंद हुए करीब एक साल हो गया है। परिवार की मांग है कि अमृतपाल को डिब्रूगढ़ जेल की बजाय पंजाब जेल में शिफ्ट किया जाए।

25,000 करोड़ के बैंक घोटाले में सुनेत्रा को क्लीन चिट

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को बुधवार को महाराष्ट्र पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने कथित 25,000 करोड़ रुपये के एमएससीबी बैंक घोटाला मामले में क्लीन चिट दे दी। विपक्षी शिवसेना (यूबीटी) ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और ईओडब्ल्यू के फैसले की निंदा की। शिवसेना (यूबीटी) नेता आनंद दुबे ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पीएम मोदी ने आरोप लगाया था और कहा था कि यह एक भ्रष्ट परिवार (पवार परिवार) था। लेकिन, आज उन्हें क्लीन चिट दे दी गई है। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा कि जिन सभी नेताओं पर आरोप लगे थे और वे बीजेपी में शामिल हुए थे, उन्हें क्लीन चिट दे दी गई है। अपनी क्लोजर रिपोर्ट में कहा गया है कि इस मामले में कोई आपराधिक कृत्य नहीं देखा गया। महाराष्ट्र की बारामती लोकसभा सीट से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी अजित पवार) की उम्मीदवार सुनेत्रा पवार अपनी भाभी और शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले के खिलाफ मैदान में हैं। सुले एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के उम्मीदवार हैं. बारामती, जहां से अजित पवार विधायक हैं, पवार परिवार का गृह क्षेत्र है।

मुझे रोकने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे तेजस्वी

नई दिल्ली. बिहार के पूर्णिया में सियासी संघर्ष से जबरदस्त तरीके से जारी है। एक ओर पूर्णिया सीट लालू यादव के लिए नाक का सवाल बन गया है। तो दूसरी और पप्पू यादव जबरदस्त तरीके से इस सीट पर अपनी ताकत लगा रहे हैं। हालांकि, यह सीट लगातार एनडीए के कब्जे में रहा है। लेकिन इस बार मुकाबला त्रिकोणीय नजर आ रहा है। पप्पू यादव ने निर्दलीय चुनाव लड़कर इस सीट को लेकर लोगों की दिलचस्पी और भी बढ़ा दी है। इसकी वजह से वह राजत और तेजस्वी यादव के निशाने पर आ गए हैं। तेजस्वी यादव ने तो यहां तक कह दिया कि लोगों के सामने दो ही विकल्प है या तो एनडीए या फिर इंडिया गठबंधन, तीसरे की ओर जाने की जरूरत नहीं है। तेजस्वी के तीसरे का मतलब पप्पू यादव से निकाला गया। अब इसी को लेकर पप्पू यादव तेजस्वी पर पलटवार कर रहे हैं। पप्पू यादव ने साफ तौर पर कहा है कि तेजस्वी यादव मुझे रोकने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। वह कितनी भी सफाई दे। लेकिन इतनी नफरत मुझे लेकर क्यों है? पता नहीं। राजद के कई नेता पूर्णिया में लगातार कैंप किए हुए हैं।

कर्नाटक में कांग्रेस ने साल भर में ऐसी कौन-सी गलतियां कर दीं जिसके चलते जनता इतनी नाराज है

नीरज कुमार दुबे

लगभग एक साल पहले कांग्रेस ने कर्नाटक विधानसभा की 224 में से 136 सीटों पर जीत हासिल करके प्रचंड बहुमत वाली सरकार बनाई थी। लेकिन एक साल के भीतर ही कर्नाटक के शहरी और ग्रामीण इलाकों में जिस तरह कांग्रेस के प्रति नाराजगी दिखने लगी है वह दर्शा रही है कि चुनावों में किये गये वादे पूरे नहीं किये जायें तो जनता सबक सिखाने को तैयार रहती है। खास बात यह है कि कर्नाटक में दी गयी गारंटियों को पूरा करने के दावे के आधार पर कांग्रेस ने लोकसभा चुनावों के लिए जारी अपने घोषणापत्र में तमाम तरह की गारंटियां दी हैं। लेकिन जब आप कर्नाटक में कांग्रेस की गारंटियों के बारे में जनता से राय लेंगे तो पाएंगे कि दिल्ली में जो दावे किये जा रहे हैं वह खोखले हैं।

हमने कर्नाटक के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा किया। ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों का कहना था कि बिजली के बिल में कटौती की जगह बिजली की कटौती होने लगी है। शहरी क्षेत्रों में व्यापारियों ने कहा कि कमर्शियल यूज के लिए बिजली की दरों में बार-बार इजाफा किया जा रहा है जिससे हम पर भार पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार हमसे पैसा लेकर दूसरों को सब्सिडी दे रही है जोकि गलत है। गांवों में किसानों और दुग्ध उत्पादकों ने कहा कि हमसे किये गये वादे पूरे नहीं किये गये। शहरी क्षेत्रों में गैर-लग्जरी बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा का उपयोग करने वाली महिलाओं ने कहा कि यह देश का चुनाव है इसलिए हम प्रधानमंत्री मोदी के साथ हैं वहीं ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं से जब हमने मुफ्त यात्रा सुविधा के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि एक तो बसें कम हैं और दूसरा जो बसें हैं वह खटारा जैसी हैं और प्रदूषण फैलाती हैं इसलिए ऐसी सुविधा का हमें कोई फायदा नहीं।

हमने गांवों और शहरों में एक चीज समान रूप से पाई कि लोग यह कहते दिखे कि हमें मुफ्त की सौगात नहीं चाहिए। लोगों ने कहा कि हम कमा कर खाना चाहते हैं और सभी चीजों का बिल भी अपनी जेब से भरना चाहते हैं। लोगों ने कहा कि हम सरकार पर निर्भर नहीं रहना चाहते इसलिए सरकार को मुफ्त रेवड़ियां बांटने की बजाय रोजगार के अवसर मुहैया कराने पर जोर देना चाहिए। हमने पाया कि कर्नाटक में राष्ट्रवाद, हिंदुत्व और विकास इस चुनाव में बड़े मुद्दे हैं। हमने पाया कि भाजपा से बेहतर बूथ प्रबंधन किसी अन्य पार्टी के पास नहीं है। हमने पाया कि महिला शक्ति का समर्थन सर्वाधिक भाजपा के साथ है। हमने पाया कि युवा शक्ति का समर्थन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को है। हमने पाया कि पहली बार मतदान करने वाले से लेकर बच्चे तक की जुबान पर मोदी का नाम है।

2014 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने 43 प्रतिशत मत हासिल किये थे। पिछले लोकसभा चुनावों में कर्नाटक उन राज्यों में शुमार था जहां भाजपा ने 51 प्रतिशत से अधिक मत हासिल किये थे। इस बार के चुनावों में भी वही स्थिति देखने को मिल सकती है। पिछले चुनावों में भाजपा ने राज्य की 28 में से 25 सीटों पर विजय हासिल की थी, ऐसा लगता है कि इस बार भी वही स्थिति रह सकती है या भाजपा और आगे भी जा सकती है। कर्नाटक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मजबूत छवि का लाभ भाजपा को मिलता दिख रहा है और जिस तरह हाल ही में बेंगलुरु के एक कैफे में धमाका हो गया था उसको देखते हुए लोगों के मन में यह भावना प्रबल हुई है कि सुरक्षा हालात भाजपा के राज में ही बेहतर होते हैं।

कर्नाटक में विधानसभा चुनावों के समय साइडलाइन किये गये पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा को भाजपा जिस तरह इस बार पूरा महत्व दे रही है उसका जातिगत असर होता भी दिख रहा है। भाजपा ने येदियुरप्पा के बेटे विजयेंद्र को प्रदेश अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भी सौंपी है। येदियुरप्पा का लिंगायत समुदाय पर बड़ा प्रभाव है जोकि राज्य में बड़ा सामाजिक वर्ग है। वहीं जनता दल सेक्युलर का प्रभाव वोक्कालिगा समुदाय के बीच काफी अच्छा माना जाता है। इस समय कर्नाटक में जो सामाजिक समीकरण हैं उसके मुताबिक लिंगायत और वोक्कालिगा की ताकत के साथ जब प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता जुड़ जायेगी तो इस गठबंधन का बेड़ा पार होना आसान हो जायेगा। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा राज्य में काफी सम्मानित नेता हैं। उन्होंने मोदी को एक बार फिर प्रधानमंत्री बनने का आशीर्वाद दिया है और लगातार साक्षात्कारों और बयानों के जरिये वह जिस तरह मोदी के लिए समर्थन मांग रहे हैं उसका भी बड़ा असर कर्नाटक की राजनीति में देखा जा रहा है। खुद पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता येदियुरप्पा भी कह चुके हैं कि जनता दल सेक्युलर के साथ गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनावों के लिए ही नहीं है बल्कि यह आगे तक के लिए है।

कर्नाटक में हमने एक चीज और पाई कि भाजपा जहां इस चुनाव को पूरी एकजुटता के साथ लड़ रही है वहीं कांग्रेस बिखरी हुई नजर आ रही है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री कांग्रेस के सभी उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने की बजाय अपने-अपने खेमों के लोगों को जिताने के लिए ही प्रयास करते नजर आ रहे हैं।

भैरमगढ़ व मलांगेर एरिया कमेटी में सक्रिय 18 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा। जिले में चलाए जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान लोन वार्राटू (घर वापस आईये) के तहत भैरमगढ़ एवं मलांगेर एरिया कमेटी के सक्रिय 18 नक्सलियों ने पुलिस उप महानिरीक्षक दंतेवाड़ा रेंज कमलोचन कश्यप, पुलिस उप महानिरीक्षक सीआरपीएफ दंतेवाड़ा रेंज विकास कठेरिया, दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय के समक्ष डीआरजी कार्यालय दंतेवाड़ा में बुधवार को आत्मसमर्पण कर दिया है।

आत्मसमर्पित नक्सलियों में हिड़मा ओयाम पिता बुदरू ओयाम निवासी तिमेनार स्कूलपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर, हुर्रेपाल पंचायत मिलिशिया प्लाटून ए सेक्शन कमाण्डर। कुमारी सामबती ओयाम पिता पण्डरू ओयाम निवासी तिमेनार स्कूलपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर, हुर्रेपाल पंचायत मिलिशिया प्लाटून सेक्शन डिप्टी कमाण्डर। श्रीमती गंगी मड़काम पति दुला मड़काम निवासी ककाड़ी करकापारा थाना अरनपुर जिला दन्तेवाड़ा, ककाड़ी पंचायत केएएमएस उपाध्यक्ष। केसू मड़काम पिता बोज्जा मड़काम निवासी तिमेनार स्कूलपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर, हुर्रेपाल पंचायत सीएनएम सदस्य। कमलू ओयाम पिता मंगू ओयाम निवासी तिमेनार ओयामपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर, हुर्रेपाल पंचायत डीएकेएमएस सदस्य। सुरेश ओयाम पिता पण्डरू ओयाम निवासी तिमेनार स्कूलपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर, हुर्रेपाल पंचायत सीएनएम सदस्य। आयतु कलमू पिता स्व. सुकारू कलमू निवासी तिमेनार स्कूलपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर। हुर्रेपाल पंचायत मिलिशिया सदस्य। सन्नू ओयाम पिता स्व. पाण्डू ओयाम निवासी तिमेनार बीचपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर, हुर्रेपाल पंचायत डीएकेएमएस सदस्य। मनीराम पोडिय़ाम पिता कोसा पोडिय़ाम निवासी तिमेनार स्कूलपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर, हुर्रेपाल पंचायत मिलिशिया सदस्य। सुखराम ताती पिता बुधरू उर्फ कोंदा ताती निवासी तिमेनार कुंजामपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर हुर्रेपाल पंचायत सीएनएम सदस्य। पाण्डू मुचाकी पिता नंदा मुचाकी निवासी तिमेनार कुंजामपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर, हुर्रेपाल पंचायत मिलिषिया सदस्य। बामन मुचाकी पिता देवा मुचाकी निवासी तिमेनार कुंजामपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर, हुर्रेपाल पंचायत मिलिशिया सदस्य। बुधराम कुंजाम पिता स्व. सुक्कू कुंजाम निवासी तिमेनार कुंजामपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर, हुर्रेपाल पंचायत सीएनएम सदस्य। राजू ओयाम पिता स्व. मुद्दा ओयाम निवासी तिमेनार बीचपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर, हुर्रेपाल पंचायत जंगल कमेटी सदस्य। कुमारी हुंगी ओयाम पिता स्व. आयतु ओयाम निवासी तिमेनार बीचपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर, हुर्रेपाल पंचायत सीएनएम सदस्य। लक्ष्मण कुंजाम पिता स्व0 सुक्कू कुंजाम उम्र लगभग 25 वर्ष जाति मुरिया निवासी तिमेनार कुंजामपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर, हुर्रेपाल पंचायत मिलिषिया सदस्य। सोमलू उर्फ सोमडू ताती पिता स्व. पाण्डू ताती निवासी तिमेनार कुंजामपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर, हुर्रेपाल पंचायत पंच कमेटी सदस्य। राजु लेकाम पिता स्व. लखमु लेकाम निवासी फुलगट्टा बंजारापारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर, फुलगट्टा पंचायत डीएकेएमएस सदस्य।

आत्मसमर्पित सभी 18 नक्सली बंद के दौरान रोड़ खोदना, पेड़ काटना एवं नक्सली बैनर पोस्टर लगाने की घटनाओं में थे शामिल। आत्मसमर्पण कराने में डीआरजी दंतेवाड़ा, आरएफटी. रेंज (आसूचना शाखा) दंतेवाड़ा एवं सीआरपीएफ 111वीं वाहिनी का विशेष योगदान रहा। पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा द्वारा आत्मसमर्पित नक्सलियों को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पुनर्वास योजना के तहत 25-25 हजार रूपये प्रोत्साहन राशि एवं पुनर्वास योजना के तहत मिलने वाले सभी प्रकार के लाभ प्रदाय करवाया जायेगा। लोन वर्राटू अभियान के तहत अब तक 177 ईनामी नक्सली सहित कुल 738 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर समाज के मुख्यधारा में जुड़ चुके हैं।

सरोज पाण्डेय जो कहती हैं वो करती हैं सांसद बनीं तो होगा विकास: रेणुका सिंह

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। भरतपुर सोनहत विधायक रेणुका सिंह ने कोरबा से बीजेपी प्रत्याशी सरोज पाण्डेय के लिए प्रचार किया।रेणुका सिंह ने सरोज पाण्डेय के नाम पर कसीदे पढ़े।रेणुका सिंह ने बताया कि सरोज पाण्डेय को उनके अच्छे काम के लिए पहचाना जाता है।दुर्ग में महापौर, फिर विधायक और उसके बाद सांसद तक का सफर सरोज पाण्डेय ने तय किया है। उनके अच्छे काम की वजह से ही सरोज पाण्डेय को उत्कृष्ट महापौर का सम्मान मिला था।ऐसा नेता यदि कोरबा लोकसभा में आता है तो पूरे लोकसभा क्षेत्र के लिए गर्व की बात है।

ग्राम पंचायतों के लिए 25-25 लाख की घोषणा

रेणुका सिंह ने कहा कि लोकसभा क्षेत्र में ज्यादातर बैगा जनजाति के लोग निवास करते हैं।ये क्षेत्र विकास से काफी दूर है।इस क्षेत्र की दुर्दशा देखने के बाद हमारी राष्ट्रीय नेता ने संकल्प लिया है कि इसकी दशा बदली जाएगी।इसलिए ग्राम पंचायतों को अलग से 25-25 लाख की राशि देने की घोषणा सरोज पाण्डेय ने की है।ये राशि सांसद निधि से ना लाकर राज्य सरकार की स्कीम के जरिए गांवों को दिया जाएगा।

रेणुका सिंह ने कहा आने वाले समय मे देखेंगे सरोज पाण्डेय जो कहती हैं वो करती हैं। उन्होंने पूरी प्लानिग की है। कौन से मद से लेकर आएंगी उसमें कोई शक नहीं है। मैं भी केन्द्रीय मंत्री रह चुकी हूं और सांसद भी रह चुकी हूं। इसलिए इस प्लानिंग में मैं भी पूरी मदद करूंगी। सरोज पाण्डेय की घोषणाओं को पूरा करने के लिए मुझे भी भारत सरकार की मदद लगेगी।

विधायक और सांसद मिलकर करेंगे विकास

हमारे विधानसभा के समय की कई घोषणाओं को पूरा करना है।एनएच बनवाना है,रेल लाइन बिछानी है।इसके लिए बड़ी राशि की जरुरत होगी। इस काम को पूरा करवाने में सरोज पाण्डेय का बड़ा योगदान रहेगा।यदि वो सांसद बनकर आती हैं तो विधायक और सांसद मिलकर इस क्षेत्र का विकास करेंगे।

कवर्धा में मतदान बढ़ाने हस्ताक्षर अभियान 6 लाख ने वोटिंग करने का लिया संकल्प

कवर्धा। लोकतंत्र के महापर्व चुनाव तिहार को लेकर कबीरधाम जिले में जागरूकता अभियान चलाया गया। कबीरधाम जिले के गांव गांव के 6 लाख लोगों ने हस्ताक्षर अभियान में हिस्सा लिया और मतदान करने का संकलेप लिया। करीब 4 किलोमीटर लंबे कपड़े में हस्ताक्षर करा कर लोगों को मतदान करने संकल्प दिलाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत 2 अप्रैल को कवर्धा जिला मुख्यालय के स्वामी करपात्री आउटडोर स्टेडियम से शुरु किया गया। जिसके बाद जिला प्रशासन ने गांव गांव में हस्ताक्षर अभियान चलाया। जिसके तहत कोरे कपड़े में गांव के सभी महिला-पुरुष मतदाताओं के हस्ताक्षर लेकर 26 अप्रैल को मतदान करने का संकल्प दिलाया गया। हस्ताक्षर वाले कपड़े को आपस में जोड़ने पर कपड़े की लंबाई 4 किलोमीटर निकली, जिसे गोल लपेटकर प्रदर्शित किया गया। ऐसा कर बड़े स्तर पर मतदान के लिए लोगों को प्रेरित किया गया। लगभग 20 दिन चले इस कार्यक्रम के बाद मंगलवार को स्वामी करपात्री आउटडोर स्टेडियम में कार्यक्रम का समापन हो गया।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने बताया, राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र 06 के कबीरधाम जिले में गांव-गांव में 26 अप्रैल को शत-प्रतिशत मतदान के लिए स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत हस्ताक्षर अभियान समेत विभिन्न

गतिविधियां आयोजित किया जा रहा है। जिसके माध्यम से सभी ग्रामों में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कहा स्वीप कार्यक्रम के तहत हस्ताक्षर अभियान, सेल्फी जोन, दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक और नव वर-वधू मतदाताओं का सम्मान, घर आजा संगवारी जैसे पहल किया जा रहे हैं। दूसरे प्रांत में गए स्थानीय श्रमिकों को मतदान के लिए बुलाया जा रहा है। रैली सहित विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित किया जा रहा है। सभी कार्यक्रम में मतदाता उत्साह से भाग ले रहे हैं। कबीरधाम जिला राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के तहत 26 अप्रैल को यहां मतदान होना है। जिसे ध्यान में रखते हुए चुनाव आयोग मतदान की तैयारियों में जुटा है। साथ ही शत प्रतिशत मतदान को लेकर चुनाव आयोग स्वीप कार्यक्रम चला रहा है।

वार्ड ब्वॉय ने भर्ती मरीज के साथ की मारपीट

हालत नाजुक, पीड़ित की पत्नी उसी अस्पताल में करती है नौकरी

कोरबा। कोरबा के मेडिकल कॉलेज जिला अस्पताल में एक शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां अस्पताल में भर्ती मरीज के साथ वार्ड ब्वॉय ने मुक्के से जमकर पिटाई कर दी। विवाद किस बात को लेकर हुआ इसका पता नहीं चल सका है। घटना में गंभीर रुप से घायल मरीज को निजी अस्पताल में भर्ती किया गया। अस्पताल में सुरक्षाकर्मी के रुप में पदस्थ पत्नी ने पुलिस से शिकायत कर इस दिशा में कार्रवाई करने की मांग की है।

कोरबा के मेडिकल कॉलेज जिला अस्पताल में भर्ती मरीज के साथ वार्ड ब्वॉय ने जमकर मारपीट की। घटना में गंभीर रुप से घायल मरीज को निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। ग्राम पंतोरा निवासी उमा चौहान के पति धनश्याम चौहान को देर रात जिला मेडिकल कॉलेज में उल्टी होने पर अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां ड्रिप लगाने को लेकर उपजे विवाद के बाद वार्ड ब्वॉय ने मारपीट की। मरीज की पत्नी अस्पताल में सुरक्षाकर्मी के रुप में पदस्थ है,जिसने बताया,कि रात को

यह घटना हुई है और उसने पुलिस से शिकायत कर त्वरित कार्रवाई करने की मांग की है।

पीड़ित की पत्नी उमा चौहान ने बताया कि वो जिला मेडिकल कॉलेज में गार्ड का काम करती है जो निजी कंपनी के अधीन है और उसकी ड्यूटी जिला मेडिकल कॉलेज में रात के वक्त थी जब उसके पति की तबीयत खराब हुई तब अस्पताल आ गया और उसे भर्ती कराया गया, उसकी हालत को देखते हुए आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया उसके पति को ड्रिप लगाया जा रहा था इस दौरान छटपटा रहा था। ड्यूटी पर तैनात वार्ड ब्वॉय ने गुस्से में उसके सीने और चेहरे पर मुक्के से हमला कर दिया इसके बाद वह बेहोश हो गया और उसकी हालत गंभीर हो गई। गंभीर हालत को देखते हुए निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया।

पीड़ित की पत्नी ने बताया की जब उसके पति के साथ मारपीट हुई इस दौरान वह खुद मौके पर मौजूद थी उसने इसका विरोध भी किया लेकिन उसे बाहर का रास्ता दिखाया गया। उमा चौहान ने बताया कि इसकी शिकायत करने को जिला अस्पताल चौकी गई हुई थी लेकिन वहां कोई मौजूद नहीं था अब इस मामले में पुलिस कार्यवाही चाहती है अभी फिलहाल जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। जिला मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक गोपाल कवर्ड ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच टीम बनाई गई है जांच जारी है।

कांकेर के नक्सल प्रभावित मतदान केंद्र चुनाव के लिए तैयार

कांकेर। कांकेर लोकसभा क्षेत्र छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाकों में आता है। इस लोकसभा क्षेत्र के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 9 अति संवेदनशील मतदान केंद्र है, जहां शुक्रवार 26 अप्रैल को वोटिंग होने है। इसलिए चुनाव आयोग ने आज कांकेर लोकसभा क्षेत्र के 9 संवेदनशील मतदान केंद्रों के लिए 76 मतदान कर्मियों को हेलीकॉप्टर से रवाना किया है। नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने की वजह से यहां आज तक सड़कें नहीं बन सकी है। मतदान केंद्र में सड़क के रास्ते नदी-नाले और पहाड़ी क्षेत्र होकर मतदान केंद्रों तक पहुंचना मुश्किल होता है। कांकेर जिले में 9 ऐसे मतदान केंद्र है, जहां मतदान कर्मियों को सेना के हेलीकॉप्टर से भेजा जाएगा। आज बुधवार को मतदान के दो दिन पूर्व सेना के हेलीकॉप्टर से मतदान दलों को रवाना किया गया है। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कहा कांकेर लोकसभा अंतर्गत अंतागढ़ विधानसभा के अति संवेदनशील नक्सल प्रभावित ऐसे 9 मतदान केंद्र है, जहां मतदान दलों को सुरक्षा के लिहाज से हेलीकॉप्टर से भेजा गया है। मतदान दलों को एमआई 17 हेलीकॉप्टर द्वारा स्थानीय प्रशासन की मौजूदगी में 9 मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। सुरक्षा के मद्देनजर चप्पे चप्पे पर सुरक्षाबल तैनात है। कांकेर जिले में इस बार 727 मतदान केंद्र हैं, जिसमें 285 मतदान केंद्र नक्सल प्रभावित हैं। वही 56 मतदान केंद्र संवेदनशील है। 9 अति संवेदनशील मतदान केंद्र हैं, जहां मतदान दल को एक दिन पहले हेलीकॉप्टर से भेजे गए है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

गोल्ड़न बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज मुंगेली का नाम

मुंगेली। मुंगेली में शत प्रतिशत मतदान का लक्ष्य पूरा करने के लिए ज़िला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर राहुल देव युद्धस्तर पर कार्यरत हैं। लगातार मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के द्वारा लोगों को मतदान करने के लिए अपील की जा रही है। इसी कड़ी में आज श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत संकल्प पत्र महाअभियान का आयोजन किया गया। शिक्षा विभाग के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 5000 विद्यार्थी और शिक्षक मौजूद रहे और उनके द्वारा मानव श्रृंखला बना कर जागरूकता का संदेश दिया गया। शत प्रतिशत मतदान के उद्देश को लेकर ज़िले में संकल्प पत्र हस्ताक्षर का महाअभियान चलाया गया था जिसमे 1 लाख 6 हज़ार से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर करके गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में मुँगेली का नाम सम्मिलित हुआ। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की छत्तीसगढ़ प्रमुख ने सर्टिफिकेट और मेडल कलेक्टर राहुल देव को प्रदान किया। इस कार्यक्रम में ज़िला प्रशासन पुलिस विभाग शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यायालय ने अकबर खान की जमानत याचिका रद्द की

बिलासपुर। जिला अपर सत्र न्यायाधीश ने

अकबर खान के जमानत आवेदन को आज सुनवाई के बाद निरस्त कर दिया। पुलिस द्वारा अकबर खान द्वारा किये गए पूर्व के अपराध की गंभीरता को दर्शाते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष जमानत आवेदन पर लिखित आपत्ति दर्ज की गई। अकबर खान के जमानत याचिका के खिलाफ पुलिस के द्वारा अपनी लिखित आपत्ति में आदतन अपराधी के संगठित अपराध के बारे में न्यायालय को अवगत कराया गया साथ ही ऐसे आदतन अपराधी को जमानत का लाभ दिए जाने पर समाज में अशांति फैलने का खतरा होने के बारे में बताया। अकबर खान द्वारा किये गए अपराध की प्रकृति, अपराध की गंभीरता एवं पुलिस द्वारा प्रस्तुत किये गए तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए माननीय न्यायालय द्वारा अकबर खान के जमानत आवेदन को निरस्त किया गया।

शास. अस्पताल में जच्चा-बच्चा की सेहत के साथ खिलवाड़

बालोद। जिला मुख्यालय स्थित सरकारी 100 बिस्तर मातृ शिशु अस्पताल में जच्चा-बच्चा की सेहत के साथ खिलवाड़ करने का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार जनवरी माह में एक्सपायरी हो चुके बिस्किट को बीते चार-पांच दिनों से सुबह की नाश्ता में जच्चा बच्चा को परोसा गया। इस बात की जानकारी अस्पताल में भर्ती मरीज के परिजनों को होने पर इसका विरोध किया। परंतु जिन वेंडर के कर्मचारियों की ओर इन्हें वितरण किया जा रहा था वे परिजनों के साथ बुरा बर्ताव किया और कहा कि तुम्हें खाना हैं तो खाओ नहीं तो फेंक दो। परिजनों ने मीडिया के समाने बात रखी, जिसके बाद प्रशासन जागा और एक्सपायरी बिस्किटों को वापस लिया। अब सवाल यह उठता है कि लापरवाही करने वालों पर कब तक कार्यवाही होगी।वही इस पूरे मामले में अब कांग्रेस विधायक कुंवर सिंह निषाद ने सरकार को घेरते हुए कहा की भाजपा की सरकार मरीजों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करती आ रही है। एक महीना सरकार को बने नहीं हुआ था कि एक्सपायरी दवाई का मामला विधानसभा में गूंजा था।

अदाणी फाउंडेशन ने मनाया पृथ्वी दिवस, पौधे भी रोपे

अंबिकापुर। अदाणी फाउंडेशन की ओर से जिले के उदयपुर ब्लॉक में पृथ्वी दिवस मनाया गया। पृथ्वी दिवस 2024 की थीम 'पृथ्वी बनाम प्लास्टिक' पर अदाणी इन्टरप्राइसेस के पर्यावरण विभाग और अदाणी फाउंडेशन ने संयुक्त रूप से ग्राम साल्ही के अदाणी विद्या मंदिर और ग्राम तारा के आदिवासी कन्या आश्रम में प्रोजेक्ट उत्थान के तहत दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए। इन दो दिनों में कुल 500 छात्रों ने पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर अपने रचनात्मकता और ज्ञान का प्रदर्शन करने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। सोमवार को राजस्थान राज्य विद्युत निगम लिमिटेड (आरआरवीयूएनएल) के पर्यावरण संरक्षण की एक मुहिम के तहत परसा ईस्ट कांता बासन (पीईकेबी) खदान के 0.143 हेक्टेयर रेकलैमेड क्षेत्र में 400 से अधिक पौधों का रोपण भी किया गया। पृथ्वी दिवस मनाने का उद्देश्य छात्रों के बीच पृथ्वी ग्रह को संरक्षित करने में व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डालते पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता के बारे में जागरूकता बढ़ाना था।

भाजपा नेता ने फांसी लगाकर दी जान, सुसाइड नोट बरामद

दुर्ग। दुर्ग के नंदिनी थाना क्षेत्र के बीएसपी क्वार्टर में भाजपा युवा मोर्चा अहिवारा मंडल मंहामंत्री ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना के समय मृतक की पत्नी व बेटा शादी कार्यक्रम में शामिल होने गांव गए हुए थे। मृतक के पास से पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है। मृतक ने सुसाइड नोट में खुद को मौत का जिम्मेदार ठहराया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। नंदिनी थाना प्रभारी राजेश साहू ने बताया कि अहिवारा टाउनशीप बीएसपी क्वार्टर निवासी शिवकुमार वर्मा (40) के पैतृक गांव सहगांव पथरिया में शादी का कार्यक्रम होने से मंगलवार की सुबह पत्नी व बेटा गांव चले गए। शिवकुमार घर पर अकेला था। उसने घर पंखे में रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जब दूसरे दिन पत्नी व बेटा घर वापस आए। घर का दरवाजे खुला हुआ था। घर के अंदर जाकर देखा तो मृतक शिवकुमार फांसी पर लटका हुआ था। जिसके बाद नंदिनी ने पुलिस को सूचनी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से नीचे उतारा।

सूरजपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में बाल विवाह के खिलाफ कार्रवाई

सूरजपुर। इन दिनों शादी का सीजन चल रहा है। इस बीच सूरजपुर में बाल संरक्षण विभाग लगातार बाल विवाह रुकवा रही है। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहे बाल विवाह की जानकारी के बाद विभाग मौके पर पहुंचकर न सिर्फ बाल विवाह रुकवा रही है बल्कि नाबालिगों के घरवालों को समझाइश दे रही है कि बाल विवाह के क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं। इस दौरान विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों के साथ पुलिसकर्मी भी मौजूद थे। ये लोग लोगों को समझाने का काम भी कर रहे हैं।

बाल संरक्षण विभाग की मानें तो लगातार शादी सीजन में गांव-गांव पहुंच कर लोगों को समझाइश दे रहे हैं। अगर उन्हें कहीं बाल विवाह होने

की सूचना मिलती है, तो वो उस जगह पर पहुंचकर बाल विवाह होने से रोकते हैं। टीम की ओर से अब तक 12 जगहों पर दबिश दी गई है। साथ ही बाल विवाह होने से रोका गया है।

इस बारे में जिला महिला बाल विकास अधिकारी रमेश साहू ने ईटीवी भारत से बातचीत के दौरान बताया कि, शादी सीजन शुरू होते ही सूरजपुर जिले में कई जगहों पर नाबालिग लड़के और लड़कियों के लिए मण्डप बना कर तैयार कर दिया गया था। इन बच्चों की उम्र अभी कानूनी तौर पर शादी के लिए हुई नहीं थी। ऐसी जगहों की जानकारी मिलते ही हमारी संयुक्त टीम मौके पर पहुंच कर बाल विवाह रोक रही है। अब तक टीम ने 12 जगहों पर दबिश देकर बाल विवाह रुकवाया है। साथ ही लोगों को निर्धारित उम्र में ही शादी करने की सलाह दी है।

स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ गरिमा सिंह ने कहा कम उम्र में वैवाहिक जीवन में बंधने से लड़के और लड़की की मानसिक स्थिति में जहां प्रभाव पड़ता ही है। वहीं, लड़की के स्वास्थ्य पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ता है। कई दफा यह परिवार वालों की छोटी सी भूल की सजा उस मासूम को अपनी जान गंवा कर चुकानी पड़ती है।

इस बारे में सूरजपुर जिले के समाजसेवी मोहम्मद इस्तियाक ने कहा कि, बाल विवाह एक कुरीति है। शासन प्रशासन की ओर से जागरूकता लाने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं, समाज में भी लोग अपनी कोशिश से इस कुरीति को खत्म करने में लगे हैं। हाल ही में मुस्लिम समाज ने एक निर्णय भी लिया गया है, जिसमें अब निकाह से पहले दूल्हा और दुल्हन को आधार कार्ड जमा कराना होगा, ताकि किसी भी नाबालिग का निकाह होने से रोका जा सके। हर समाज में ऐसे नियम होने चाहिए और बाल विवाह पर रोक लगनी चाहिए।

बारातियों पर बरसी लाठियां, लड़की पक्ष ने बोला हमला

■ **कोर्ट मैरिज करने के चार साल बाद कर रहे थे शादी**

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में पड़ोस की लड़की से कोर्ट मैरिज कर चार साल बाद महाराष्ट्र से लौटकर घर आने के बाद सामाजिक रीति-रिवाज से शादी करने पर लाठी-डंडा और फरसा तक चल गया। घटना में एक ग्रामीण घायल हो गया। वहीं रातभर दूल्हा-दुल्हन रिपोर्ट लिखाने थाने के बाहर कई घंटे तक इंतजार करते रहे, लेकिन रातभर थाने में अंदर से ताला लगा रहा। ताला खुलने के इंतजार और दशहत भरी रात गुजारने के बाद दूल्हा-दुल्हन की शादी नहीं हो सकी और सुबह हो गई।

घटना एमसीबी जिले के झगराखंड थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बंजी के मटियारीऔरा की है। यहां झगराखंड पुलिस की लापरवाही सामने आई है। वहीं जिम्मेदार अफसर पुलिस बल की कमी बता बचने का प्रयास कर रहे हैं। मटियारीऔरा निवासी दूल्हा के भाई शिवमूरत सिंह कुर्रे ने बताया कि चार साल पहले उसके छोटे भाई प्रकाश ने पड़ोस की लड़की से कोर्ट मैरिज की थी। इसके बाद से दोनों महाराष्ट्र चले गए और वहां काम कर जीवन यापन कर रहे थे। चार साल बाद लौटने पर समाज और रिश्तेदारों ने उन्हें सामाजिक रीति-रिवाज से शादी करने को कहा। इस पर शादी की तारीख 22 अप्रैल तय हुई। देर रात वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान डीजे बजा वे आतिशबाजी कर रहे थे, इस बीच बार-बार बिजली गुल हो रही थी। शक होने पर घर से कुछ ही दूर स्थित ट्रांसफॉर्मर की जांच की गई तो एक लड़के को डंडे से डीओ गिराते हुए पाया गया। इस पर दूल्हे के भाई मूरतसिंह ने उससे डीओ गिराने का कारण पूछा तो लड़के ने कहा कि उसकी जमीन पर ट्रांसफॉर्मर लगा है, वह जो चाहे कर सकता है। इस पर बात बिगड़ गई और लड़की पक्ष की ओर से लड़की के पिता, भाई और मां सहित अन्य ने लाठी-डंडा और फरसा लेकर उन पर और शादी में शामिल होने आए मेहमानों पर अटैक कर दिया। हमले में लड़का पक्ष की ओर से वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने आया अंगद सिंह का हाथ फरसा से जख्मी हो गया। इसके बाद रात एक बजे वह दूल्हा-दुल्हन को साथ लेकर रिपोर्ट दर्ज कराने झगराखंड थाने पहुंचे तो थाने के गेट पर अंदर से ताला लगा हुआ था। डेढ़ घंटे तक आवाज देने पर भी गेट खोलने कोई नहीं आया। इस पर वे रात में ही रिपोर्ट करने सिटी कोतवाली मनेंद्रगढ़ पहुंचे, जहां से उन्हें यह कहकर चलता कर दिया कि यह झगराखंड थाने का मामला है।

आदिवासियों का मान-सम्मान बढ़ाने वाले मोदी ही हैं : विष्णुदेव

अंबिकापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आदिवासियों की सबसे पिछड़ी जनजाति कोरवा, बिरहोर, बैगा, कमार, अबूझमाड़िया जनजाति के लोगों के लिए पीएम जनमन योजना लागू की है। वन धन योजना लागू कर आदिवासियों को वनोपज का ऊंचा दाम देने का काम किया है। सरकार की सारी सुविधाएं पहुंचाने का काम किया है। देश के सर्वोच्च पद पर आदिवासी समाज की बेटी द्रौपदी मुर्मू विराजमान हैं। छत्तीसगढ़ में पहली बार कोई आदिवासी का बेटा मुख्यमंत्री बना है।

अंबिकापुर की सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि ये गौरव का विषय है कि आज पूरी दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ाने वाले प्रधानमंत्री आज सरगुजा की धरती पर हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी जननायक और दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं। जो देश की 140 करोड़ जनता को अपना परिवार मानते हुए उनके सुख-दु:ख की सदैव चिंता करते हैं।

मुख्यमंत्री ने मंच पर बैठे प्रधानमंत्री से कहा कि उनकी दी हुई गारंटी पर विश्वास करके सरगुजा संभाग की जनता ने कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर दिया और संभाग की सभी 14 सीटों पर कमल खिलाया, साथ ही कांग्रेस के भ्रष्टाचारी पंजे को साफ कर दिया।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से कहा कि मोदी की गारंटी को पूरा करने के लिए उनकी सरकार पूरी तरह वचनबद्ध है। हमारी सरकार ने शपथ लेने के दूसरे ही दिन 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दे दी है। 12 लाख किसानों को 2 साल का 3716 करोड़ रुपए का बकाया बोनस दे चुके हैं। 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीद कर 3100 रूपए क्विंटल धान की कीमत दी है। विष्णुदेव साय ने कहा कि न केवल समर्थन मूल्य के अंतर की राशि एकमुश्त उनकी सरकार ने किसानों के खाते में ट्रान्सफर किये वरन महिला शक्ति के लिए लागू उनकी योजना महतारी वंदन योजना के दूसरे महीने की राशि भी उनके खातों में ट्रांसफर कर दी है। उन्होंने कहा कि रामलला दर्शन योजना की शुरुआत भी उनकी सरकार ने कर दी है। साथ ही 5500 रुपये प्रति मानक बोरा के दर से तेंदूपत्ता खरीदी के आदेश भी दे दिए हैं और बोनस की शुरुआत भी कर दी है।

सीएम साय ने विशाल जनसमूह से सरगुजा से लोकसभा प्रत्याशी चिंतामणि महाराज को प्रचंड मतों से जिताकर मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का आशीर्वाद मांगा।

शंखनाद रैली में मंत्री गण रामविचार नेताम, श्यामबिहारी जायसवाल, लक्ष्मी राजवाड़े, लोकसभा प्रत्याशी चिंतामणि महाराज, विधायक गण रेणुका सिंह, अमर अग्रवाल, प्रबोध मिंज, राजेश अग्रवाल, शकुन्तला सिंह पोर्ते, रामकुमार टोप्पो, भूलन सिंह मरावी, उद्देश्वरी पैंकरा, पूर्व संगठन महामंत्री रामप्रताप सिंह, पूर्व सांसद कमलभान सिंह सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

पीएम मोदी पर चरणदास महंत ने साधा निशाना मंगलसूत्र वाले बयान को बताया बौखलाहट

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। छत्तीसगढ़ नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने एक बार फिर बीजेपी पर निशाना साधा है। चरणदास महंत ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री बौखला गए हैं,या फिर परिस्थितियों ने बौखलाहट पैदा कर दी है,ये खुद वो ही बता सकते हैं। प्रधानमंत्री के बारे में कोई भी एक शब्द बोलता है तो उन्हें बुरा लग जाता है।दस साल पहले की बातें उन्हें याद नहीं है।हर साल दो करोड़ नए रोजगार देने का वादा किया था।आज 20 करोड़ नौकरियां होती।क्या वो भूल गए हैं।

बीजेपी की पुरानी बातें अब जनता,नौजवानों, बच्चों और पढ़े लिखे लोगों के बीच आ रही है।उसके कारण ही कम मतदान हो रहा है।कोई भी वोट डालने में इंटरेस्ट नहीं ले रहा है।कोई भी वोट डालने की बात नहीं सोच रहा है, बल्कि गुमशुम बना हुआ है। साथ ही साथ हर स्तर के आदमी को धमकी दे रहे हैं। नगर पालिका निगम के अध्यक्षों को धमकी दे रहे हैं कि तुमको निकाल देंगे।छत्तीसगढ़ के कई सारे नगर पंचायत,नगर पालिका में अविश्वास प्रस्ताव लाया है कि सबको बदल देंगे। अभी भी हमारे जो पुराने मंत्री हैं उनको किसी तरह से अंदर बाहर करने की धमकी दे रहे हैं।

चरणदास महंत ने कहा दो-दो मुख्यमंत्री को अंदर कर दिया आज ही पढ़ की सात मई तक रहेंगे। क्या चाहते हैं आप दुनिया इतनी अंधी नही है ये उनको समझना चाहिए। उनके लोग क्या कह रहे हैं।हम कोई राजनीति बात नहीं कर रहे, ये देश सही सुल्तान का है, ये देश भाईचारे का है। हम लोग अलग-अलग पार्टी के रहे हमने किसी के साथ ऐसा व्यवहार किया है। हम जब होम मिनिस्टर बना था तब मैं मुख्यमंत्री का पाव छूने गया था। मैं अटल बिहारी बाजपेयी मिलते थे, उनका पांव छूता था।

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत हनुमान टेकरी में जाकर दर्शन किए।इस दौरान चरणदास महंत ने कहा कि हम भगवान से आशीर्वाद नहीं मांगेंगे तो किस से मांगेंगे।

संक्षिप्त समाचार

सकरी में होगी राहुल गांधी की चुनावी सभा 29 को

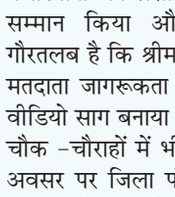

बिलासपुर। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी 29 अप्रैल को बिलासपुर आ रहे हैं जहां वे कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र यादव के लिए चुनाव प्रचार करेंगे और सकरी स्थित सिंचाई कॉलोनी मैदान उनकी आमसभा होगी। शहर अध्यक्ष विजय पांडेय, महापौर रामशरण यादव, प्रवक्ता ऋषि पांडेय ने मैदान का निरीक्षण कर इसका चयन किया, जिसकी प्रशासनिक स्वीकृति भी ले ली गई है।

मतदाता जागरूकता के लिए शत-प्रतिशत मतदान के लिए दो वीडियो सांग शुभारंभ

रायपुर। लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत कलेक्ट्रेक्ट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में सामान्य प्रेक्षक श्री संजय कुमार, श्री रोहनचंद ठाकुर और जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह ने मतदाता जागरूकता के दो वीडियो सांग का शुभारंभ किया। शत-प्रतिशत मतदान पर आधारित गाने की रचना गौरेला-पेड्रा-मारवाही जिले की श्रीमती मीनाक्षी केसरवानी ने की है। साथ ही गाने का वीडियो भी तैयार किया है। इस अवसर पर सामान्य प्रेक्षक श्री कुमार व श्री ठाकुर व जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सिंह ने श्रीमती केसरवानी को प्रशस्ति पत्र देकर शॉल भेंट कर सम्मान किया और उन्हें शुभकामनाएं दी। गौरतलब है कि श्रीमती केसरवानी द्वारा पूर्व में भी मतदाता जागरूकता का संदेश देने के लिए एक वीडियो साग बनाया गया है। जिसकी धुन शहर के चौक -चौराहों में भी सुनाई देती है। इस शुभारंभ अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप, अपर कलेक्टर श्री उज्जवल पोरवाल सहित कई अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे।

राजधानी में घर- घर बटने लगे मतदाता पर्चे

रायपुर। रायपुर नगर निगम क्षेत्र में कलेक्टर

राजीव कुमार सिंह के निर्देशानुसार मतदाता पर्चे घर-घर जाकर बाटा जा रहा है। साथ ही कम मतदान वाले क्षेत्र के मतदाताओं को मतदान करने जागरूकता भी लाई जा रही है। निगम कमिश्नर अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर अपर आयुक्त विनोद पांडे ने बुधवार को निगम क्षेत्रों के अलग - अलग जगहों पर जाकर मतदाता पर्चियां बांटे जाने के कार्य का अवलोकन किया। साथ ही नागरिकों से मतदान करने हेतु प्रेरित भी किया। श्री पांडे ने बताया कि शहर के सभी 10 जोनों के प्रत्येक वार्डों में बूथ लेवल आफिसर के माध्यम से मतदाता पर्चे बाटे जा रहे हैं। इस कार्य में निगम की टीम भी जुटी हुई है। निगम के राजस्व अमले को भी इसमें लगाया गया है। इसी के साथ ही विधानसभा चुनाव चुनावों के समय जिन मतदान केंद्रों में कम मतदान हुआ था, वहां अधिक से अधिक मतदान कराने के लिए वहां के मतदाताओं को जागरूक करने का कार्य भी किया जा रहा है। मतदान करने के लिए प्रेरित करने के लिए जागरूकता रैलियां भी निकाली जा रही है।

बघवा तालाब में बनेगा पाथवे और उद्यान तालाब गहरीकरण का कार्य जारी

रायपुर। रायपुरा स्थित बघवा तालाब का बरसात से पहले गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। यहां तालाब के चारों और पाथवे के साथ ही उद्यान भी बनाया जाएगा। निगम कमिश्नर अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर निगम की टीम द्वारा यहां चल रहे कार्यों का निरीक्षण कर रही है। कार्यपालन अभियंता अंशुल शर्मा तथा उप अभियंता अर्जिता दीवान ने बुधवार को वहां जाकर कार्य कर रहे लोगों को दिशा निर्देश दिए। श्री शर्मा ने बताया कि इस तालाब की गहरीकरण के साथ ही वहां रिटेनिंग वाल, पाथवे और उद्यान भी बनाया जा रहा है। ये सभी कार्य बरसात से पहले पूर्ण कर लिए जाएंगे। इस हेतु आज ठेकेदार की हिदायत भी दी गई।

रामनगर टँकी में लगेगा हाइड्रेंट, बाकी टँकीयों में लगाने किया जाएगा सर्वे

रायपुर। रायपुर नगर निगम के कमिश्नर अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर बुधवार को रामनगर स्थित भारत माता टँकी में हाइड्रेंट लगाने हेतु अधिकारियों ने जायजा लिया। यहां टँकी या मेन राइजिंग लाईन में हाइड्रेंट लगाया जाएगा। गुढियारी में बिजली विभाग के यार्ड में आगजनी के घटना के समय निगम द्वारा मेन राइजिंग लाईन की वाल को तोड़कर नाली बनाकर पानी से आग बुझाने का कार्य किया गया था। इस घटना का जायजा लेते समय निगम आयुक्त श्री मिश्रा ने निर्देश दिए कि टँकी में यदि हाइड्रेंट लगा होता तो पानी निकालने में सहूलियत होती साथ ही इस टँकी के अलावा जिस भी टँकी में हाइड्रेंट ना लगा हो उनका सर्वे कर वहां हाइड्रेंट लगाने के निर्देश दिए थे। आज रामनगर स्थित भारत माता टँकी का निगम के फिल्टर प्लांट के अधीक्षण अभियंता बद्री चंद्राकर और कार्यपालन अभियंता नरसिंह फरेंद्र ने निरीक्षण किया। श्री फरेंद्र ने बताया कि इस जगह पर हाइड्रेंट लगाने के लिए दो तरह से विचार किया जा रहा है। यहां टँकी में या फिर नीचे मेन राइजिंग लाईन के नीचे हाइड्रेंट लगाने का परीक्षण कर जल्द ही हाइड्रेंट लगा दिया जाएगा।

विधायक रेणुका को पीएम का दिल्ली बुलावा, सीएम की कुर्सी पर बैठाकर कई मुद्दों पर की चर्चा

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर। भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र से विधायक व पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंबिकापुर के पीजी कालेज में आयोजित विजय संकल्प शंखनाद रैली के दौरान छत्तीसगढ़ व सरगुजा संभाग और भरतपुर सोनहत विधानसभा के विकास कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा की चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधायक रेणुका सिंह को दिल्ली बुलाया। प्रधानमंत्री बुधवार को अंबिकापुर में सरगुजा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी चिंतामणी महराज के पक्ष में चुनावी सभा को सम्बोधित करने पहुंचे थे। जैसे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंच पर पहुंचे तो विधायक रेणुका सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ जोड़कर अभिवादन किया तो प्रधानमंत्री ने रेणुका सिंह से उनका हालचाल पूछा।

विजय संकल्प शंखनाद आमसभा के दौरान विधायक रेणुका सिंह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बातचीत चर्चा का विषय रही। गौरतलब है कि वर्तमान में प्रदेश की

पहली विधानसभा भरतपुर सोनहत विधानसभा सीट से विधायक रेणुका सिंह सरगुजा लोकसभा से सांसद रह चुकी हैं व मोदी सरकार में प्रदेश से इकलौती केंद्रीय मंत्री रही है। विजय संकल्प शंखनाद रैली को जब प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय संबोधित कर रहे थे तब मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बैठे थे इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कुछ दूरी पर बैठी विधायक रेणुका सिंह को नरेंद्र मोदी ने बुलाया और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जिस कुर्सी पर बैठे थे उसमे बिठाया और लगभग 7 मिनट तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधायक व पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह ने प्रदेश के विकास कार्यों और केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को लेकर चर्चा करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेणुका सिंह को दिल्ली आने के लिए कहा।

ट्रेनों के रद्द होने पर बैज ने मोदी पर साधा निशाना

■ **कहा- जानबूझकर रद्द करते हैं यात्री ट्रेनें**

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने आज रेल्वे स्टेशन में यात्रियों से मिलकर उनकी परेशानियों को जाना। इस दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए ट्रेन कैंसिल को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि रेल्वे स्टेशन, यह रेल नरेन्द्र मोदी सरकार की विफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है। इस संबंध में उन्होंने ने मीडिया चर्चा की।

पीसीसी चीफ बैज ने कहा कि गर्मी की छुट्टियां चल रही है, शादी-ब्याह का सीजन है, लोग महीनों पहले टिकिट बुक करवा कर रखे है, लेकिन यात्रा के दिन ट्रेनों के रद्द होने का फर्मान जारी हो जाता है। अकेले रायपुर रेलवे स्टेशन में प्रतिदिन हजारों यात्री ट्रेनों के लेट लतीफी और रद्द होने के कारण परेशान है। वर्तमान में एक बार फिर 18 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया। 40 ट्रेने पहले से रद्द है। देश में आज कोई भी ट्रेन नहीं है, जो समय पर गंतव्य के लिये चलती हो घंटो लेट लतीफी भारतीय रेल की पहचान बन गयी है। उन्होंने इसे मोदी

सरकार की तानाशाही और छत्तीसगढ़ विरोधी रवैया बताया है। पिछले 3 साल से अधिक समय से छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली 62 हजार ट्रेनों को बिना किसी ठोस कारण के रद्द किया जाता है। लोकसभा चुनाव में भाजपा को वोट देने का मतलब यात्री ट्रेनों को बंद करने के षड़यंत्र करने का समर्थन करना होगा। रेलवे को बचाने के लिए आवश्यक है कि देश से मोदी सरकार की विदाई की जाये। देश की आजादी के बाद ऐसी स्थिति केवल मोदी सरकार में आई है। जहां रेलवे की यात्री सुविधाएं इतनी ज्यादा खस्ताहाल हो गयी है।

उन्होंने कहा कि यात्री ट्रेनों को जानबूझकर रद्द किया जाता है, कभी कोयले के आपूर्ति के नाम पर, कभी कोई और कारण बता कर यह विश्वसनीय यात्री सेवा भारतीय रेल को बदनाम करने की साजिश है ताकि लोग रेलवे से ऊब जाये और रेल को भी मोदी अपने उद्योगपति मित्र अडानी के हवाले कर सके। बुजुर्गो, बच्चों, विकलांगों को मिलने वाली सुविधा को मोदी सरकार ने मुनाफाखोरी के चक्कर में बंद कर दिया। मोदी सरकार के पहले की केंद्र सरकारें घाटा उठा कर भी रेलवे सुविधाओं का विस्तार करती रही।

बैज ने कहा कि आजादी के बाद से रेलवे का अलग बजट बनाया जाता था, लेकिन मोदी सरकार रेलवे की यात्री सुविधाओं को समाप्त कर इसे सिर्फ मालवाहक बनाना चाहती है और बाद में रेल को निजी हाथों में सौंपा जा सके। इसका रास्ता बना रही है। ऐसा इसलिये कि यात्री ट्रेनों की अपेक्षा माल भाड़े में रेलवे को 300 से 400 प्रतिशत ज्यादा मुनाफा मिलता है। 2014 से पहले कांग्रेस की सरकारों ने रेल्वे लाइनों का विस्तार किया, दोहरी और तीसरी लाइने बिछी, बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रिफिकेशन के काम हुये तब ट्रेने बाधित नही की लेकिन मेंटेनेश का बहाना कर मोदी सरकार दुर्भावनापूर्वक यात्रियों को प्रताड़ित कर रही है। यात्री रेल और रेल सुविधा को बचाने के लिये यह आवश्यक है कि भाजपा और मोदी के खिलाफ मतदान किया जाये।

गंभीरता के साथ त्रुटि विहिन मतदान कराएं : कलेक्टर

■ **सेक्टर अधिकारियों का मतदान संबंधी कमिशनिंग कार्य का हुआ प्रशिक्षण**

रायपुर। लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत आज कलेक्ट्रेट स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में सेक्टर अधिकारियों को मतदान के लिए कमिशनिंग का प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि सभी सेक्टर अधिकारी कमिशनिंग का कार्य बेहतर ढंग से करें। कमिशनिंग के कार्य को जल्दबाजी में न करें। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि बिना किसी त्रुटि के गंभीरता के साथ मतदान कार्य कराएं। कमिशनिंग कार्य के लिए वीडियो भी तैयार किया गया है, समय-समय पर वीडियो को देखकर कमिशनिंग की बारिकियों को समझें और फ्लो चार्ट के माध्यम से निर्वाचन कार्य

कराएं। हर मतदान केंद्र में मतदान दलों के लिए मेडिकल किट उपलब्ध कराए गए है। सेजबहार के स्ट्रॉंग रूम में पेयजल, टॉयलेट की बेहतर व्यवस्था की गई है। नाश्ता और भोजन भी समय-समय पर दिया जाएगा। मतदान केंद्र से लेकर स्ट्रांग रूम तक किसी भी मतदान दल को असुविधा नहीं होगी। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप, अपर कलेक्टर श्रीमती निधि साहू समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी गण मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर डॉ. राकेश डेढगवे और श्री अजीत हुडैंत ने प्रशिक्षण के दौरान वीडियो के माध्यम से मतदान प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण पूर्व वीडियो के माध्यम से जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह के निर्वाचन कार्य का संदेश दिखाया गया। फलो चार्ट के माध्यम से निर्वाचन कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। कमिशनिंग संबंधी कार्य को पूर्ण करने के लिए पांच अलग-अलग वीडियो भी तैयार किए गए है और सेक्टर अधिकारियों को सोषल मीडिया ग्रुप के माध्यम से प्रदान किए गए। प्रशिक्षण उपरांत सभी सेक्टर अधिकारियों को एमसीक्यू सवाल गूगल फॉर्म से दिए गए। निर्धारित समय अवधि में सारे सवाल को पूर्ण कर सबमिट किए गए।

महादेव सट्टा एप मामला : कोलकाता और गोवा से 10 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। कोलकाता में महादेव के रेडी अन्ना ऐप से ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालित करने वाले 8 सटोरियों को रायपुर सायबर सेल की टीम ने गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों से करोड़ों की सट्टापट्टी जब्त की गई है। महादेव ऑनलाइन सट्टा एप मामले में एसीबी/ईओडब्ल्यू ने भी गोवा से भिलाई निवासी रितेश यादव समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन दोनों को एसीबी/ईओडब्ल्यू कुछ देर में कोर्ट में पेश कर सकती है।

पुलिस के मुताबिक, कोलकाता के 24 परगना न्यूटाउन गोलाबारी इलाके के एक फ्लैट से ऑनलाइन सट्टा संचालित हो रहा था। रायपुर सायबर सेल की टीम ने फ्लैट में दबिश देकर ऑनलाइन सट्टे के मास्टर माइंड

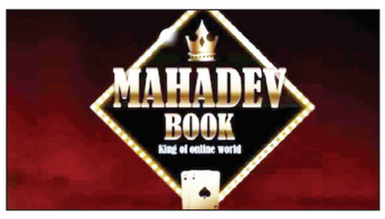

के सबसे बड़े सहयोगी प्रकाश वाधवानी उर्फ प्रकाश सिंधी समेत 8 बुकी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में 3 बुकी जबलपुर एमपी, 3 छत्तीसगढ़ और राजस्थान, बिहार के एक-एक बुकी शामिल है। इन सटोरियों से 22 बैंक पासबुक, 22 नग बैंक एटीएम, 5 लैपटॉप, 36 मोबाइल कुल 12 लाख का सामान समेत करोड़ों की सट्टापट्टी जब्त की गई है।

भाजपा ने 2014 से अब तक नहीं पूरी की कोई गारंटी : रंजीत रंजन

महासमुन्द। कांग्रेस की राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन महासमुंद दौरे पर रहीं, इस दौरान उन्होंने कांग्रेस भवन में प्रेसवार्ता लेकर भाजपा पर जमकर वार किया। रंजीत रंजन ने कहा कि लोकसभा के पहले चरण के वोटिंग के बाद विपक्षी जुमला पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेता जो बयानबाजी कर रहे हैं वो प्रधानमंत्री को शोभा नहीं देता। उन्होंने पीएम मोदी के छत्तीसगढ़ दौरे पर कहा कि, वो शायद ये भूल रहे हैं कि वो पार्टी के प्रचारक के साथ-साथ देश के प्रधानमंत्री भी हैं। प्रधानमंत्री किसी पार्टी का नही बल्कि सभी के हैं पहले चरण के वोटिंग के बाद विपक्षी घबरा गये हैं।

रंजन ने कहा कि जुमला पार्टी 2014 में जो गारंटी दी थी, उसे पूरा किये क्या ? कालाधन वापस आया क्या ? 15 लाख रुपये सभी के खाते मे आये क्या? बेरोजगारी कम हुई, त्रस्ज्ञ सरलीकरण हुआ क्या ? महंगाई कम हुई क्या? प्रधानमंत्री व गृहमंत्री क्या जनता के बीच आकर कह

सकते हैं, क्या नौकरी मिली क्या, जितने भी वादे किये उन में से 70 फसीदी भी पूरा नहीं किया।

रंजीत रंजन ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र मे 5 न्याय और 25 गारंटी हैं। जिसमे युवा न्याय, नारी न्याय, किसान न्याय, मजदूर न्याय, हिस्सेदारी न्याय शामिल हैं। वहीं रंजीत रंजन के इस बयान पर भाजपा ने पलटवार किया, जिला भाजपा के प्रवक्ता महेंद्र जैन ने कहा कि यह चुनाव है चुनाव को चुनाव की दृष्टि से देखा जाना चाहिए, हमारा लक्ष्य 400 पार है और हमारा केंद्रीय नेतृत्व इसके लिए लगातार प्रयास में है, लोगों को जागरूक कर रहे है, कांग्रेस के पास नेता नहीं है, केवल 2 नेता बचे हैं जो जुमले बाज हैं।

डबल इंजन की सरकार में डबल परेशानी : भूपेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजनांदगांव लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी हैं। अपने दौरे कार्यक्रम के दौरान उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। प्रत्याशी भूपेश बघेल ने कहा है कि भाजपा के नेता डबल इंजन की सरकार की बातें करते हैं लेकिन सच यह है कि एक ओर एक इंजन लगातार महंगाई बढ़ा रहा है और दूसरा इंजन कांग्रेस सरकार की ओर से महंगाई से राहत दिलाने के लिए जो सुविधाएं मिली थीं, उसमें कटौती कर रहा है। उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि ये डबल इंजन की डबल ट्रबल इंजन सरकार है यानी दोहरी परेशानी देने वाली सरकार।

भूपेश बघेल भाजपा सरकार की नीतियों और वादाखिलाफ़ियों के खिलाफ जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार गरीब, आदिवासी और महिला विरोधी है, एक ओर कांग्रेस जहां गरीबों, आदिवासियों, महिलाओं और मजदूरों की मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखती है तो वहीं भाजपा गरीब को और गरीब बना रही है। उनसे सुविधाएं छीन रही है।

भूपेश बघेल ने कहा कि 2014 में भाजपा ने नारा दिया था, बहुत हुई महंगाई की मार,

अबकी बार मोदी सरकार लेकिन आज 10 सालों बाद महंगाई दोगुनी से भी अधिक हो गई है, बढ़ी हुई महंगाई की सबसे अधिक मार घर में सबके भोजन का प्रबंध करने वाली माताओं-बहनों पर पड़ी है और अब तो भाजपा सरकार ने राशनकार्ड के चावल में भी कटौती कर दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार में मजदूरों को मिलने वाले सालाना सात हजार का भी कोई अता-पता नहीं, महुआ की भी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी अब बंद हो चुकी है।

अपने जनसम्पर्क कार्यक्रम को बीच में ही स्थगित कर शहर के मानव मंदिर चौक पर भूपेश बघेल पहुंचे। जहां स्थानीय नेताओं और जनता के साथ वहां खड़े होकर हनुमान जयंती शोभा यात्रा का स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने हनुमान जी का गदा लहराते हुए बजरंग बली की जयकार का नारा लगाया।

गड़बड़ा गया है प्रधानमंत्री का मानसिक स्वास्थ्य : भूपेश

राजनांदगांव। राजनांदगांव लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह पर की गई टिप्पणी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की और कहा कि पीएम मोदी का मानसिक स्वास्थ्य गड़बड़ा गया है, कोई भी संतुलित व्यक्ति उनके जैसा नहीं बोलेगा। बघेल का बयान पीएम मोदी द्वारा राजस्थान में एक चुनावी रैली में कांग्रेस के घोषणापत्र की योजनाओं को देश के संसाधनों पर अल्पसंख्यकों को प्राथमिकता देने के पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के 2006 के बयान से जोड़ने के बाद आया है। पीएम मोदी ने 21 अप्रैल को एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर आरोप लगाया था कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो वह लोगों की संपत्ति जब्त करने के लिए संपत्ति सर्वेक्षण कराएंगे और उनकी जीवन भर की बचत छीन लेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस राज में आपका मंगलसूत्र सुरक्षित नहीं रहेगा।

नहीं डालेंगे वोट तो सरकार से कैसे कर सकेंगे सवाल?

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

18 वीं लोकसभा के लिए पहले चरण का 21 राज्यों की 102 लोकसभा सीटों के लिए मतदान संपन्न हो चुका है। दूसरे चरण का मतदान 26 अप्रेल को देश के 13 राज्यों के 89 लोकसभा सीटों के लिए होने जा रहा है। पहले चरण का मतदान 2019 की तुलना में कम हुआ है। यह अपने आप में चिंतनीय हो जाता है। मतदान कम होने के कारणों का विश्लेषण करने का ना तो यह सही समय है और ना ही यह विश्लेषण का समय है कि मतदान कम होने से किसे लाभ होगा या किसे हानि होगी। लाभहानि का आकलन करना राजनीतिक दलों का विषय हो सकता है। पर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नागरिकों द्वारा मताधिकार का उपयोग नहीं करना अपने आप में गंभीर हो जाता है। एक और हम निर्वाचित सरकार से अपेक्षाएं रखते हैं और रखनी भी चाहिए वहीं हम अपनी सरकार चुनने के लिए घर से मतदान करने के लिए भी निकलना अपनी तोहिन समझने लगते हैं। आखिर इतनी गैर जिम्मेदार नागरिक हम कैसे हो सकते हैं? यहां पर बरबस देश की सर्वोच्च अदालत की टिप्पणी पर ध्यान चला जाता है कि जब हम मतदान के दायित्व को पूरा नहीं कर सकते तो फिर चुनी हुई सरकार से सवाल करने या उससे किसी तरह की अपेक्षा रखने का हक भी हमें नहीं होना चाहिए। एक एनजीओ के द्वारा दायर पीएल को इसी भावार्थ के साथ खारिज कर दिया गया था। वैसे भी हमारा दायित्व हो जाता है कि लोकतंत्र के इस महापर्व में हम थोड़ा सा समय निकाल कर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। पांच साल में एक बार मिलने वाले अवसर को नकारात्मक सोच या गैरजिम्मेदारी से खो देना किसी भी हालात में उचित नहीं माना जा सकता। लोकतंत्र के महायज्ञ में प्रत्येक मतदाता को अपने मताधिकार का उपयोग कर मतदान करके अपनी आहुति देने का अवसर मिलता है। ऐसे में मतदान का बहिष्कार या फिर लापरवाही के कारण मतदान नहीं करना किसी अक्षम्य अपराध से कम नहीं कहा जा सकता है। वर्तमान सिनेरियों में नोटा प्रयोग भी मंथन का विषय होना चाहिए। नोटा के प्रवधान को लेकर पक्ष विपक्ष में अनेक तर्क दिए जा सकते हैं पर समय आ गया है कि उस पर बड़ी बहस हो और उसको अधिक प्रभावी या कारगर बनाने के प्रावधान किये जाये। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मतदान को लेकर की गई टिप्पणी भी इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाती है कि यदि हम मताधिकार का प्रयोग नहीं करते हैं तो फिर सरकार के खिलाफ किसी तरह की ग्रिवेंस करना उचित नहीं ठहराया जा सकता। सजग व जिम्मेदार नागरिक के रुप में प्रत्येक मतदाता का दायित्व हो जाता है कि वह अपने मताधिकार का प्रयोग करे। अब तो निर्वाचन आयोग ने मतदान सुविधाजनक भी बना दिया है। बुजुर्ग व दिव्याग मतदाताओं को घर बैठे मतदान का अवसर प्रदान कर दिया हैं वहीं मतदाताओं के लिए जागरुकता अभियान से लेकर निष्पक्ष चुनाव के लिए कारगर कदम उठाये जाने लगे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव तिथियों की घोषणा करते समय साफ कर दिया कि आयोग चार एम पर प्रभावी कार्यवाही करने को प्रतिवद्ध है और उसकी सूक्ष्म मोनेटरिंग की जा रही है। भले ही सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद ईवीएम में नोटा यानी कि नन ऑफ द अवोव का प्रावधान कर दिया गया हो पर एक जागरुक व जिम्मेदार मतदाता के लिए नोटा के प्रयोग को समझदारी भरा निर्णय नही माना जा सकता। कारण साफ है नोटा का बटन दबाकर अपनी भावना तो व्यक्त कर सकते हैं पर उसका इस मायने में कोई अर्थ नहीं रहता कि किसी की जीत हार में उसका असर नहीं पडता। नोटा के प्रयोग के स्थान पर उपलब्ध विकल्पों में से ही किसी एक को चुनना ज्यादा बेहतर माना जा सकता है। हांलाकि एक समय था जब कई बूथों पर विरोध स्वरुप मतदान का बहिष्कार करने का निर्णय कर लिया जाता था या फिर लोगों द्वारा उपलब्ध उम्मीद्वारों में किसी को भी मत देने योग्य नहीं समझने के कारण विरोध का मत यानी कि नोटा के प्रयोग की मांग की जाती रही। नोटा का परिणाम प्रभावी तरीके से राइट टू रिजेक्ट होता तो अधिक कारगर होता। तस्वीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों में उसकी कारगरता के अभाव के कारण नोटा के प्रावधान को हटाया जा चुका है। यों कहे कि कई देषों में नोटा के प्रावधानों को कारगर नहीं पाने के कारण हटा दिया गया है। अमेरिका की ही बात करें तो वहां नोटा का प्रावधान रहा है पर 2000 आते आते उसे हटा दिया गया।

हिन्दुत्व के ब्रांड एम्बेसडर मोदी

कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्तमान में विश्व के सबसे लोकप्रिय राजनेता के रूप में ख्यातिलब्ध हो चुके हैं। भारतीय राजनीति से लेकर वैश्विक राजनीति में उनके विचारों एवं निर्णयों की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है?। यह सब इसलिए सम्भव हो पा रहा है क्योंकि वे भारत के %स्व% के अधिष्ठान को अपना ध्येय बनाकर सतत् गतिमान हैं। भारत का यह स्व- सनातन हिन्दुत्व के वे मानबिन्दु एवं चिरकालिक शाश्वत मूल्य बोध हैं जिन्हें उन्होंने प्रखरता के साथ अपनी कार्यशैली से प्रकट किया है। वर्ष 2014 में प्रथम बार सांसद एवं प्रधानमंत्री के रूप में निर्वाचित होते ही संसद प्रवेश के समय प्रवेश द्वार पर साष्टांग दंडवत प्रणाम से ही उन्होंने नए संकेत दे दिए थे। वे थे हिन्दू अस्मिता और हिन्दुत्व के प्रति अनन्य निष्ठा के भाव। आगे चलकर विश्व इतिहास में रेखांकित की जाने वाली तारीख 5 अगस्त 2020 को मोदी का एक नया रूप देखने को मिला। उन्होंने अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि में मंदिर निर्माण के भूमि-पूजन के साथ ही पुनश्च एक नया शंखनाद किया?। जोकि आगे चलकर पौष शुक्ल द्वादशी तदनुसार 22 जनवरी 2024 को रामलला के नूतन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ ही नूतन शक्ति संचार के रूप में दर्ज हो गया। इस अवसर के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्णरूपेण वैदिक विधान के साथ 11 दिवसीय कठोर व्रत का पालन करते हुए अपने तपस्वी साधक रुप का परिचय दिया था। उक्त अवसर पर उनके उद्बोधन का यह अंश उनके उसी भाव विचार को प्रकट करता है—

22 जनवरी, 2024, ये कैलेंडर पर लिखी एक तारीख नहीं। ये एक नए कालचक्र का उद्गम है। राम मंदिर के भूमिपूजन के बाद से प्रतिदिन पूरे देश में उमंग और उत्साह बढ़ता ही जा रहा था। निर्माण कार्य देख, देशवासियों में हर दिन एक नया विश्वास पैदा हो रहा था। आज हमें सदियों के उस धैर्य की धरोहर मिली है, आज हमें श्रीराम का मंदिर मिला है। गुलामी की मानसिकता को तोड़कर उठ खड़ा हो रहा राष्ट्र, अतीत के हर दंश से हौसला लेता हुआ राष्ट्र, ऐसे ही नव इतिहास का सृजन करता है। आज से हजार साल बाद भी लोग आज की इस तारीख की, आज के इस पल की चर्चा करेंगे। और ये कितनी बड़ी रामकृपा है कि हम इस पल को जी रहे हैं, इसे साक्षात घटित होते देख रहे हैं। आज दिन-दिशाएँ... दिग-दिगंत... सब दिव्यता से परिपूर्ण हैं। ये समय, सामान्य समय नहीं है। ये काल के चक्र पर सर्वकालिक स्याही से अंकित हो रहीं अमिट स्मृति रेखाएँ हैं।

साथ आगे अपने अखंड संकल्प को व्जियक्त करते हुए कहते हैं— हमें अपनी चेतना को देव से देश, राम से राष्ट्र- देवता से राष्ट्र तक विस्तारित करना है। यह भव्य मंदिर वैभवशाली भारत के उत्कर्ष और उदय का गवाह बनेगा। यह भारत का समय है और हम आगे बढ़ रहे हैं।

मोदी जिस ढंग से हिन्दुत्व के नायक के रूप में अपने कार्य वैशिष्ट्य के साथ गतिमान है। वह स्वर्णिम भारत के भविष्य की आधारशिला के रूप में इतिहास के सुनहरे पन्नों में दर्ज होता चला जा रहा। एक राजनेता जब साधक एवं तपस्वी के रूप में राष्ट्र जीवन को दिशा देता है तो निश्चय ही उसके सुफल पुण्यता का पथ प्रशस्त करने वाले होते हैं। प्रधानमंत्री मोदी जिस प्रकार से राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए एक श्रेष्ठ नेतृत्वकर्ता के रूप में जाने जाते हैं। ठीक उसी प्रकार से वे अपनी हिन्दुत्व के प्रति आदर-श्रद्धा-भक्ति एवं निष्ठा के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने अपनी कार्यप्रणाली एवं विचार निष्ठा से एक भारतीय राजनीति में हिन्दुत्व की अपरिहार्यता की नई लकीर खींच दी है?। इसी के कारण स्वतंत्रता के बाद से भारतीय राजनीति में हिन्दू व हिन्दुत्व की अस्मिता के विरुद्ध रोपी गई सेकुलरिज्म की विषबेल समाप्ति की ओर है। नरेन्द्र मोदी ने अपनी वेशभूषा, खान-पान एवं कार्य-व्यवहार में जिस ढंग से हिन्दुत्व के मूल्यों को आत्मसात करते हुए सार्वजनिक रूप से प्रकट किया है। उसका लोहा समूचा विश्व मानने लगा है?। वर्षों तक हिन्दुत्व के प्रति दुराग्रह एवं घ्रणा का जो षड्यंत्र सत्तालोलुपों ने तुष्टिकरण के चलते रचा। उसे नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री की कुर्सी पर आते ही क्रमशः ध्वस्त कर दिया। प्रधानमंत्री अपने निजी जीवन से लेकर सार्वजनिक जीवन में हिन्दू परम्पराओं के अनुसार आचरण करते हुए निरंतर दिखते हैं। वे शक्ति के उपासना पर्व नवरात्रि में निराहार व्रत रहते हैं?। माथे पर चंदन, रुद्राक्ष की माला, भगवा वस्त्र और पूजन अर्चन के समस्त विधि विधानों का निः संकोच पालन करते हैं?।

आज विदेशी राजनेता और राजनयिक हमारी सम्बोधन पध्दति के शब्द नमस्ते को बड़े ही आदर के साथ अपनाते हैं और उसका प्रयोग करते हैं?। प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों के चलते ही 21 जून 2015 को अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता मिली। साथ ही यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की ही छाप है कि— आज विश्व के विभिन्न देशों में भारतीय दर्शन एवं ज्ञान परम्पराओं जुड़े हुए धर्मग्रंथों- वेद, उपनिषद, श्रीमद्भगवद्गीता, रामायण एवं महाभारत के मूल्यों पर खुलकर चर्चा की जा रही है। उन्हें अपनाने पर जोर दिया जा रहा है। वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यूएई की यात्रा के दौरान ही वहां की सरकार ने राजधानी आबू धाबी में मंदिर निर्माण की स्वीकृति एवं जमीन देने की घोषणा की थी। यूएई के उसी पहले हिन्दू मंदिर का विधिवत उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी ने 14 फरवरी 2024 को किया। यह अपने आप में ऐतिहासिक एवं अनुपमेय था। इसी प्रकार भारत को जी 20 की अध्यक्षता मिलने के पश्चात भारतीय संस्कृति से जुड़े हुए विविध पहलुओं से जी 20 देश परिचित हुए। इसके अतिरिक्त नई दिल्ली में सम्पन्न हुए जी 20 शिखर सम्मेलन 2023 से भी मोदी की उसी दूरदर्शिता की झलक दिखाई दी। चाहे बात वसुधैव कुटुम्बकम की थीम की हो याकि बात भारत मंडपम् के बाहर लगी हुई नटराज की 27 फीट ऊंची प्रतिमा हो।द्व एआई वाली श्रीमद्भगवद्गीता के माध्यम से जीवन से जुड़े हुए प्रश्नों को गीता के श्लोकों के द्वारा उत्तर देने का नवाचार हो। इसके साथ ही 13 वीं सदी में बने कोणार्क के सूर्य मंदिर को दर्शाना हो। याकि विश्व को ज्ञान कोष से समृद्ध करने वाले नालंदा विश्वविद्यालय के ध्वंसावशेषों की स्मृतियों को विश्व समुदाय के ध्यान में लाना हो। %वॉल ऑफ डेमोक्रेसी% के द्वारा भारत की सनातनी लोकतान्त्रिक प्रणाली एवं आदर्शों से भी साक्षात्कार करवाया। जब वे संयुक्त राष्ट्र संघ के मंच से भारत को %मदर ऑफ डेमोक्रेसी% अर्थात् लोकतन्त्र की जननी के रूप में विभिन्न उदाहरण देते हुए परिभाषित करते हैं तो इससे एक अमिट चिन्ह बनते हैं। वर्तमान में विश्व समुदाय भारत व भारतीय संस्कृति अर्थात् हिन्दू संस्कृति-हिन्दुत्व के प्रति बड़ी ही आशा भरी दृष्टि से देख रहा है। आज विश्व भारत के बारे में पूर्व की कूटरचित दुराग्रही धारणाओं से मुक्त होकर- नए ढंग से मूल भारत को देखने-जानने-समझने और आत्मसात करने की ओर अग्रसर हुआ है। इसमें निश्चय ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हिन्दुत्व के ग्लोबल ब्राण्ड एम्बेसडर के रूप में माननीय भूमिका है। प्रधानमंत्री के रूप में सत्तारूढ़ होने के बाद से ही नरेन्द्र मोदी ने एक राजनेता से कहीं आगे बढ़कर वीतरागी राजर्षि के रूप में राष्ट्र संस्कृति-हिन्दू संस्कृति के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की है। उन्होंने भारत की पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण समस्त सीमाओं के तीर्थक्षेत्रों, धार्मिक आस्था के मानबिन्दुओं के संरक्षण एवं सम्वर्धन के लिए स्पष्ट नीति रखी। नीतियों को साकार रूप में ढाला और एक नए सांस्कृतिक उन्मेष की ओर कदम बढ़ाए। वे सर्वपंथ समादर की भावना को आत्मसात कर आगे बढ़ते हैं और राष्ट्रोन्नति के संकल्प को चरितार्थ करते हैं। काशी विश्वनाथ कॉरीडोर से लेकर उज्जैन के महाकाल लोक के विकास और केदारनाथ धाम में आदिशंकराचार्य जी की प्रतिमा का अनावरण किया। काशी तमिल संगमम को एक नए ढंग से प्रकट किया। चारधाम तीर्थ क्षेत्र परियोजना को मूर्तरूप देने से लेकर मध्यप्रदेश के सागर के बड़तूमा में भव्य संत रविदास मंदिर एवं स्मारक की नींव रखी। इसके अतिरिक्त वे भारत को सांस्कृतिक रूप से जोड़ने वाले प्रत्येक आस्था एवं श्रद्धा केन्द्रों और मानबिन्दुओं के संरक्षण के लिए अनेकानेक कार्य करते आ रहे हैं। देश के नवीन संसद भवन में संतों की उपस्थिति में सत्य एवं न्यायपूर्ण शासन तन्त्र के प्रतीक धर्मदण्ड — सेंगोल की स्थापना में हिन्दुत्वनिष्ठा ही सन्निहित है। इसी प्रकार गणेश चतुर्थी की तिथि (19 सितम्बर 2023) से संसद की कार्यवाही का शुभारम्भ अपने आप में एक नई गाथा कह रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से शिक्षा प्रणाली को भारतीय पद्धति एवं दर्शन पर आधारित करने की नीति भी उसी दिशा की स्पष्ट परिचायक है। गर्व से कहो हम हिन्दू हैं हिन्दुस्थान हमारा है?। यह नारा अब देश ही नहीं बल्कि विदेशों ने भी स्वीकार कर लिया है। अब समूचा विश्व समुदाय हिन्दू व हिन्दुत्व के प्रति आदर एवं श्रध्दा के साथ भाव प्रकट करता है?। यह सब इसीलिए सम्भव हुआ है क्योंकि वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हिन्दुत्व के संवाहक के रूप में अपनी स्पष्ट रीति नीति को रखा है। उनकी स्पष्ट दूरदर्शी- स्व आधारित हिन्दुत्वनिष्ठ नीति उन्हें सबसे विरला बनाती है। और वर्तमान भारतीय राजनीति ही नहीं अपितु वैश्विक परिदृश्य के श्रेष्ठ यशस्वी लोकनायक की छवि को उकेरती है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

योगकुण्डल्युपनिषद् (भाग-4)

गतांक से आगे...

कण्ठ संकोचन के सहित पेट को ऊपर की ओर खींचकर इस सरस्वती चालन से वायु ऊर्ध्वगामी होकर वक्षस्थल से भी ऊपर चला जाता है। सरस्वती चालन करते समय सूर्य नाड़ी (दाहिने स्वर) के द्वारा रेचक करते हुए कण्ठ संकोचन करने से (अधोगत) वायु वक्षस्थल से ऊपर की ओर गमन कर जाता है।

इसलिए नियमित रूप से शब्दगर्भा (शब्दमयी) सरस्वती संचालन करना चाहिए अर्थात् उक्त सरस्वती चालन क्रिया करनी चाहिए। इसका संचालन करने वाला योगी सभी प्रकार के रोगों से मुक्त हो जाता है।

इस शक्तिचालन क्रिया से जलोदर, गुल्म, प्लीहा एवं पेट के समस्त रोग निश्चित ही समाप्त हो जाते हैं। अब प्राणों का निरोध अर्थात् प्राणायाम करने की विधि बतलाते हैं। शरीर में संचरण करने वाली वायु को प्राण कहा जाता है, उसे जब (प्राणायाम के द्वारा) स्थिर किया जाता है, तब उसे कुम्भक कहते हैं। यह कुम्भक दो प्रकार का बताया गया है 1. सहित तथा 2. केवल। सहित कुम्भक का अभ्यास तब तक करते रहना चाहिए, जब तक केवल कुम्भक की सिद्धि न हो जाये। सूर्यभेदन, उज्जायी, शीतली और भस्त्रिका ये चार कुम्भक के भेद सहित कुम्भक कहलाते हैं। जहाँ पर कंकड़-पत्थर आदि न हो, आस-पास घास, अग्नि, जल और शीत आदि न हो, पवित्र एवं एकान्त स्थान हो, वहाँ पर न अति नीचा, न अति ऊँचा, सुख देने वाला आसन बिछाकर बद्ध पद्मासन लगाकर सरस्वती चालन क्रिया करनी चाहिए। श्वास द्वारा धीरे-धीरे दाहिनी नासिका से बाहरी वायु को खींचकर पर्याप्त मात्रा में उदर में भरे, तत्पश्चात् बायीं नासिका इड़ा से रेचन करना चाहिए। कपालशोधन क्रिया में भी धीरे-धीरे वायु का रेचन करना चाहिए। इस प्रकार करने से चारों तरह के वातदोष तथा कृमिदोष नष्ट हो जाते हैं।

क्रमशः ...

विश्व मलेरिया दिवस

बाल मुकुंद ओझा

विश्व मलेरिया दिवस हर साल 25 अप्रैल को मनाया जाता है। यह दिन इस बात के लिए भी पहचाना जाता है कि मलेरिया के नियंत्रण हेतु किस प्रकार के वैश्विक प्रयास किए जा रहे हैं। मच्छरों के कारण फैलने वाली इस बीमारी में हर साल कई लाख लोग जान गंवा देते हैं। कीटाणु मादा एनोफिलीज मच्छर के माध्यम से फैलते हैं। पूरे विश्व की 3.3 अरब जनसंख्या में लगभग 106 देश हैं जिनमें मलेरिया का खतरा है। मौसम परिवर्तन होता है तो मच्छरों की संख्या भी बढ़ती है और उसी के साथ मलेरिया के शिकार होने की संभावना भी। ऐसे में मलेरिया की दस्तक घर-घर तक पहुँच जाती है। जरा-सी असावधानी इस रोग को पनपने की मुख्य वजह बनती है। मलेरिया एक प्रकार का बुखार है। इसमें बुखार ठंड (कंपकपी) के साथ आता है। इस बुखार के मुख्य लक्षण हैं- सरदर्द, उलटी और अचानक तेज सर्दी लगना। मलेरिया मुख्यतः संक्रमित मादा एनाफिलीज मच्छर द्वारा काटने पर ही होता है। जब संक्रमित मादा एनाफिलीज मच्छर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो वह अपने लार के साथ उसके रक्त में मलेरिया परजीवियों को पहुंचा देता है। संक्रमित मच्छर के काटने के बाद उस व्यक्ति में मलेरिया रोग के लक्षण प्रकट हो जाते हैं। मलेरिया के रोगी को काटने पर असंक्रमित मादा एनाफिलीज मच्छर रोगी के रक्त के साथ मलेरिया परजीवी को भी चूस लेते हैं व 12-14 दिनों में ये मादा एनाफिलीज मच्छर भी संक्रमित होकर जितने भी स्वस्थ मनुष्यों को काटते हैं, उनमें मलेरिया फैलाने में सक्षम होते हैं। इस तरह एक मादा मच्छर कई स्वस्थ लोगों को भी मलेरिया ग्रसित कर देता है।

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने विश्व मलेरिया दिवस पर एक रिपोर्ट जारी की है, जिसके अनुसार हर साल लगभग 8.5 लाख लोग मच्छर की मार से मारे जाते हैं। मलेरिया से बचाव का सबसे अच्छा उपाय है मच्छरदानी में सोना और घर के आसपास जमा पानी से छुटकारा पाना। इसके अलावा रुके हुए पानी में स्थानीय नगर निगम कर्मियों या मलेरिया विभाग द्वारा दवाएँ छिड़कवाना। मलेरिया से बचने के लिए जरूरी है कि मच्छरों से बचा जाए। मच्छरों से बचने के लिए कुछ सावधानियाँ अपनानी चाहिए। जहाँ तक हो पूरी बाँह के कपड़ों का प्रयोग करें। सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें। बंद कमरे में जितना हो सके क्वॉइल का प्रयोग न करें। घर में पानी को जमा न होने दें। अगर आसपास पानी जमा है तो उसमें ऑइल डाल दें जिससे मच्छर नहीं पनपेंगे। थोड़ा भी बुखार आने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें। मलेरिया होने पर संतुलित और पौष्टिक भोजन की अत्यन्त आवश्यकता होती है। मरीज के खाने पीने में तनिक भी असावधानी नहीं होनी चाहिए। मरीज को हल्का खाना खाने को दें। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि उसका भोजन ज्यादा भारी न हो। मलेरिया के मरीज को आप खिचड़ी, दलिया, सूजी, चपाती, दाल, सूप, पनीर, हरी, पीली सब्जियाँ, फल आदि खाने को दें। इससे पाचन ठीक रहता है और ऊर्जा भी मिलती है। जिस समय ठंड से बुखार तीव्रता की ओर बढ़ता है उस समय मलेरिया के रोगी को भोजन नहीं देना चाहिए।

विरासत टैक्स के बहाने लोगों की संपत्ति पर है कांग्रेस की नजर?

अभिनय आकाश

हर साल आम बजट के वक्त डायरेक्ट टैक्स या इनकम टैक्स के स्लैब में बदलाव के जरिए राहत की उम्मीद हर आम आदमी करता है। लेकिन अगर मैं आपसे कहूं कि आपके पैसे, आपकी संपत्ति में से सरकार अपना हिस्सा मांगेने लगेगी, तो आप चौंकेगे- क्या? अगर आपको पता चले कि आपके दादा-परदादा के द्वारा अर्जित की गई संपत्ति में से आधा हिस्सा सरकार टैक्स के रूप में जब्त कर लेगी। आप कहेंगे ये क्या बात हुई भला? वैसे तो आज से ठीक दो दिन बाद 13 राज्यों में 89 सीटों पर दूसरे चरण का मतदान चल रहा होगा। लेकिन क्या दूसरे चरण का मतदान मंगलसूत्र, मुसलमान और संपत्ति पर होगा? क्या इस बार मतदान का मुद्दा बदल जाएगा। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि पिछले एक दो दिन में चुनावी चर्चा के केंद्र में मंगलसूत्र, मुसलमान और संपत्ति की चर्चा तेज हो चली है। बीजेपी से लेकर कांग्रेस अपने अपने बयान और दावे हैं। विरासत टैक्स वाले बयान को बीजेपी के दिग्गजों ने मुद्दा बना लिया है। प्रधानमंत्री से लेकर गृह मंत्री तक ने कांग्रेस पर वार किया। प्रधानमंत्री ने पित्रोदा के बयान पर कहा कि कांग्रेस की लूट जिंदगी के साथ भी, बाद भी। क्योंकि कांग्रेस की नजर जनता की गाढ़ी कमाई पर है। वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पार्टी अब एक्सपोज हो चुकी है और उसे अब अपने घोषणापत्र से सर्वे की बात हटा लेनी चाहिए। दरअसल, कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने कहा था कि अमेरिका में विरासत टैक्स लगता है। अगर किसी के पास 100 मिलियन डॉलर की संपत्ति है और उसकी मृत्यु के बाद केवल 45 फीसदी संपत्ति बच्चों को मिलती है। बाकी सरकार के पास चली जाती है। जाहिर है आप भी सोच रहे होंगे कि आखिर ये विरासत टैक्स है क्या जिसकी वकालत कांग्रेस नेता ने की है।

इनहेरिटैंस टैक्स जिसे हिंदी में विरासत कर कहते हैं उन लोगों पर लगाया जाता है जिन्हें अपने पूर्वजों से उनकी मृत्यु के बाद चल-अचल संपत्ति मिलती है। पैसा कमाने के लिए अभी सरकार के पास दो एक्ट है, पहला जीएसटी जिससे 2023-24 में 20.14 लाख करोड़ रुपये का कलेक्शन आराम से हो जा रहा है। दूसरा इनकम टैक्स है जिससे वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 19.58 लाख करोड़ रुपए रहा है।

इतिहास पर गौर करें तो 1953 में पहली बार इनहेरिटैंस टैक्स लागू किया गया था। तब इसे एस्टेट टैक्स कहा जाता था। इस टैक्स कानून के तहत ये टैक्स उन लोगों पर लगाया जाता था जिन्हें अपने पूर्वजों के मरने के बाद अपनी संपत्ति मिलती थी। पूर्वजों की मृत्यु के वक्त संपत्ति की कीमत के आधार पर ये टैक्स वसूला जाता था। भारत में तब एस्टेट टैक्स 85 फीसदी की दर से वसूला जाता था। हालांकि 1985 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजवी गांधी के कार्यकाल के दौरान एस्टेट टैक्स को खत्म कर दिया गया था।

अमेरिका ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस जैसे दुनिया के कई देशों में इनहेरिटैंस टैक्स वसूला जाता है। अमेरिका और ब्रिटेन में 40 फीसदी की दर से इनहेरिटैंस टैक्स वसूला जाता है। फ्रांस में अलग अलग स्लैब में 5 फीसदी से लेकर 60 फीसदी तक इनहेरिटैंस टैक्स वसूला जाता है। जापान में 10 फीसदी से लेकर 70 फीसदी तक एस्टेट टैक्स वसूले जाने का प्रावधान है। अमेरिका में विरासत कर आम नहीं है। वास्तव में 2023 तक केवल छह राज्यों में विरासत कर है। आयोवा, केंटुकी, मैरीलैंड, नेब्रास्का, न्यू जर्सी और पेंसिल्वेनिया के निवासियों के लिए विरासत में मिली संपत्ति पर कर लगाया जाता है। आप विरासत कर का भुगतान करेंगे या नहीं यह विरासत की राशि और मृतक के साथ आपके रिश्ते पर निर्भर करता है।

विरासत कर संपत्ति कर के समान नहीं है। संपत्ति कर का आकलन संपत्ति के वितरण से पहले ही संपत्ति पर किया जाता है, जबकि वसीयत के लाभार्थियों पर विरासत कर लगाया जा सकता है। अमेरिका में कोई संघीय विरासत कर नहीं है, जबकि अमेरिकी सरकार बड़ी संपत्तियों पर सीधे कर लगाती है। यदि प्रासंगिक ह, तो संपत्ति से किसी भी कमाई पर आयकर लगाती है। विरासत कर छह अमेरिकी राज्यों आयोवा, केंटकी, मैरीलैंड, नेब्रास्का, न्यू जर्सी और पेंसिल्वेनिया द्वारा एकत्र किए जाते हैं। आपकी विरासत पर कर लगेगा या नहीं, और किस दर से, यह उसके मूल्य, दिवंगत व्यक्ति के साथ आपके संबंध और जहां आप रहते हैं वहां प्रचलित नियमों पर निर्भर करता है। विरासत कर का आकलन उस राज्य या राज्यों द्वारा किया जा सकता है जहां मृतक रहता था या उसके पास संपत्ति थी।

विदेशों में इनहेरिटेंस टैक्स को कुछ हाथों में अकूत संपत्ति जमा करने से रोकने की दिशा में इसे बड़े कदम के तौर पर देखा जाता है। जिससे समाज में असमानता को खत्म किया जा सके। लेकिन भारत में परिस्थितियां थोड़ी अलग है। प्रॉपर्टी की बेंच मार्क या थ्रेस होल्ड लिमिट वैल्यू के मानक को लेकर विवाद हो सकता है। इससे अमीर लोगों के साथ ही मध्य वर्गीय लोगों के चपेट में आने का खतरा भी है।

यदि कोई विरासत कर देय है, तो वह विरासत के केवल उस हिस्से पर लागू होता है जो छूट राशि से अधिक है। कर का आकलन आमतौर पर स्लाइडिंग आधार पर किया जाता है। दरें आम तौर पर एकल अंकों में शुरू होती हैं और 15व से 18व तक जाती है।

आयकर अधिनियम 1961 के अनुसार वसीहत या विरासत से हासिल की गई संपत्ति टैक्स के दायरे में नहीं आएगी। एक बार अगर आप विरासत में मिली संपत्ति के मालिक बन जाते हैं तो उसका नफा नुकसान भी आपको ही झेलना होगा। फायदा होने की स्थिति में आपको कैपिटल गेंस टैक्स देना होगा। इस कैपिटलल गेन का निर्धारण प्रॉप्टी पर कब्जे की समयसीमा से तय होगी। अगर आपको अपने पिता से कोई संपत्ति 2022 में मिली है और आप इसे अप्रैल 2024 में बेचना चाहते हैं तो इस प्रॉफिट पर आपको कैपिटल गेन देना होगा।

टैक्स फाउंडेशन की 2015 में छपी एक रिसर्च के अनुसार, संपत्ति और विरासत कर खराब आर्थिक नीति हैं। पूंजी स्टॉक पर लगाए गए कर नौकरी के अवसरों में बाधक हैं और अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाते हैं। इस रिसर्च में पता चला कि यूएस संपत्ति कर को निरस्त कर दे तो लगभग 150,000 नौकरियों का सृजन होगा और संघीय टैक्स में प्रति वर्ष 8 बिलियन का इजाफा होगा। कई देशों ने माना है कि संपत्ति और विरासत कर राजस्व का एक खराब स्रोत हैं और इन करों को पूरी तरह समाप्त कर दिया है।

एस्टेट या इनहेरिटेंस टैक्स को हटाना आपको ज्यादा प्रगतिशील बनाता है और दूसरा ऐसे टैक्स वसूलने में बड़ी लागत आती है। संयुक्त राज्य अमेरिका दुनिया में सबसे अधिक संपत्ति करों में से एक है, इसलिए कई देश इस कर को खत्म करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। वर्ष 2000 से ग्यारह देशों और दो कर क्षेत्राधिकारों ने अपने संपत्ति या विरासत करों को निरस्त कर दिया। निरस्त करने वाले दो कर क्षेत्राधिकार मकाऊ और हांगकांग थे।

आज का इतिहास

1905 दक्षिण अफ्रीका में अश्वेतों को मताधिकार मिला।
1915 प्रथम विश्व युद्ध-ऑस्ट्रेलियाई और न्यूज़ीलैंड आर्मी कोर ने अंजैक कोव को उतारा, जबकि ब्रिटिश और फ्रांसीसी सैनिकों ने केप हेल्स में ओटोमन साम्राज्य में गैलीपोली प्रायद्वीप के मित्र देशों के आक्रमण के लिए उतरा।
1925 पॉल वोन हिंडनबर्ग जर्मनी के राष्ट्रपति चुने गये।
1936 ओगडेन की लड़ाई में इटली की जीत हुई।
1945 जर्मन फ़ौज उत्तरी फ़िनलैंड से पीछे हट गई, लैपलैंड युद्ध को बंद कर दिया।
1950 कम्युनिस्ट जासूस जूडिथ कॉपल का परीक्षण न्यूयॉर्क शहर में शुरू हुआ।
1953 आणविक जीवविज्ञानी जैम्स वाटसन और फ्रांसिस क्रिक द्वारा न्यूक्लिक एसिड की आणविक संरचना को पहली बार वैज्ञानिक हेलिकॉप्टर में प्रकाशित किया गया था, जिसमें डबल हेलिक्स स्ट्रक्चरो डीएनए की खोज का वर्णन था।
1954 बेल लैब्स ने न्यूयार्क में पहली बार सोलर बैटरी बनाने की घोषणा की।
1957 सोडियम परमाणु रिएक्टर पहली बार प्रायोगिक तौर पर संचालित किया गया।
1960 अमेरिकी नौसेना की पनडुब्बी यूएसएस ट्राइटन (एसएसआरएन-586) ने विश्व के पहले जलमग्न परिक्षेत्र को पूरा किया।
1964 जेम्स बाल्डविन के ब्लूज़ फॉर मिस्टर चार्ली, का प्रीमियर न्यूयॉर्क शहर में हुआ।
1965 1 सोवियत संचार उपग्रह का प्रक्षेपण।
1981 जापान के सुरूगा में एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र में मरम्मत कार्य के दौरान 100 से अधिक मजदूर परमाणु विकिरण का शिकार हो गये।
1986 स्वास्तिलैंड के राजा मस्वाती तृतीय को ताज पहनाया गया, जो उनके पिता सोभूजा द्वितीय के उत्तराधिकारी थे।
1989 न्यूयॉर्क में एक ड्रैग रेस आयोजित की गई थी। इस ड्रैग रेस में ल्यूक टायसन को टिकट में तेजी मिली।
1990 शटल की खोज हुई। इसके द्वारा एक शटल स्पेस सेटल को कक्षा में रखा गया।
1990 वायलेट चामोरो ने अमेरिका में निकारागुआ के राष्ट्रपति के रूप में पद ग्रहण किया, जो अपने आप में चुनी हुई महिला थीं।

दक्षिण में भाजपा की उम्मीदें मोदी मैजिक के भरोसे

समीर चौगांवकर

प्रधानमंत्री मोदी ने जब 17वीं लोकसभा में अपने अंतिम संबोधन में भाजपा के लिए 370 सीटें और एनडीए के लिए चार सौ सीटों का जिक्र किया तो प्रधानमंत्री को इस बात का एहसास था कि उनके लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए वह तीन सौ सत्तर सीटों का जो टारगेट सेट कर रहे है वह दक्षिण के राज्यों के समर्थन के बिना संभव नहीं है। दक्षिण से आने वाले राज्यो में शामिल कर्नाटक से 28, आंध्र पदेश से 25, तेलंगाना से 17, तमिलनाडु से 39, केरल से 20 और एक सीट वाले पुडुचेरी में कुल मिलाकर लोकसभा की 130 सीटें आती है। 2019 में भारतीय जनता पार्टी इन 130 सीटों में से 29 सीटें ही जीत पाई थी। उसमें भी 25 सीटें अकेले कर्नाटक और चार सीटें तेलंगाना से मिली थी। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और पुडुच्चेरी मिलाकर 85 लोकसभा सीटों मे से बीजेपी को एक भी सीट नहीं मिली थी।

भाजपा उत्तर भारत में अपने प्रदर्शन के शीर्ष पर है और अपने आंकड़ों को बढ़ाने के लिए इस बार भाजपा दक्षिण में अपने प्रदर्शन पर निर्भर है। इसलिए भाजपा ने दक्षिण की 130 सीटों में से 50 सीटें जीतने का लक्ष्य निर्धारित किया है। भाजपा की रणनीति लंबे समय से दक्षिण को फतह करने की रही है, परंतु दक्षिण की हिन्दुत्व विरोधी राजनीतिक संस्कृति में पले बढ़े मतदाताओं के बीच उसकी यह इच्छा मोटे तौर पर अधूरी ही रहती आई है।

भाजपा को उम्मीद है कि मोदी की लोकप्रियता, भाजपा संगठन और संघ के लगातार जमीनी स्तर पर काम के दम पर दक्षिण में भाजपा के लिए वोटों की फसल लहलहा सकती है। इसकी वजह 2019 के चुनाव में वोटों की हिस्सेदारी के ब्यौरे में है। बीजेपी को कर्नाटक में 51.38, तेलंगाना में 19.45, केरल 12.93,तमिलनाडु 3.66, आंध्र प्रदेश 0.96 प्रतिशत वोट मिले थे। इसलिए पार्टी ने अभी की योजना में ऐसे निर्वाचन क्षेत्रों की पहचान की है, जिन्हें इस बार जीता जा सके।

कर्नाटक में भाजपा मजबूत है और विधानसभा चुनाव कांग्रेस से हारने के बाद भी भाजपा को भरोसा है कि वह कर्नाटक में अपने पिछले प्रदर्शन के आस-पास रह सकती है। 2019 में भाजपा ने राज्य की 28 सीटों में से 26 सीटें (एक सीट सहयोगी निर्दलीय को मिलाकर) जीत ली थी। हालांकि इस बार कर्नाटक में भाजपा की राह इतनी आसान नहीं है। बीते दस महीनों में कांग्रेस ने कर्नाटक में जनकल्याण गारंटियों पर 33 हजार करोड़ रूपये खर्च कर दिए हैं और कांग्रेस इन योजनाओं से लाभार्थी हुए 4.5 करोड़ लोगों से समर्थन की उम्मीद कर रही है जबकि भाजपा मोदी मैजिक और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण पर निर्भर है।

वहीं तेलंगाना में इस लोकसभा चुनाव में कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। राज्य की 17 लोकसभा सीटों के लिए 13 मई को मतदान होगा। 2023 में विधानसभा जीत से उत्साहित कांग्रेस सियासी समर में बीआरएस को पटखनी देने के लिए पूरा जोर लगा रही है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रेवंत रेड्डी बीआरएस प्रमुख चंद्रशेखर राव पर भ्रष्टाचार करने और परिवार को आर्थिक लाभ देने का आरोप लगा रहे हैं।

कांग्रेस इस राज्य से 2019 में जीती 3 सीटों से बढ़कर 10 से ज्यादा सीटें जीतने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रही है, वहीं भाजपा एक दशक में विकास को आगे बढाने वाले दूरदर्शी नेता के तौर पर पीएम मोदी के चेहरे को आगे कर मोदी की गारंटी और केन्द्र की योजनाओं को भुनाने की पूरी कोशिश कर रही है।

भाजपा 2019 की चार सीटों के मुकाबले इस बार बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद के साथ कई चुनौतियों से भी जूझ रही है, जिसमें प्रतिद्वदियों के मुकाबले स्थानीय स्तर का कोई प्रभावी एजेंडा न होना शामिल है। दूसरे दलों से आए नेताओं को सहजता के साथ स्वीकारने में राज्य नेतृत्व की विफलता, पार्टी दिग्गजों के बीच मनमुटाव, नए नेताओं की खूबियों को भुनाने में दूरदर्शिता का अभाव और हिंदुत्व विचारधारा का खास प्रभाव न होना

भाजपा के लिए बड़ी चुनौतियों में शुमार है। तेलंगाना में भाजपा एक जीवंत संगठनात्मक ढांचा तैयार करने में भी नाकाम रही है। ओबीसी वोटों पर निर्भर भाजपा की नजर हैदराबाद के आसपास की सीटों के अलावा उत्तरी तेलंगाना की सीटों पर है।

लेकिन भाजपा को सबसे ज्यादा उम्मीद तमिलनाडु से है। अन्नामलाई के भरोसे भाजपा ने एआईडीएमके से गठबंधन तोड़ा और तमिलनाडु में पहली बार अपना गठबंधन बनाने और उसकी अगुवाई करने का दम दिखाया। तमिलनाडु में भाजपा अपने दम पर 19 सीटों पर मैदान में उतरी है और सहयोगी दलों को 20 सीटें दी है। चुनाव प्रचार के दौरान मोदी ने तमिलनाडु में 10 से अधिक यात्राएं और 13 से ज्यादा रैलियों को संबोधित किया। बहरहाल तमिलनाडु में मतदान हो चुका है और भाजपा वहां तीन सीट जीतने की उम्मीद कर रही है।

तमिलनाडु के बाद भाजपा ने अपनी ताकत केरल मे भी झोंकी है, जहां 26 अप्रैल को मतदान होना है। केरल भाजपा के लिए एक ऐसा भूभाग है जहां हिन्दुत्व स्थानीय शब्दावली में दाखिल हो चुका है। तभी तो 2009 में 6 फीसद के मुकाबले भाजपा का वोट शेयर 2019 में दहाई अंकों तक पहुंच गया। भाजपा इस छोटे से राज्य में अपना खाता खोलने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रही है। 2019 में अपनी प्रचंड जीत के बाद भाजपा मुख्यालय पहुंचे मोदी ने केरल को लेकर कहा था कि छोटे से राज्य में छोटी सी गैर मौजूदगी भी खलती है। उन्होंने उस समय कहा था कि 2024 में हम केरल में नारियल फोड़ेंगे।

राहुल गांधी के वायनाड़ से दूसरी बार मैदान में होने के बाद कांग्रेस इस बार भी केरल में मजबूत है। 2019 में कांग्रेस के नेतृत्व में यूडीएफ ने 20 में से 15 सीटें जीती थी। इस बार भी कांग्रेस को पिछला प्रदर्शन दोहराने की चुनौती के साथ भाजपा को खाता खोलने से रोकना भी है। भाजपा हर हाल में कांग्रेस के दबदबे वाले राज्य में इंट्री चाहती है इसलिए उम्मीदवारों का चयन भी सोच समझकर किया गया है और हाई प्रोफाइल नेताओं को मैदान में उतारा गया है।

शशि थरूर के सामने केंन्द्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर को उतारा है। त्रिशुर में फिल्म स्टार से नेता बने सुरेश गोपी कड़ी चुनौती पेश कर रहे हैं। भाजपा ने केरल की लड़ाई में एक वैचारिक मोड़ ला दिया है। भाजपा को अभी तक केरल में एक भी लोकसभा सीट नहीं मिली है लेकिन भाजपा इस बार तिरूवनंतपुरम, त्रिशुर और पत्तनमत्तिट्टा को हासिल करने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रही है। केरल में भाजपा ईसाईयों को साथ लेकर बहु फसली जमीन तैयार करना चाहती है। केरल में भगवा असर बढ़ रहा है। 2019 में भाजपा के उम्मीदवारों ने 2 से 3 लाख तक वोट प्राप्त किए थे। इस बार भाजपा को उम्मीद है कि खाता खुलेगा ही।

दक्षिण के तीसरे राज्य आंध्र प्रदेश में भाजपा टीडीपी के साथ मिलकर अपना खाता खोलने की उम्मीद कर रही है। चुनाव की घोषणा से पहले ही आंध्र के मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस प्रमुख जगन मोहन राज्य के चार अंचलों में चार विशाल सिद्धम (तैयारी) रैलियां कर चुके थे। इसकी शुरूआत विशाखापट्टनम से 27 मार्च को हुई थी। उसके बाद 21 दिवसीय मेमंत सिद्धम (पूरी तरह से तैयार) बस यात्रा से प्रदेश को नाप चुके हैं।

दूसरी तरफ टीडीपी प्रमुख पूरे राज्य में प्रजा गलम (जनता की आवाज) यात्रा से समर्थन मांग रहे हैं। नायडू को उम्मीद है कि मोदी की लोकप्रियता और भाजपा संगठन और पवन कल्याण का साथ उन्हें अतिरिक्त ताकत मुहैया कराएगा। आंध्र प्रदेश में टीडीपी 17 सीटों पर, भाजपा 6 सीटों पर और पवन कल्याण की जनसेना दो सीटों पर लड़ रही है। विधानसभा चुनाव की बात करें तो 175 सीटों में से टीडीपी 144 सीटों पर, जनसेना 21 सीटों पर और भाजपा 10 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

टीडीपी ने कांग्रेस और वाईएसआर कांग्रेस छोड़कर आए नेताओं को भी जमकर टिकट दिया है। जगन ने बस यात्रा मा भविष्य तू अभियान चलाया, जिसका असर हुआ है। आंध्र प्रदेश के दक्षिण में जगन का जादू बरकरार है लेकिन मध्य में चंद्रबाबू नायडू मजबूत नजर आते हैं। विशाखापटटनम, पूर्वी और पश्चिमी गोदावरी, गुंटूर, प्रकाशम जिलों मे चंद्रबाबू नायडू की साइकिल का परचम लहरा रहा है। जबकि उत्तरी और दक्षिणी छोर पर जगन के चुनाव चिन्ह पंखे के फैन नजर आ रहे हैं। भाजपा आंध्र प्रदेश में भी एक लोकसभा सीट पर जीत की उम्मीद कर रही है।

मोदी को पूरी दुनिया का सबसे लोकप्रिय नेता बता रही भाजपा को इस बात का दर्द है कि दक्षिण के राज्य मोदी को स्वीकार नहीं कर सके हैं। इसलिए भाजपा मोदी के दम पर दक्षिण में दाखिल होने की कोशिश कर रही है। दक्षिण के लोग धर्मपरायण होते हुए भी उन्होंने धर्म को राजनीति से ज्यादातर अलग ही रखा। दक्षिण के सियासी लैंडस्कैप को बदलने की भाजपा की इच्छा विचारधारा और रणक्षेत्र की जरूरतों से प्रेरित है। एक दशक से भारत में शासन कर रही राष्ट्रीय पार्टी के लिए दक्षिण में मौजूद न होना सचमुच बैचेनी पैदा करता है। इस बार वह उस बेचैनी को मिटाना चाहती है।

घटता-बढ़ता रहता है मतदान, इसे ट्रेंड न माना जाए

अवधेश कुमार

लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 102 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान संपन्न होने को लेकर कई तरह के आकलन सामने आ रहे हैं। पहले चरण में नौ राज्यों तथा तीन केंद्रशासित प्रदेशों में मतदान संपन्न हो चुका है। माना जा रहा था कि देश के एक बड़े हिस्से में मतदान संपन्न होने के बाद इसकी प्रवृत्तियों का आकलन करना थोड़ा आसान हो जाएगा। लेकिन मतदान के बाद आम टिप्पणी यही है कि मतदान प्रवृत्तियों का आकलन आसान होने के बजाय कठिन हुआ है। बहरहाल, पहले चरण के मतदान की सबसे बड़ी विशेषता रही कि पश्चिम बंगाल और मणिपुर को छोड़कर कहीं भी हिंसा की घटना नहीं हुई। किसी बड़ी घटना का न होना बताता है कि हमारे देश का चुनाव तंत्र बिल्कुल सहज, सामान्य और सुव्यवस्थित ढंग से काम कर रहा है। इसका अर्थ यह भी है कि हम कम अवधि और कम चरणों में भी लोकसभा चुनाव को पूरा कर सकते हैं। सबसे ज्यादा चर्चा पहले चरण में मतदान प्रतिशत कम होने को लेकर हो रही है और इस बारे में कई तरह के आकलन किए जा रहे हैं। हालांकि ऐसा नहीं है कि सभी क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत ज्यादा गिरा है। इनमें भी सभी जगह मतदान एक समान भी नहीं रहे। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा में ज्यादा मतदान हुए, तो बिहार और उत्तराखंड में अत्यंत कम। इन दोनों राज्यों में भी अलग-अलग क्षेत्र को देखें, तो कहीं ज्यादा, तो कहीं कम मतदान हुआ है। यह साफ है कि एकाध स्थानों को छोड़कर ज्यादातर जगहों में मतदान प्रतिशत गिरा है। उत्तर प्रदेश में 2019 के मुकाबले लगभग 5.30 प्रतिशत कम मतदान हुआ। चुनाव आयोग के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, यह करीब 68.29 प्रतिशत है। यानी करीब 1.14 फीसदी कम मतदान हुआ है, तो कहा जा सकता है कि मतदान प्रतिशत में ज्यादा गिरावट नहीं है। नगालैंड में मतदान प्रतिशत इसलिए ज्यादा गिरा, क्योंकि वहां के छह जिलों में एक भी वोट नहीं डाला गया। ईस्टर्न नगालैंड पीपुल्स फ्रंट ने अलग राज्य की मांग को लेकर मतदान का बहिष्कार किया था। इसे हम मतदान में कमी की प्रवृति नहीं मान सकते। करीब डेढ़ दशक पहले मतदान घटने का अर्थ सत्तारूढ़ घटक की विजय तथा मतदान बढ़ने का अर्थ पराजय के रूप में लिया जाता था और प्राय: ऐसा देखा भी गया। किंतु 2010 के बाद यह प्रवृत्ति बदली है। मतदान बढ़ने के बावजूद सरकारें वापस सत्ता में आई हैं और मतदान घटने के बावजूद गई भी हैं। इसलिए इस आधार पर कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। दूसरे, हर जगह मतदान प्रतिशत ज्यादा गिरा भी नहीं है। तीसरे, बंगाल में साफ दिखाई दे रहा है कि दोनों पक्षों के मतदाताओं में एक-दूसरे को हराने और जिताने के लिए प्रखर प्रतिस्पर्धा है। सबसे ज्यादा चर्चा उत्तर प्रदेश की है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मतदान प्रतिशत का घटना सामान्य नहीं है। इस क्षेत्र में जातीय और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण होता है। ऐसे में यह आकलन करना कठिन है कि जहां मतदान प्रतिशत गिरा, वहां किस पक्ष या पार्टी के मतदाता नहीं आए। अगर भाजपा विरोधी उसे हराना चाहते थे, तो उन्हें भारी संख्या में निकलना चाहिए। कहा यह भी जा रहा है कि सपा के कोर मतदाता यानी मुसलमान और यादवों का बड़ा समूह आक्रामक होकर मतदान कर रहा था। विरोधी भारी संख्या में निकलेंगे, तो समर्थक भी इसका ध्यान रखेंगे। हालांकि उम्मीदवारों के चयन, दूसरे दलों से आए लोगों को महत्व मिलने तथा कहीं-कहीं गठबंधन को लेकर भाजपा समर्थकों व कार्यकर्ताओं में थोड़ा असंतोष है तथा एक जाति विशेष ने भी विरोधात्मक रूप अख्तियार किया था। बावजूद इसके यह कहना कठिन होगा कि भाजपा समर्थक मतदाता ही ज्यादा संख्या में मतदान करने नहीं निकले। अभी तक के चुनाव अभियान में जनता की उदासीनता दिखी है। हालांकि विपक्ष के प्रचार के विपरीत प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार को लेकर आम जनता में व्यापक आक्रोश नहीं दिखा है। कल्याण कार्यक्रमों के लाभार्थी तथा विकास नीति की प्रशंसा करने वाले हर जगह दिखाई देते हैं। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से लेकर समान नागरिक संहिता एवं नागरिकता संशोधन कानून आदि पर विपक्ष के रवैये ने भाजपा समर्थकों में प्रतिक्रिया भी पैदा की है। असंतुष्ट लोगों में भी यह भाव है कि अगर यह सरकार हार गई, तो कहा जाएगा कि हिंदुत्व विचारधारा की हार हो गई है। जिस जाति के विद्रोह की चर्चा हो रही है, वे भी भाजपा के प्रति सहानुभूति रखते हैं। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि इन्होंने भाजपा के विरोध में मतदान किया होगा।

सैम पित्रोदा कहीं बिगाड़ न दे कांग्रेस का खेल

जितेंद्र भारद्वाज

सैम पित्रोदा, कांग्रेस पार्टी में एक जाना माना चेहरा है। ऐसा नहीं है कि लोकसभा चुनाव में पहली बार उनके %बोल बिगड़े% हैं। इससे पहले भी उनके %बिगड़े बोल% ने कांग्रेस पार्टी की चुनावी राह को मुश्किल बनाया था। 2019 के लोकसभा चुनाव की बात है। हरियाणा और पंजाब में वोट पड़ने थे, लेकिन उससे पहले सैम पित्रोदा ने एक ऐसा बयान दे दिया था, जिसे लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर खूब हमला किया। उनके बयान को चुनाव में भुनाया गया। सैम पित्रोदा ने चुनाव के बीच कहा था कि अब क्या है 1984 का। आपने पांच साल में क्या किया, अब उसकी बात करिए। 1984 में जो हुआ, वो हुआ। पित्रोदा ने यहां पर 1984 के दंगों को लेकर बयान दिया था। भाजपा में पीएम मोदी से लेकर निचले स्तर तक के कार्यकर्ता ने उस बयान को हुआ तो हुआ नाम से लोगों के बीच पहुंचाया था। इस बार में चुनाव में भी पित्रोदा ने भाजपा के हाथ में एक बड़ा मुद्दा दे दिया है।

पित्रोदा ने कहा, अमेरिका में विरासत कर (टैक्स) लगता है। किसी के पास 100 मिलियन डॉलर की संपत्ति है। अगर वह व्यक्ति मर जाता है, तो उसमें से केवल 45 फीसदी संपत्ति ही उसके बच्चों को ट्रांसफर होगी। बाकी राज्य के पास चली जाएगी। पिछली बार की तरह, इस बार भी भाजपा, पित्रोदा के बयान को खूब भुना रही है। 2019 के चुनाव में पित्रोदा का बयान सामने आने के बाद कांग्रेस पार्टी बैक फुट पर आ गई। लोकसभा चुनाव में राजनेताओं द्वारा की गई बयानबाजी कहीं वोटों का खेल न बिगाड़ दे, इसे ध्यान में रखकर नेताओं के लिए एक एडवाइजरी जारी की गई। इसमें नेताओं की जुबान पर लगाम कसने के लिए कई बातें कही गई थीं। किस नेता को कब और कौन सा बयान देना है, यह सब एडवाइजरी का हिस्सा था। अगर कोई नेता किसी मुद्दे पर अपनी राय रखना चाहता है, तो उसे पहले पार्टी की मीडिया इकाई या किसी दूसरे वरिष्ठ नेता को बताना

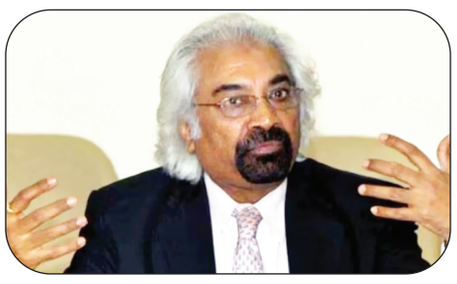

होगा। पित्रोदा के बयान के सियासी नुकसान को भांपते हुए कांग्रेस पार्टी ने कहा था कि तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के सलाहकार सैम पित्रोदा ने 1984 दंगों पर जो बयान दिया है, वह पार्टी का बयान नहीं है।

उनके इस बयान को भुनाने में भाजपा ने कोई कसर नहीं छोड़ी। पीएम नरेंद्र मोदी ने दिल्ली की एक रैली में कहा, कांग्रेस पार्टी आजकल न्याय की बात करने लगी है। इस पार्टी को 1984 के दंगों का हिसाब देना होगा। तत्कालीन केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा, पित्रोदा का बयान हैरान करने वाला है। कोई भी इसकी उम्मीद नहीं कर सकता। पित्रोदा कहते हैं कि 1984 में नरसंहार हुआ तो क्या हुआ। देश में इस तरह का बयान स्वीकार्य नहीं है। इसके बाद भाजपा अध्यक्ष अमित शाह और पार्टी के दूसरे नेताओं ने भी सैम पित्रोदा के बयान को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। कांग्रेस पार्टी को यह बात समझने में देर नहीं लगी कि सैम पित्रोदा का बयान हरियाणा, दिल्ली और पंजाब में वोटों का खेल बिगाड़ सकता है। 2019 में दिल्ली और हरियाणा में 12 मई को मतदान हुआ था।

कांग्रेस पार्टी नेता डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था, अगर कोई भी व्यक्ति इस तरह का गलत और किसी समुदाय को दुख पहुंचाने वाला बयान देता है तो उसे पार्टी का बयान नहीं माना जाएगा। कांग्रेस पार्टी, पित्रोदा के बयान से इत्तेफाक नहीं रखती। भविष्य में इस तरह का कोई बयान पार्टी की ओर से न आए, इसके लिए एक एडवाइजरी जारी कर दी गई है। खासतौर से वे लोग, जिन्हें कांग्रेस पार्टी की विचारधारा का कम अनुभव है या वे दूसरे दलों से आए हैं। सिख दंगों की कांग्रेस पार्टी कड़ी भर्त्सना करती है। दंगा पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस पार्टी पहले भी प्रयास करती रही है और आगे भी जारी रखेगी।

सैम पित्रोदा ने इस मामले में एक्स पर सफाई देते हुए लिखा, मैंने टीवी पर अपनी सामान्य बातचीत में केवल एक उदाहरण के तौर पर अमेरिका में अमेरिकी विरासत टैक्स का उल्लेख किया था। मैंने कहा कि ये ऐसे मुद्दे हैं जिन पर लोगों को चर्चा और बहस करनी होगी। इसका कांग्रेस समेत किसी भी पार्टी की नीति से कोई लेना-देना नहीं है। कांग्रेस पार्टी की राजनीति पर करीब से नजर रखने वाले रशीद किदवई कहते हैं, चुनाव के दौरान इस तरह के बयान, पार्टी को नुकसान पहुंचा सकते हैं। नेताओं को सोच समझकर बयान देना चाहिए। चुनाव में विरोधी दल, ऐसे बयानों की ताक में रहता है। आजकल मुद्दों की राजनीति करने का दौर नहीं है। सियासत में जो कोई बयान, जिस पार्टी को ठीक लगता है, वह उसे उठा लेता है। ऐसे में नेताओं को कोई बात या विचार रखते समय सावधानी बरतनी चाहिए। भाजपा ने इस मुद्दे को खूब भुनाया ख़ुद पीएम ने अपनी रैलियों में कहा, जनता का पैसा घुसपैठियों को दिया जाएगा। जिनके अधिक बच्चे हैं, उनमें आप लोगों की संपत्ति बांटी जाएगी। कांग्रेस नेता, जयराम रमेश ने कहा- सैम पित्रोदा मेरे सहित दुनिया भर में कई लोगों के गुरु, मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक रहे हैं। उन्होंने भारत के विकास में असंख्य, स्थायी योगदान दिया है। वह इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष हैं। सैम पित्रोदा उन मुद्दों पर खुलकर अपनी राय व्यक्त करते हैं, जिनके बारे में वे दृढ़ता से महसूस करते हैं। वे लोकतंत्र में अपने व्यक्तिगत विचारों पर चर्चा करने, व्यक्त करने और बहस करने के लिए स्वतंत्र है। इसका मतलब यह नहीं है कि सैम पित्रोदा के विचार, हमेशा ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थिति को दर्शाते हैं। भाजपा उनके बयान पर कोशिश कर रही है कि उसे सनसनीखेज कैसे बनाया जाए।

दार्जिलिंग में मौसम की तरह बदलते हैं राजनीति रंग

प्रभाकर मणि तिवारी

पश्चिम बंगाल में पर्वतीय क्षेत्र की एकमात्र संसदीय सीट दार्जिलिंग में राजनीति का रंग भी इलाके के मौसम की तरह ही बदलता रहता है। यह सीट बीते तीन बार से भाजपा ही जीतती रही है। लेकिन अकेले अपने बूते नहीं बल्कि स्थानीय गोरखा पार्टियों के समर्थन से। अबकि बार भी भाजपा ने पिछले विजेता राजू विस्टा को दोबारा मैदान में उतारा है। लेकिन भगवा पार्टी के ही कालिम्पोंग के विधायक विष्णु शर्मा ने निर्दलीय के तौर पर मैदान में उतर कर उनकी राह मुश्किल बना दी है। इस सीट के लिए दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होना है। अब चुनाव से तीन दिन पहले कांग्रेस के महासचिव और गोरखा नेता विनय तामंग ने अचानक भाजपा उम्मीदवार का समर्थन कर दिया है। मजबूरन पार्टी को उनको छह साल के लिए निकालना पड़ा है।

इस सीट पर भाजपा के राजू विस्टा का मुकाबला तृणमूल कांग्रेस के गोपाल लामा से है। दार्जिलिंग उन गिनी-चुनी सीटों में से है जहां तृणमूल कांग्रेस कभी जीत नहीं सकी है। इस बार सुभाष घीसिंग की ओर से स्थापित गोरखा नेशनल लिबरेशन फ्रंट (जीएनएलएफ) भाजपा को समर्थन दे रही है तो विमल गुरुंग की गोरखा जनमुक्ति मोर्चा तृणमूल कांग्रेस के साथ है। इस संसदीय सीट पर पहले कांग्रेस का कब्जा रहा था। उसके बाद लंबे समय तक यह सीपीएम के कब्जे में रही। लेकिन पिछले तीन संसदीय चुनाव से इस पर भाजपा का कब्जा रहा है। हालांकि यहां हर बार सांसद बदलते रहे हैं।

वर्ष 2009 में यहां कांग्रेस जीती थी। लेकिन 2009 के चुनाव में भाजपा के जसवंत सिंह यहां से जीते थे। वर्ष

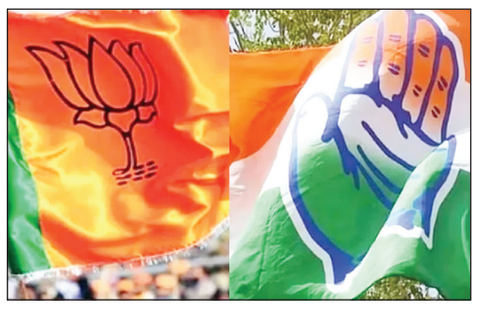

2014 में पार्टी ने एक बार फिर उम्मीदवार बदलते हुए एसएस अहलूवालिया को यहां मैदान में उतारा था। यहां जीत कर वो केंद्र में मंत्री बने थे। लेकिन 2019 में भाजपा ने आहलुवालिया को बर्दवान-दुर्गापुर सीट पर भेज दिया और दार्जिलिंग में राजू विस्टा को अपना उम्मीदवार बनाया।

पार्टी ने इस बार लगातार दूसरी बार राजू को टिकट दिया है। हालांकि आखिरी समय तक यहां पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन सिंगला के नाम पर चर्चा की जा रही थी। राजू विस्टा उम्मीद जताते हैं कि इस बार भी उनकी जीत तय है। लेकिन कालिम्पोंग के भाजपा विधायक विष्णु प्रसाद शर्मा ही निर्दलीय के तौर पर उनकी राह का कांटा बन गए हैं। शर्मा इस सीट पर टिकट की मांग कर रहे थे। लेकिन जब टिकट नहीं मिला तो उन्होंने नाराज होकर निर्दलीय के तौर पर पर्चा भर दिया। उनकी दलील थी कि यहां पहाड़ के भूमि पुत्र को ही टिकट दिया जाना चाहिए।

वैसे, पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनाव के आंकड़े राजू के पक्ष में हैं। वर्ष 2014 के चुनाव में भाजपा यहां 1.97 लाख वोटों के अंतर से जीती थी। लेकिन वर्ष 2019 में यह अंतर बढ़ कर 4.13 लाख तक पहुंच गया था। उसे मिलने वाले वोट भी 42173 फीसदी से बढ़कर 59.19 फीसदी पहुंच गए थे। दूसरी ओर, तब तृणमूल कांग्रेस को 26.56 फीसदी वोट से ही संतोष करना पड़ा था।

वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा का वोट घट कर 43.68 फीसदी हो गया और तृणमूल का बढ़ कर 31.37 फीसदी। भाजपा इलाके के छह विधानसभा सीटों पर आगे रही थी। तब तृणमूल कांग्रेस सिर्फ चोपड़ा सीट ही जीत सकी थी। इन आंकड़ों से साफ है कि पहाड़ियों के मौसम की तरह इलाके का राजनीतिक संतुलन भी लगातार बदलता रहा है।

दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस के गोपाल लामा दावा करते हैं कि भाजपा सांसद ने इलाके की समस्याओं के समाधान की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की है। इसलिए पहाड़ के लोगों ने अबकी बदलाव का मन बना लिया है। पार्टी की ओर से ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी इलाके में चुनावी रैलियां कर चुके हैं।

जहां तक मुद्दों का सवाल है अलग गोरखालैंड की दशकों पुरानी मांग के अलावा इलाके में बढ़ता प्रदूषण और चाय बागान उद्योग की समस्याएं ही सबसे बड़े मुद्दे के तौर पर सामने आए हैं। इसके अलावा इलाके का विकास और पीने के पानी के संकट के साथ अंधाधुंध शहरीकरण पर अंकुश लगाने जैसे मुद्दे भी उठाए जा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अगर भाजपा अपनी इस सीट को बचाने में कामयाब रहती है तो यह पहला मौका होगा जब कोई पार्टी लगातार चार बार यहां से जीतेगी। उसके साथ ही राजू विस्टा इस सीट से लगातार दो बार जीतने वाले भाजपा के पहले नेता बन जाएंगे।

क्या पहले दौर की कम वोटिंग से मोदी हुए निराश?

अजय सेतिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के गुजरात से सटे आदिवासी क्षेत्र बांसवाड़ा में दिए गए भाषण पर कांग्रेस ने बहुत ही तीखी और चुनौतीपूर्ण प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस ने इससे पहले मोदी के किसी चुनावी भाषण पर उतनी तीखी टिप्पणियाँ नहीं की, जितनी इस भाषण पर की हैं। मोदी ने भी इससे पहले अपने किसी भाषण में इतनी तीखी टिप्पणियाँ नहीं की थीं, जितनी पहले दौर की मतगणना के 48 घंटे बाद दिए भाषण में की हैं। प्रधानमंत्री का यह भाषण पूरी तरह सांप्रदायिक रंग में रंगा हुआ था। मोदी ने हिन्दुओं को चेतावनी दी कि अगर कांग्रेस की सरकार आ गई, तो वे हिन्दू औरतों का मंगलसूत्र उतरवा कर मुसलमानों को सौंप देंगे। मोदी ने कहा कि कांग्रेस मां-बहनों का सोना लेकर घुसपैठियों को बांटना चाहती है। कांग्रेस ने नरेंद्र मोदी के इस भाषण की कड़ी आलोचना की है और कहा है कि वह नफ़रत के बीज बो रहे हैं। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा- पहले चरण के मतदान में निराशा हाथ लगने के बाद नरेंद्र मोदी के झूठ का स्तर इतना गिर गया है कि घबरा कर वह अब जनता को मुद्दों से भटकाना चाहते हैं। पहले चरण की 102 सीटों पर हुए मतदान के प्रतिशत और हिंदी पट्टी के प्रदेशों में हुई वोटिंग को पूरे चुनाव का सैंपल मानें तो लोगों में मोदी को लेकर वह जोश नहीं दिख रहा है, जो 2014 और 2019 में दिखाई देता था। पहले चरण की 102 सीटों पर 64 प्रतिशत वोटिंग हुई, जो 2019 की 70 प्रतिशत वोटिंग से कोई छह प्रतिशत कम है। पहले चरण की 102 सीटों की 64 प्रतिशत वोटिंग भी तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पूर्वोतर 57 सीटों पर हुई वोटिंग की बदोलत है, जहां 70 प्रतिशत से 82 प्रतिशत तक वोटिंग हुई। उत्तर प्रदेश में आठ सीटों पर 61.11 प्रतिशत वोटिंग हुई, जबकि 2019 में इन्हीं आठ सीटों की वोटिंग 66.41 प्रतिशत थी। इसी तरह राजस्थान में जिन 12 सीटों पर चुनाव हुआ, उनमें हर सीट पर छह से 10 प्रतिशत पर कम वोटिंग हुई। पिछली बार ये सभी 12 सीटें भाजपा जीती थी, दो-तीन को छोड़ कर बाकी सभी सीटों पर भाजपा ने उम्मीदवार बदले थे। लक्षद्वीप, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर उत्तराखंड, बिहार और मध्य प्रदेश सब जगह वोट प्रतिशत गिरा। पहले चरण की जिन 102 सीटों पर वोटिंग हुई है, पिछली बार इन 102 सीटों में से भाजपा 40 सीटें जीती थी। भाजपा को यह सोचना पड़ेगा कि रामजन्मभूमि मन्दिर निर्माण और 370 हटाए जाने के हिंदुत्व वाले मुद्दों के बावजूद उसके प्रभाव वाले इलाकों में तो वोटिंग कैसे और क्यों घट गई, जबकि तमिलनाडु और बंगाल में वोट प्रतिशत बरकरार रहा। बड़े जोर शोर से कहा जा रहा था तमिलनाडु में अन्नामलाई के दमदार नेतृत्व के चलते भाजपा 4 से 6 तक सीटें जीतेगी ही, आठ सीटें भी जीत सकती है। अन्नामलाई को भाजपा उसी तरह दक्षिण भारत के चेहरे के तौर पर उभार रही है, जैसे हेमंत बिस्व सरमा को पूर्वोत्तर के प्रभावशाली चेहरे के तौर पर पहचान मिली है। उन्हें केरल और कर्नाटक में भी प्रचार की जिम्मेदारी दी गई है। लेकिन उनके खुद के कोयंबटूर से जीतने की संभावनाए कमजोर हुई हैं। कोयंबटूर, चेन्नई दक्षिण और रामनाथपुरम से भाजपा की जीत की भविष्यवाणियां की गई हैं, लेकिन इन तीनों सीटों पर तमिलनाडु के औसत से भी कम वोटिंग हुई है।

बांटिए अपना प्रोफेशनल ज्ञान

कार्यक्षेत्र में एक खास मुकाम हासिल करने के बाद अनुभवी कर्मी यदि नए कर्मचारियों की बिना किसी स्वार्थ के मदद करते हैं तो यह केवल नवोदितों और कंपनी के लिए ही नहीं, बल्कि उनके अपने लिए भी खासा फायदेमंद रहता है।

यदि आपने कुछ समय किसी टीम के साथ काम करने में बिताया है तो आपके खाते में प्रोफेशनल योग्यता का कुछ हिस्सा जरूर आया होगा। इस अनुभव के बाद आपके पास विशिष्ट ज्ञान, हुनर और अनुभव आ चुका होगा, जिनके दम पर आप अपने संस्थान की धरोहर के तौर पर होंगे। परंतु इस अनुभव का आप कितना सकारात्मक लाभ उठा पा रहे हैं? क्या यह सब अनुभव आपके अपने लिए ही है? क्या अपनी विशेषज्ञता को आप अपने करियर को आगे ले जाने में इस्तेमाल कर रहे हैं, बिना यह सोचे कि वह दूसरों के किस तरह काम आ सकती है? बेशक उपरोक्त सवाल सुनने में कुछ अजीब लगें, परंतु आपकी विशेषज्ञता एक ऐसी चीज है, जिसका लाभ सबको मिलना चाहिए।

आपने उसके लिए मेहनत की है, फिर भी उस समस्त ज्ञान को आप अपने तक ही क्यों सीमित रखें? उससे दूसरों को सीखने और विकास करने का मौका क्यों न मिले? और सबसे जरूरी बात, इससे न केवल दूसरों को, बल्कि खुद आपको भी मदद मिलेगी। आइए जानें कैसे..

- ज्ञान बांटने से बुनियाद होती है मजबूत।
- इससे आपकी सोच-समझ में भी वृद्धि होती है। अपनी विशिष्टता बांटने का मतलब है विचार-विमर्श के नए रास्ते खोलना। यदि आप अपनी आंखें, काम और मस्तिष्क खुला रखते हैं तो आपको उस प्रक्रिया को पुनः नए तरीके से जानने का भी मौका मिलेगा।
- इससे विशेषज्ञ के तौर पर भी आपकी छवि पुख्ता होती है। यदि आप अपने क्षेत्र में एक अग्रणी छवि बनाना चाहते हैं तो आपको अपने ज्ञान का प्रदर्शन करना ही होगा। परंतु दूसरों पर अपनी विशेषज्ञता थोपने की बजाय उसे ऐसे बांटें, जिससे उनकी विशेषज्ञता का स्तर ऊंचा हो सके।
- इससे आपका प्रोफेशनल स्तर बढ़ता है। जब आपकी विशेषज्ञता से टीम को लाभ होता है तो आप उसके अभिन्न अंग बन जाते हैं और भविष्य में मिलने वाले लाभ जल्दी आप से आ मिलते हैं। लिहाजा, जरूरत है अपना नजरिया बदलने की। अपने सहकर्मियों और जूनियर्स की मदद करने में अहंकार का कोई स्थान नहीं। यह भाव निष्ठा से पैदा होता है, दूसरों को कुछ देने की इच्छा से नहीं।

अपनी प्रोफेशनल विशेषज्ञता को दूसरों के साथ बांटें ऐसे..

मार्गदर्शक बनें

ऐसे युवा प्रोफेशनल्स की कमी नहीं, जो सही मार्गदर्शन चाहते हैं। जब ऐसे किसी युवा पर आपकी नजर पड़े, जिसमें हुनर हो, पर उसे सही मार्गदर्शन की जरूरत भी हो तो उसे सही राह दिखाएं। जो ज्ञान आपने बरसों कड़ी मेहनत के बाद एकत्रित किया है, उसे बांटें। सिखाने के दौरान भी अपनी आंखें, कान और मस्तिष्क खुले रखें। मार्गदर्शक बनने का सबसे बड़ा लाभ होता है कि यदि सीखने वाले के साथ संबंध मजबूत हों तो दोनों को एक समान लाभ होता है। सिखाने की प्रक्रिया में आपको अपने कार्य के प्रति सोचने का एक नया नजरिया भी मिलता है। आपसे सीख रहे युवा की ऊर्जा भी आपको एक सशक्त अंतर्दृष्टि दे सकती है.. यदि आप उसे अपनाने को तैयार हों तो।

खूब लिखें

लिखित शब्द हमेशा दूसरों तक पहुंचने का सशक्त माध्यम बनते हैं। आपकी इंडस्ट्री या प्रोफेशन के पक्ष में प्रकाशित होने वाले किसी पत्र-पत्रिका में कोई लेख लिखें या एक ब्लॉग की शुरुआत करें! अपने विचारों को लिख कर दुनिया के सामने रखने से सशक्त माध्यम और दूसरा कोई नहीं।

इंटरनेट की पहुंच वैश्विक है और अनुभव कहता है कि इसके जरिए आप जो भी संपर्क साधेंगे, उससे दूसरों के जीवन में आमूल परिवर्तन आएगा। वहीं एक लेखक होने के नाते आपके हिस्से में स्वतः ही कुछ अधिकार भी आ जाते हैं। यह सुनने में अजीब-सा लगता है, परंतु लेखकों को अक्सर विशेषज्ञ मान लिया जाता है (भले ही उनका लिखा वैचारिक स्तर पर कितना ही अस्पष्ट क्यों न हो)।

प्रशिक्षित करें

स्थानीय स्तर पर होने वाली इंडस्ट्री कॉन्फ्रेंस या किसी मीटिंग के दौरान किसी ऐसे मुद्दे पर चर्चा करें, जिसमें सबकी रुचि हो। जिस विषय पर आप बात करना चाहते हैं, उसे पूरे आत्मविश्वास के साथ कुछ इस तरीके से रखें, जिससे सब उसके प्रति आकृष्ट हो सकें। यह भी याद रखें कि दूसरों को नीचा दिखाना आपका मकसद नहीं; बतौर प्रशिक्षक आपकी भूमिका कमरे में मौजूद प्रतिभाओं को तलाशने की भी होती है। बात इस तरीके से करें कि दूसरों की विशेषताएं भी सामने आ सकें। यह कभी न सोचें कि सिर्फ आपको ही अपनी बात रखने का हक है।

परिवेश कैसा भी हो, दूसरों को प्रशिक्षित करते हुए आपकी पब्लिक स्पीकिंग स्किल में सुधार होता है और आपके स्तर में भी। ठीक लेखन की तरह, मीटिंग के दौरान सबके सामने खड़े होकर बोलने पर दूसरों का आप में विश्वास पुख्ता होता है।

स्रोत बनें

जब आप कोई नया व बेहद मददगार आलेख पढ़ते हैं या कोई नई सूचना आपके हाथ लगती है अथवा काम करने का कोई अन्य कारगर तरीका आपको समझ आता है तो उसे अपने तक ही सीमित न रखें। प्रतिदिन आपके पास कुछ ऐसा हो सकता है, जो आपके सहकर्मियों के लिए भी मददगार साबित हो। इसके लिए आपको किसी औपचारिक ट्रेनिंग सेशन की जरूरत नहीं होनी चाहिए, सीधे संपर्क करें। सोचें, यदि आपका कोई सहकर्मी आपके लिए ऐसा करे तो आपको कैसा लगेगा ? उस व्यक्ति के बारे में आपकी क्या राय बनेगी? कोई छोटी-सी मदद किसी के समूचे करियर को एक सकारात्मक दिशा दे सकती है।

नेतृत्व करें

यदि आपके पास किसी विशेष काम को करने के लिए कोई विशेषज्ञता है तो आगे बढ़कर मोर्चा संभालने में संकोच न करें। लोग आप से मदद मांगने आएं, ऐसी नौबत न आने दें। खुद आगे बढ़ कर मदद की पेशकश करें। यदि आप उस कार्य को बेहतर तरीके से अंजाम दे सकते हैं तो तुरंत नेतृत्व संभालें। याद रखें कि सर्वश्रेष्ठ लीडर टीम में प्रत्येक व्यक्ति को उसका श्रेष्ठ प्रयास करने को प्रेरित करते हैं और खुद भी ऐसा ही करते हैं।

क्या करें जब आप अपने बॉस से ज्यादा योग्य हों..

बॉस प्रोफेशनली कम प्रतिभाशाली है. आप क्या करेंगे जब आप पाएंगे कि आपका बॉस आपसे कम टैलेंटेड है. आपकी स्किल्स उससे कहीं ज्यादा बेहतर हैं. नीचे दिए गए प्वाइंट्स इस दुविधा से निकलने में आपकी मदद करेंगे-

जॉब के दौरान आप हमेशा ऐसा बॉस चाहते हैं जिनसे बहुत कुछ सीखने को मिले और जिनका आप आदर करें. लेकिन आप उस स्थिति में क्या करेंगे जब आपका बॉस प्रोफेशनली कम प्रतिभाशाली है. आप क्या करेंगे जब आप पाएंगे कि आपका बॉस आपसे कम टैलेंटेड है.

आपकी स्किल्स उससे कहीं ज्यादा बेहतर हैं. नीचे दिए गए प्वाइंट्स इस दुविधा से निकलने में आपकी मदद करेंगे-

अपने बॉस की बुराई न करें

पीठ पीछे अपने बॉस की बुराई कभी न करें. यह कोई मायने नहीं रखता कि वह कितने क्वालिफाइड हैं, ऑफिस के अन्य लोगों से उनकी शिकायत करना अच्छी बात नहीं है. करियर में आगे बढ़ना आपकी योग्यता पर निर्भर करता है.

बॉस के ज्यादा से ज्यादा काम आएं

खुद को बॉस के लिए ज्यादा से ज्यादा यूजफुल बनाएं. उनकी वो कमजोरियां ढूंढ़ें जिन्हें आप अपने टैलेंट से भर सकते हैं. इससे आप दोनों में न सिर्फ अच्छी रिलेशनशिप विकसित होगी बल्कि आप सकारात्मक तरीके से उच्च पदों पर तैनात लोगों के नोटिस में आएंगे.

पॉजिटिव रहें और सीखने पर ध्यान दें

ऑफिस में अपना जोर पॉजिटिव रहते हुए सीखने पर दें. गॉसिप करने के बजाए आगे बढ़ने के अवसर तलाशें. बॉस के साथ काम करें, उनके खिलाफ नहीं. जिन कामों में आप लीडरशिप रोल निभा सकते हैं, वहां आगे आएं. किसी की छवि को खराब करके खुद को ऊपर उठाने की न सोचें.

सबके सामने न कहने से बचें

ऑफिस के अन्य कर्मचारियों के सामने या मीटिंग में अपने बॉस को %न% कहने से बचें. सबसे सामने अपनी बॉस की बातों का विरोध करना, उन्हें नीचा दिखाना बिल्कुल सही नहीं. अगर आपका मत भिन्न है तो अपने विचार विनम्रता के साथ जरूर व्यक्त कर सकते हैं. इसके अलावा अन्य किसी बात को बॉस के साथ अकेले में भी शेयर कर सकते हैं. ध्यान रहे असहमति व्यक्त करते समय आपकी बातों में उनके प्रति आदर जरूर दिखना चाहिए.

बॉस की खूबियों को भी नोटिस करें

खराब से खराब बॉस में भी कुछ खूबियां होती हैं. उनसे आप काफी कुछ सीख सकते हैं. इसके अलावा सीखने के लिए ऑफिस में अपना नेटवर्क का विस्तार करें. सीखना हमेशा आपके हाथ में है.

ऐसे बनाएं ज्वैलरी डिजाइनिंग में स्वर्णिम कैरियर

पहले भारतीय लोग सरल तरह से बने सोने-चांदी की ज्वैलरी पहनते थे लेकिन अब बहुत प्रकार की धातुओं से बने विभिन्न डिजाइनर आभूषणों का प्रचलन हो गया है, जिसके चलते आज इस क्षेत्र में करियर को लेकर असीम संभावनाएं हैं। यदि आप कलर मैचिंग की परख रखते हैं और क्रिएटिव हैं तो इस क्षेत्र में डिप्लोमा का कोर्स करके अपना करियर बना सकते हैं...

आज अगर आभूषणों की बात की जाए तो सबसे पहले भारत देश का नाम आता है। भारतीय आभूषण संपूर्ण विश्व में सर्वोच्च स्थान रखते हैं क्योंकि भारतीय लोगों को आभूषणों के प्रति विशेष लगाव है। यहां पर महिलाओं के अतिरिक्त पुरुष भी विभिन्न प्रकार के आभूषण धारण करते हैं। पहले भारतीय लोग सरल तरह से बने सोने-चांदी की ज्वैलरी पहनते थे लेकिन अब बहुत प्रकार की धातुओं से बने विभिन्न डिजाइनर आभूषणों का प्रचलन हो गया है, जिसके चलते आज इस क्षेत्र में करियर को लेकर असीम संभावनाएं हैं। यदि आप कलर मैचिंग की परख रखते हैं और क्रिएटिव हैं तो इस क्षेत्र में डिप्लोमा का कोर्स करके अपना करियर बना सकते हैं...

महत्वपूर्ण संस्थान

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ जेम्स एंड ज्वैलरी, नई दिल्ली (www.iigjdelhi.org)

जेम्मोलॉजिकल इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया, मुंबई (giionline.com)

ज्वैलरी डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट, नोएडा (www.jdtiindia.com)

नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली (nift.ac.in)

योग्यताएं

किसी मान्यताप्राप्त बोर्ड या संस्थान से 12वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

कोर्स की अवधि: 12 माह

कहां मिलेंगी नौकरियां

ज्वैलरी डिजाइनिंग में डिप्लोमा करने के बाद आप फैशन हाउस, एक्सपोर्ट हाउस और ज्वेलरी डिजाइन हाउस आदि कंपनियों में काम शुरू कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सबसे अच्छी बात यह है कि आप फ्रीलांस भी काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप अपनी खुद की शॉप भी खेल सकते हैं।

कमा सकते हैं लाखों रुपये

ज्वैलरी डिजाइनिंग में डिप्लोमाधारी को ज्वैलरी डिजाइनिंग कंपनियों में शुरुआत में 10,000 रुपये से लेकर 15,000 रुपये तक आसानी से मिल सकते हैं। जैसे-जैसे इस क्षेत्र में आपका अनुभव बढ़ता जाएगा वैसे-वैसे आपकी सैलरी भी बढ़ती जाएगी। प्रसिद्ध ज्वैलरी डिजाइनर को महीने में लाखों रुपये सैलरी मिलती है। इस क्षेत्र में आप अपना बिजनेस स्टार्ट करके लाखों रुपये महीना कमा सकते हैं।

अन्य अपेक्षाएं

अगर आप भी ज्वैलरी डिजाइनर के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं, तो आपको क्रिएटिव होना बहुत आवश्यक है। इसके अलावा एक डिजाइनर को स्केच आर्टिस्ट भी होना चाहिए। इसके साथ-साथ आपके अंदर ग्लोबल मार्केट और फैशन के प्रति रुचि होना आवश्यक है।

टीचिंग में बनाना है करियर तो 12वीं के बाद करें ये कोर्स, सुनहरा होगा भविष्य

विभिन्न राज्य बोर्ड की ओर से इंटरमीडिएट के रिजल्ट जारी किये जाने लगे हैं। ऐसे छात्र जो 12वीं उत्तीर्ण करने जा रहे हैं और टीचिंग क्षेत्र में करियर बनाने की सोच रहे हैं तो इसकी शुरुआत अब अभी से कर सकते हैं। 12वीं करने के बाद आप टीचिंग से जुड़े कोर्सेज बीएलएड/ डीएलएड/ बीए बीएड/ बीएससी बीएड पाठ्यक्रमों में दाखिला ले सकते हैं और आगे चलकर टीचर बन सकते हैं।

देशभर में रिजल्ट बोर्ड परीक्षाओं के रिजल्ट जारी होने का दौर शुरू हो चुका है। इसी के चलते 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने जा रहे ऐसे स्टूडेंट्स जो आगे चलकर शिक्षा के क्षेत्र में अपना करियर बनाने की सोच रहे हैं या टीचर बनना चाहते हैं उनके लिए अभी से दरवाजे खुल जाएंगे। 12वीं उत्तीर्ण करने के बाद ही बहुत से ऐसे कोर्स उपलब्ध हैं जिनमें आप प्रवेश लेकर इस क्षेत्र में अपने करियर का निर्माण कर सकते हैं। इसके लिए आपको ग्रेजुएशन डिग्री हासिल करने की भी जरूरत नहीं है, क्योंकि इन कोर्स के साथ आपको टीचिंग योग्यता के साथ ही ग्रेजुएशन डिग्री की मान्यता प्राप्त हो जाएगी।

ये हैं कोर्स

अगर आप बारहवीं उत्तीर्ण कर चुके हैं और शिक्षा के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो आप बीएलएड/ डीएलएड/ बीए बीएड/ बीएससी बीएड कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। इन सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी का किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इसमें बीएलएड/ बीए बीएड/ बीएससी बीएड सभी चार वर्षीय जबकि डीएलएड दो वर्षीय पाठ्यक्रम है।

कैसे होता है प्रवेश

बीएलएड/ बीए बीएड/ बीएससी बीएड में प्रवेश के लिए राज्यों की ओर से प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इन इंटीग्रेटेड कोर्सेज में दाखिले के लिए अब देश भर में एक परीक्षा आयोजित करने का भी प्रावधान है। इसके अलावा डीएलएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए कई राज्यों में प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाता है वहीं कहीं-कहीं मेरिट के आधार पर भी प्रवेश दिया जाता है। आपको बता दें कि बीएड करने वाले अभ्यर्थी छठी से आठवीं कक्षा तक में पढ़ाने के लिए पात्रता प्राप्त करते हैं। इसी प्रकार बीएलएड डिग्री हासिल करने वाले उम्मीदवार 6 साल से बड़े और 12 साल से कम उम्र के बच्चों को पढ़ाने के लिए योग्यता प्राप्त कर लेते हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेशनुसार डीएलएड वाले अभ्यर्थी प्राइमरी स्कूलों में पढ़ाने के योग्य होते हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

कांग्रेस और कम्युनिस्टों ने आतंकवादियों को दी पनाह

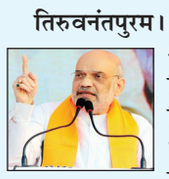

तिरुवनंतपुरम। केरल की सभी सीटों पर 26 अप्रैल को होने वाले चुनाव के लिए आज प्रचार का अंतिम दिन है। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह केरल पहुंचे है। उन्होंने अलपुझा में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। अमित शाह ने कहा कि मुझे यहां आप सभी का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। आपका उत्साह बताता है कि आपने हमें जिताने की ठान ली है! उन्होंने कहा कि हमारे उम्मीदवार को आपका प्रत्येक वोट मोदी जी को फिर से भारत का प्रधान मंत्री बनाना सुनिश्चित करेगा। हाल के सभी सर्वेक्षणों ने स्पष्ट रूप से कहा है कि पूरा केरल भाजपा के साथ, नरेंद्र मोदी जी के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार है। उन्होंने दावा किया कि केरल में कांग्रेस और कम्युनिस्टों ने आतंकवादियों को पनाह दी है। अल्पसंख्यक वोट-बैंक हासिल करने के उनके स्वार्थी एजेंडे ने उन्हें पीएफआई का समर्थन करने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को एसडीपीआई का समर्थन प्राप्त है।

पित्रोदा के विरासत टैक्स वाले बयान से कांग्रेस ने पल्ला झाड़ा

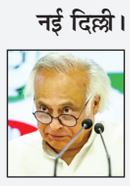

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा की तरफ से भारत में विरासत टैक्स लगाए जाने की मांग वाले बयान से पार्टी ने ही पल्ला झाड़ लिया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बुधवार को कहा कि सैम पित्रोदा को खुलकर और आजादी से अपने विचार रखने का अधिकार है। लेकिन यह जरूरी नहीं कि पित्रोदा के विचार किसी मुद्दे पर कांग्रेस का पक्ष हों। कई बार वे नहीं होते। जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में कहा, वे मेरे और दुनिया में कई लोगों के अच्छे मेंटर, दोस्त और मार्गदर्शक रहे हैं। पित्रोदा किसी भी मुद्दे पर अपनी राय को स्वतंत्रता के साथ रख सकते हैं। जाहिर तौर पर एक लोकतंत्र में लोगों को अपने निजी विचारों पर चर्चा करने और उन्हें रखने का अधिकार है। इसका यह मतलब नहीं कि उनका विचार हमेशा कांग्रेस का विचार दर्शाता हो। कई बार ऐसा नहीं होता है। उनके बयान को इस वक्त सनसनीखेज बनाकर चलाना और इसे परिप्रेक्ष्य से बाहर ले जाना पीएम मोदी के दुर्भावनापूर्ण चुनावी अभियान से ध्यान बंटाने की कोशिश है।

विरासत टैक्स पर बढ़ते विवाद को लेकर पित्रोदा ने दी सफाई

नई दिल्ली। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिका में विरासत कर पर मैंने एक व्यक्ति के तौर पर जो कहा उसे तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। कांग्रेस के घोषणापत्र के बारे में पीएम जो झूठ फैला रहे हैं, उससे ध्यान हटाने के लिए ऐसा किया जा रहा है। प्रधानमंत्री का मंगलसूत्र और संपत्ति को लेकर दिया गया बयान वास्तविकता से परे है। पित्रोदा ने भाजपा पर पलटवार कहा, कौन कह रहा है कि 55 फीसदी छिन लिया जाएगा? किसने कहा कि ऐसा कुछ भारत में होना चाहिए? भाजपा और मीडिया इतनी परेशान क्यों है? उन्होंने आगे कहा, मैंने अनेरिका में एक टीवी चैनल पर अमेरिकी विरासत कर का एकमात्र उदाहरण दिया था। क्या मैं सही तथ्यों का हवाला नहीं दे सकता हूं? मैंने कहा कि इस तरह के मुद्दों पर लोगों को बात करनी चाहिए। इसका कांग्रेस या किसी भी पार्टी की नीति से कोई लेना देना नहीं है।

शिक्षक भर्ती मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंची ममता सरकार

नई दिल्ली। शिक्षक भर्ती मामले में बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। ममता सरकार ने कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को सर्वोच्च अदालत में चुनौती दी है। यह मामला साल 2016 में की गई शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की लगभग 24,000 नियुक्तियों को रद्द करने के फैसले से जुड़ा है। नियुक्तियों को रद्द करने के कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने बीते सोमवार को पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग पैनल द्वारा की गई स्कूल शिक्षक भर्ती रद्द कर दी थी। इस मामले में 23,753 नौकरियां रद्द करने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद इन सभी शिक्षकों को चार हफ्ते में वेतन भी वापस करना होगा। इन सभी टीचर्स को ब्याज के साथ ये वापस लौटाना होगा। वहीं मंगलवार को पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को हाईकोर्ट ने 2016 के स्कूल नौकरी मामले में सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए गए पूर्व लोक सेवकों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने के लिए 23 अप्रैल तक का समय दिया था।

हेमंत सोरेन ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने दायर याचिका में कहा कि धनशोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर हाईकोर्ट फैसला नहीं सुना रहा है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ को सोरेन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने बताया कि हाईकोर्ट ने उनकी याचिका पर 28 फरवरी को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, लेकिन अभी तक कोई फैसला नहीं दिया गया है। बता दें कि हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा 31 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था। उन पर जमीन से जुड़े घोटाले के मामले में धन शोधन का आरोप है। पूर्व सीएम फिलहाल रांची की बिरसा मुंडा जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। इस मामले में हाईकोर्ट द्वारा सोरेन की जमानत याचिका पर जवाब देने के लिए ईडी को एक और सप्ताह का समय दिया गया है।

छत्तीसगढ़ के सरगुजा में नरेंद्र मोदी ने विजय संकल्प शंखनाद रैली में विपक्ष पर किया हमला

कांग्रेस का पंजा आपसे आरक्षण और मेहनत की कमाई छीन लेगा : प्रधानमंत्री

सरगुजा। प्रधानमंत्री नरेंद्र बुधवार को छत्तीसगढ़ के सरगुजा में थे। यहां उन्होंने विजय संकल्प शंखनाद महारैली को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार ने छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार और नक्सली हिंसा दोनों को काबू किया है। पीएम ने अपने संबोधन में कहा कि कुछ महीने पहले मैंने आपसे छत्तीसगढ़ से कांग्रेस का भ्रष्टाचारी पंजा हटाने के लिए आशीर्वाद मांगा था, आपने मेरी बात का मान रखा और भ्रष्टाचारी पंजे को प्रदेश से साफ कर दिया। आज आप सब के आशीर्वाद से सरगुजा की संतान, आदिवासी समाज की संतान छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश के सपने को साकार कर रहा है। पीएम ने अपने संबोधन में आगे कहा कि जब मैं विकसित भारत कहता हूं, तो कांग्रेस वालों का और दुनिया में बैठी कुछ ताकतों का माथा गरम हो जाता है। अगर भारत शक्तिशाली हो गया, तो कुछ ताकतों का खेल बिगड़ जाएगा। अगर भारत आत्मनिर्भर बन गया, तो कुछ ताकतों की दुकान बंद हो जाएगी। इसलिए वो भारत में कांग्रेस और इंडी गठबंधन की कमजोर सरकार चाहते हैं।

पीएम ने कहा कि कांग्रेस, हिंसा फैलाने वालों का समर्थन कर रही है, उन्हें शहीद बता रही है। इसी कांग्रेस की सबसे बड़ी नेता, आतंकवादियों के मारे जाने पर आंसू बहाती हैं। ऐसी ही करतूतों के कारण कांग्रेस देश का भरोसा खो चुकी है। पीएम ने कहा कि जब संविधान बन रहा था, तब बाबा साहेब आंबेडकर के नेतृत्व में तय किया गया था कि भारत में धर्म के अनुसार आरक्षण नहीं होगा। लेकिन वोट बैंक की भूखी कांग्रेस ने इन महापुरुषों की बातों की परवाह नहीं की, संविधान की पवित्रता की परवाह नहीं की और न ही बाबा साहेब आंबेडकर के शब्दों की परवाह की।

कांग्रेस ने कभी भी संविधान की पवित्रता की चिंता नहीं की, वे सिर्फ और सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं। उन्होंने आंध्रप्रदेश में मुसलमानों को आरक्षण देने के लिए एससी और एसटी के आरक्षण को कम करने की बात की थी। कांग्रेस यह चाहती थी कि दलितों के हक का

हिस्सा चुराकर मुसलमानों को दे दिया जाए। कांग्रेस ने धर्म के आधार पर आरक्षण देने की कोशिश की है। उनके घोषणापत्र पर मुस्लिम लीग की छाप नजर आती है। उन्होंने सामाजिक न्याय की परवाह नहीं की और सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति करना चाहती है। वे संविधान बदल कर एससी, एसटी और पिछड़ों का आरक्षण अपने वोट बैंक को देना चाहते हैं। उन्हें बाबा साहेब के संविधान की कोई चिंता नहीं है। मैं दलितों और पिछड़ों को यह बताना चाहता हूं कि उनके आरक्षण की रक्षा सिर्फ और सिर्फ बीजेपी कर सकती है। पीएम मोदी ने छत्तीसगढ़ के सरगुजा में विजय संकल्प शंखनाद महारैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर तीखा हमला किया। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस ना सिर्फ आपके आरक्षण की लूटना चाहती है बल्कि वे आपकी संपत्ति को भी लूटना चाहती है। उनका घोषणा पत्र कहता है कि आपकी अलमारी की स्कैनिंग होगी और स्त्रीधन को आपसे लूटकर किसी और को दे दिया जाएगा। स्त्रीधन की लूट होगी, उनकी चूड़ियां, मंगलसूत्र छीनकर किसी और को दे दिया जाएगा। यह बात सबको पता है कि कांग्रेस यह धन किसको देना चाहती है। कांग्रेस चाहती है कि आपकी मेहनत की कमाई को आपसे छीनना चाहती है। कांग्रेस का पंजा आपसे आरक्षण और मेहनत की कमाई छीन लेगा।

प्रधान मंत्री ने कांग्रेस पर तीखा हमला किया जब उसके वरिष्ठ नेता सैम पित्रोदा ने स्पष्ट रूप से धन पुनर्वितरण के लिए देश में विरासत कर कानून की वकालत की। छत्तीसगढ़ के सरगुजा में एक सार्वजनिक बैठक में बोलते हुए, पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल उच्च कर लगाने का इरादा रखती है और नहीं चाहती कि लोग अपनी मेहनत से कमाई गई संपत्ति अपने बच्चों को सौंपें। उन्होंने कहा कि राजकुमार और शाही परिवार के सलाहकार ने कुछ समय पहले कहा था कि मध्यम वर्ग पर अधिक टैक्स लगाया जाना चाहिए। नरेंद्र मोदी ने दावा किया कि कांग्रेस का कहना है कि वह विरासत कर लगाएगी और माता-पिता से मिली विरासत पर भी कर लगाएगी। आपने अपनी मेहनत से जो धन इकट्ठा किया है, वह आपके बच्चों को नहीं मिलेगा, बल्कि कांग्रेस के पंजे उसे आपसे छीन लेंगे। उन्होंने हमला करते हुए साफ तौर पर कहा कि अब कांग्रेस का कहना है कि वो इनहेरिटेंस टैक्स लगाएगी, माता-पिता से मिलने वाली विरासत पर भी टैक्स लगाएगी।

सैम पित्रोदा के बयान के बाद एक्सपोज हो गई कांग्रेस : अमित शाह

नईदिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा की टिप्पणी पर पलटवार किया है। साथ ही साथ कांग्रेस पर निशाना साधा है। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सैम पित्रोदा के बयान के बाद पूरी तरह बेनकाब हो गई है। सबसे पहले घोषणापत्र, फिर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का पुराना बयान कि हम देश के संसाधन पर सबसे पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का मानते हैं और अब इनके घोषणापत्र बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले सैम पित्रोदा का बयान कि संपत्ति के बंटवारे पर विचार होना चाहिए। शाह ने कहा कि जब प्रधानमंत्री ने यह मुद्दा उठाया तो राहुल, सोनिया गांधी और पूरी कांग्रेस बैकफूट पर आ गई है कि उनका यह मकसद नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं मानता हूं कांग्रेस पार्टी या तो अपने घोषणापत्र से इस बात को हटाए या स्वीकारें कि यही उनका मकसद है। मैं देश की जनता से भी अपील करता हूं कि वे इनके महत्वपूर्ण नीति निर्धारण करने वाली टीम के मुखिया सैम पित्रोदा के बयान को गंभीरता से लें।

संपत्ति सर्वेक्षण टिप्पणी पर राहुल गांधी का यू-टर्न

यह नहीं कहा कि कार्रवाई करेंगे

नईदिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को अपनी संपत्ति सर्वेक्षण टिप्पणी पर यू-टर्न लिया और कहा कि वह केवल यह जानना चाहते थे कि देश कितना अन्याय झेल रहा है। दिल्ली के जवाहर भवन में पार्टी के सामाजिक न्याय सम्मेलन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, मैंने अभी तक यह नहीं कहा है कि हम कार्रवाई करेंगे। मैं सिर्फ यह कह रहा हूं कि आइए पता करें कि कितना अन्याय हुआ है।

पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने कहा देखिए, जैसे ही मैंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्या प्रतिक्रिया दी, आइए देखें कि कितना अन्याय हुआ है। वे कह रहे हैं कि यह देश को तोड़ने का प्रयास है। एक्स-रे (धन सर्वेक्षण) के माध्यम से, हमें समस्या पता चल जाएगी। राहुल गांधी ने जोर देकर कहा, जो लोग खुद को देशभक्त%कहते हैं, वे जाति जनगणना के एक्स-रे से डरे हुए हैं और कहा कि कोई भी ताकत इसे नहीं रोक सकती। गांधी ने यह भी कहा कि 90 प्रतिशत आबादी के लिए न्याय सुनिश्चित करना उनके जीवन का मिशन है, जिनके खिलाफ अन्याय हुआ है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया, 90 फीसदी भारतीयों के साथ अन्याय हो रहा है। जैसे ही मैंने इस अन्याय को रोकने का आह्वान किया, प्रधानमंत्री और भाजपा ने मुझ पर हमला करना शुरू कर दिया। गांधी ने कहा, जैसे ही हमारी सरकार बनेगी, सबसे पहला काम जाति जनगणना किया जाएगा।

7 अप्रैल को, राहुल गांधी ने कहा कि अगर कांग्रेस पार्टी सत्ता में आती है, तो देश में लोगों के बीच धन के वितरण का पता लगाने के लिए एक वित्तीय और संस्थागत सर्वेक्षण करेगी। कांग्रेस का घोषणापत्र जारी करने के बाद हैदराबाद में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि अगर पार्टी सत्ता में आई तो राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना के अलावा सर्वेक्षण कराया जाएगा, जिसका पार्टी ने वादा किया है।

पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने राम मंदिर उद्घाटन के बारे में भी बात की और आरोप लगाया, मंदिर में या नए संसद भवन के उद्घाटन के दौरान एक भी दलित या आदिवासी को नहीं देखा गया। नब्बे प्रतिशत आबादी इसे समझती है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपने अरबपति दोस्तों के 16 लाख करोड़ रुपये के ऋण माफ करने का आरोप लगाया है। साथ ही यह भी बताया है कि किसानों की आत्महत्या को रोकने, बेरोजगार युवाओं और महिलाओं की मदद करने के लिए पैसे का इस्तेमाल कैसे किया जा सकता था। राहुल गांधी का सुझाव है कि 16 लाख करोड़ से कम से कम 20 वर्षों तक पूरे देश के लिए कृषि ऋण माफ करने और 400 रुपये पर एलपीजी सिलेंडर पर सब्सिडी देने की लागत को कवर किया जा सकता है। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा, नरेंद्र मोदी ने अपने अरबपति मित्रों का 16 लाख करोड़ रुपये कर्जा माफ किया है! इतने पैसों से 16 करोड़ युवाओं को 1 लाख रू साल की नौकरी मिल सकती थी। उन्होंने आगे लिखा, इतने पैसों से 16 करोड़ महिलाओं को 1 लाख रू साल देकर उनके परिवारों की जिंदगी बदली जा सकती थी, 10 करोड़ किसान परिवारों का कर्ज़ माफ कर अनगिनत आत्महत्याएं रोकी जा सकती थी, पूरे देश को 20 वर्षों तक मात्र 400 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जा सकता था। उन्होंने ये भी कहा, इतने पैसों से 3 साल तक भारतीय सेना का पूरा खर्च उठाया जा सकता था।

खेल
प्रमुख समाचार

बेंगलुरु के खिलाफ हैदराबाद की टक्कर आज

नईदिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम जब गुरुवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में निचले पायदान पर चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसकी निगाह फिर से आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए रनों का अंबार लगाने की होगी।

इस आईपीएल चरण में तीन बार 250 रन का आंकड़ा पार कर चुकी सनराइजर्स हैदराबाद ने तूफानी बल्लेबाजी दिखायी है, इसमें मुंबई इंडियंस उसका सबसे पहला शिकार बनी और फिर बेंगलुरू में 2016 की विजेता टीम ने आरसीबी के खिलाफ तीन विकेट पर 287 रन बनाकर टूर्नामेंट का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा कर दिया। इतना ही काफी नहीं था कि सनराइजर्स हैदराबाद ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पावरप्ले में बिना विकेट गंवाये 125 रन का रिकॉर्ड बनाने के साथ आईपीएल में पहली बार 300 रन पार करने की संभावना भी बना दी थी। और गुरुवार को भी अगर एसआरएच कुछ रिकॉर्ड बना दे तो हैरानी नहीं होगी और वो भी आरसीबी के कमजोर गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ, जिसकी संभावना काफी ज्यादा है।

आरसीबी के गेंदबाजी विभाग का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि उसका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज यश दयाल सात विकेट से सूची में 24वें स्थान पर है। आठ में से सात मैच गंवाकर तालिका में निचले स्थान पर काबिज आरसीबी ने अपने पिछले पांच मैच में कम से कम 180 रन लुटाये हैं और पिछले दो मैच में प्रतिद्वंद्वी टीम ने उसके खिलाफ 200 से ज्यादा रन का स्कोर खड़ा किया है। आरसीबी के बल्लेबाजों ने अपनी गेंदबाजी की खामियों की भरपायी करने के लिए काफी मशक्कत की है लेकिन संतुलन के मामले में इतनी कमजोर टीम के लिए हरफनमौला प्रदर्शन दिखाना असंभव ही दिखता है। आरसीबी ने बल्लेबाजी में शानदार जज्बा दिखाया लेकिन इसके बावजूद वे कोलकाता नाइट राइडर्स से महज एक रन से हार गये।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 560 अंक चढ़ा निफ्टी 22,336 पर बंद

नईदिल्ली। मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ने पर चिंता कम होने के कारण वैश्विक बाजारों में तेजी को देखते हुए भारतीय शेयर सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुए। बिकवाली के बाद खरीदारी की वजह से बाजार चढ़कर बंद हुआ। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज पिछले बंद भाव के मुकाबले चढ़कर 73,666.51 पर खुला। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 560.29 अंक या 0.77 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 73,648.62 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 0.86 प्रतिशत या 189.40 अंक की बढ़त के साथ 22,336.40 अंक लेवल पर क्लोज हुआ। मिडिल ईस्ट में संघर्ष को लेकर चिंताओं और अमेरिकी दर में कटौती में देरी के कारण पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में लगभग 1.6% की गिरावट आई। इन चिंताओं ने पिछले सप्ताह एशियाई बाजारों को भी 3.7 फीसदी नीचे धकेल दिया।

वोडाफोन की हिस्सेदारी नहीं खरीदेगी एयरटेल

नईदिल्ली। इंडस टावर्स में वोडाफोन ग्रुप की 21.05 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए भारती एयरटेल बातचीत नहीं कर रही है। भारत की दिग्गज टेलीकॉम ऑपरेटर ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि वह इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट का खंडन करती है। बता दें कि इकनॉमिक टाइम्स ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया था कि अगर यह डील पूरी हो जाती है, तो वोडाफोन ग्रुप कुछ आय को नकदी की कमी से जूझ रही अपनी भारतीय यूनिट वोडाफोन आइडिया में निवेश कर सकता है। भारती एयरटेल ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, एयरटेल की इंडस के फाइनेंशियल कंसोलिडेशन के लिए अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदने की फिलहाल कोई योजना नहीं है। यदि भविष्य में इसकी आवश्यकता होगी तो जरूरी नियामकीय मंजूरी के साथ ऐसा किया जाएगा।

पेयू को 'पेमेंट एग्रीगेटर' के रूप में काम करने मिली मंजूरी

नईदिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी पेयू को भारतीय रिजर्व बैंक से 'पेमेंट एग्रीगेटर' के रूप में काम करने की सैद्धांतिक मंजूरी मिली है। कंपनी ने बुधवार को यह कहा। 'पेमेंट एग्रीगेटर' एक तृतीय-पक्ष सेवा प्रदाता है, जो ग्राहकों और कारोबारियों को भुगतान को लेकर एक मंच पर लाता है। यह ग्राहकों को ऑनलाइन भुगतान करने और कारोबारियों को भुगतान स्वीकार करने में सक्षम बनाता है। आरबीआई ने जनवरी 2023 में प्रोसस ग्रुप की कंपनी पेयू के 'पेमेंट एग्रीगेटर' को लेकर जमा आवेदन वापस कर दिए थे और उन्हें 120 दिनों के भीतर फिर से जमा करने को कहा था। पेयू सैद्धांतिक मंजूरी के साथ अब नये कारोबारियों को डिजिटल भुगतान सेवाएं प्रदान करने के लिए अपने साथ जोड़ सकती है। पेयू के सीईओ अनिर्बान मुखर्जी ने कहा, ''यह लाइसेंस भारत में वैश्विक स्तर पर चर्चित डिजिटल भुगतान बुनियादी ढांचा स्थापित करने के हमारे लक्ष्य के लिए महत्वपूर्ण है।

दूरसंचार सेवा क्षेत्र का एजीआर दिसंबर तिमाही में 1.8% बढ़ा

नईदिल्ली। दूरसंचार सेवा क्षेत्र का समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) अक्टूबर-दिसंबर, 2023 में तिमाही आधार पर 1.88 प्रतिशत बढ़कर 67,835 करोड़ रुपये हो गया। दूरसंचार नियामक ट्राई के मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर 2023 तिमाही में दूरसंचार क्षेत्र का एजीआर एक साल पहले की समान तिमाही के मुकाबले 7.84 प्रतिशत बढ़ गया। दूरसंचार सेवाओं और अन्य निर्धारित वस्तुओं की बिक्री से दूरसंचार कंपनियों द्वारा अर्जित राजस्व को एजीआर कहा जाता है। दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही में दूरसंचार सेवा क्षेत्र का सकल राजस्व (जीआर) 84,500 करोड़ रुपये, लागू सकल राजस्व (एपीजीआर) 81,101 करोड़ रुपये और एजीआर 67,835 करोड़ रुपये रहा है।

गुकेश : शतरंज की बिसात पर उभरा नन्हा सितारा

मनोज चतुर्वेदी

भारतीय शतरंज आजकल ऊंची उड़ान पर है। यह साबित हुआ कैंडिडेट्स शतरंज चैंपियनशिप में। इसमें तीन भारतीय खिलाड़ियों ने भाग लिया और जीते 17 साल के डी गुकेश। विश्वनाथन आनंद के बाद इस टूर्नामेंट को जीतने वाले गुकेश दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने सबसे कम उम्र में यह गौरव हासिल किया है। उनसे पहले यह रेकॉर्ड गैरी कास्पारोव के नाम था। उन्होंने 1984 में 22 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। गुकेश ने अब भारत में आनंद के बाद दूसरा विश्व चैंपियन बनने की उम्मीद बंधाई है। वह विश्व चैंपियन Ding Liren को चुनौती देंगे।

भारतीय शतरंज में आए बदलाव को इस तरह समझा जा सकता है कि आनंद लगातार 36 बरसों तक देश के नंबर एक खिलाड़ी रहे थे। लेकिन, इस साल के पहले चार महीनों में देश के नंबर एक खिलाड़ी की दौड़ में आनंद के अलावा गुकेश, प्रज्ञाननंदा, विदित गुजराती और अर्जुन इरिगेसी शामिल हैं। ये सभी खिलाड़ी लाइव रेटिंग में एक-दूसरे को पीछे छोड़ते दिखे हैं। अजरबैजान के ग्रैंडमास्टर Teimour Radjabov के इस साल किए ट्वीट से भारत की प्रगति को समझा जा सकता है। उन्होंने लिखा था कि भारत में नंबर एक स्थान पाना कितना संघर्षपूर्ण हो गया है। गुकेश ने भी आनंद को पिछले साल अगस्त में फीडे ईएलओ रेटिंग में पीछे छोड़ा था। भारत में पहले ग्रैंडमास्टर बनना कितना मुश्किल था इसे इस बात से समझा जा सकता है कि देश को 1988 में पहली बार आनंद के रूप में पहला ग्रैंडमास्टर मिला। इसके 12 साल बाद तक देश को पांच ही और ग्रैंडमास्टर मिल सके थे। लेकिन, मौजूदा समय में देश में 84 ग्रैंडमास्टर हैं।

गुकेश के प्रदर्शन के बाद यह कहा जा सकता है कि भारत ने संख्या बढ़ाने में ही तरक्की नहीं की, गुणवत्ता के मामले में भी आगे बढ़ा है।

गुकेश ने अपने खेल से पूर्व विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसनकी सोच को गलत साबित कर दिया। कार्लसन ने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले कहा था कि भारतीय खिलाड़ियों से उन्हें कोई उम्मीद नहीं और गुकेश को तो भारी हार का सामना करना पड़ेगा। सातवें राउंड में गुकेश जब फिरोजा अलीरजा से हारे, तो एक बार को लगा कि कहीं कार्लसन की बात सच तो नहीं होने जा रही। लेकिन, इसके बाद गुकेश के खेल में जबरदस्त सुधार दिखा और उन्होंने चैंपियन बनकर ही दम लिया। कार्लसन ने भी गुकेश की ताकत को मान लिया।

गुकेश मानते हैं कि कोविड के कारण लगे लॉकडाउन के दौरान उनके करियर ने उड़ान पकड़ी। साल 2018 में प्रज्ञाननंदा सहित आठ ग्रैंडमास्टर बने थे। गुकेश इसके एक साल बाद ग्रैंडमास्टर बने। लॉकडाउन के समय उनकी ELO रेटिंग 2550 के करीब थी। लेकिन, उन्होंने लॉकडाउन का भरपूर फायदा उठाया और अपने समकालीन ग्रैंडमास्टर्स को पीछे छोड़ने में सफल हो गए। असल में गुकेश का चेस इंजन (कंप्यूटर प्रोग्राम) पर शुरुआती करियर में ध्यान नहीं देना ही उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग करता है। आजकल युवा खिलाड़ी चेस इंजन का सहारा लेते हैं। गुकेश के कोच विष्णु प्रसन्ना कहते हैं कि चेस इंजन का उपयोग नहीं करने का मकसद त्रुटिहीन गणनाएं करने और स्थितियों को जल्द समझने की क्षमता विकसित करना था।

गुकेश अपनी तैयारी के ढंग की वजह से ही 12 साल 7 महीने और 17 दिन की उम्र में ग्रैंडमास्टर बन गए थे। भारत में तो यह रेकॉर्ड है, लेकिन दुनिया के सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर Karjakin की उपलब्धि को गुकेश पीछे नहीं छोड़ पाए। अगर वह अंडर-12 विश्व चैंपियन बनने के दौरान आधा अंक और पा जाते तो Karjakin का भी रेकॉर्ड तोड़ देते। भारत ने शतरंज में पिछले एक-डेढ़ दशक में जबरदस्त तरक्की की है। दुनिया के टॉप 25 खिलाड़ियों में पांच भारतीय शामिल हैं। वहीं, महिला वर्ग में टॉप 15 में तीन महिला खिलाड़ी हैं। यह भारत की प्रगति को दर्शाता है। गुकेश यदि डिंग लिरेन को हराकर विश्व चैंपियन बन जाते हैं, तो इसका देश में शतरंज को जरूर लाभ मिलेगा।

अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में मतदान के लिए 9 पोलिंग पार्टी हेलीकॉप्टर से हुई रवाना

कलेक्टर एवं एसपी ने मतदान अधिकारियों की रवानगी से पहले मिलकर की हौसला-अफजाई

कांकेर/रायपुर। लोकसभा निर्वाचन-2024 के अंतर्गत दूसरे चरण में संसदीय निर्वाचन क्षेत्र कांकेर-11 के लिए 26 अप्रैल दिन शुक्रवार को मतदान सम्पन्न होगा। जिले के अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में स्थित मतदान केन्द्रों के लिए आज सुबह 09 मतदान दल के 58 सदस्य अंतागढ़ स्थित हेलीपेड से हेलीकॉप्टर से रवाना हुए। इस दौरान मौके पर उपस्थित कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिजीत सिंह और एसपी इंदिरा कल्याण एलेसेला ने हेलीकॉप्टर से प्रस्थान करने वाले मतदान अधिकारियों एवं सुरक्षा कर्मियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं देते हुए उनकी हौसला-अफजाई की। रवानगी के समय पोलिंग पार्टी के सभी अधिकारी-कर्मचारियों के चेहरे पर आत्मविश्वास, जोश और उत्साह की छवि स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रही थी, कि वे लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व व महत्वपूर्ण कर्तव्य का हिस्सा बनने जा रहे हैं। ज्ञात हो कि हेलीकॉप्टर से रवाना होने वाले उक्त नौ मतदान दलों कुल 58 अधिकारी-कर्मचारी, माइक्रो ऑब्जर्वर, सेक्टर ऑफिसर और सुरक्षा सम्मिलित हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिले में दूसरे चरण के मतदान के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। साथ ही संवेदनशील मतदान केन्द्रों में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम भी किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि जिले में कुल 727 मतदान केन्द्र हैं, जिनमें 285 संवेदनशील एवं 54 अतिसंवेदनशील मतदान केन्द्र हैं। शेष मतदान केन्द्रों के लिए मतदान दलों को 25 अप्रैल को रवाना किया जाएगा।

हार की हताशा से आंय-बांय बोल रहे हैं कांग्रेसीः साय

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह सहित शीर्ष भाजपा नेताओं के छत्तीसगढ़ में हो रहे लगातार चुनावी प्रवास पर कांग्रेस द्वारा इसे भाजपा के हार का डर बताने वाले बयान पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस को अपनी हार स्पष्ट दिख रही है इसलिए वो कुछ भी आंय-बांय बोल रही है।

पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए श्री साय ने कहा कि कांग्रेस ने 2018 के विधानसभा चुनाव में 36 बड़े-बड़े वादे किये, लेकिन पूरा एक भी नहीं किया। पांच साल छत्तीसगढ़ की जनता को ठगने का काम किया। जिसका परिणाम था कि 2023 के चुनाव में कांग्रेस को सरकार से हाथ धोना पड़ा। अब उसके पास कहने के लिए कुछ नहीं है, कोई मुद्दा नहीं है।

सीएम साय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ में बहुत अच्छी स्थिति में है। यहाँ के लोगों में मोदी जी के 10 साल के कार्यों और हमारी सरकार के 3 महीने के कार्यों पर पूरा विश्वास है, जनता उत्साहित है। मोदी के गारंटी के तहत माताओं-बहनों को महतारी वंदन योजना का दो किश्त भेज चुके हैं। किसानों को धान के दो वर्ष का बकाया बोनस और धान के अंतर की राशि 13,320 करोड़ रुपए दी जा चुकी है। श्रीरामलला दर्शन योजना की शुरुआत भी हो गई है। तेंदूपत्ता प्रति मानक बोरा 5500 रुपए में खरीदी का भी आदेश हो चुका है। जिसका लोगों में अच्छा असर है और जनता के आशीर्वाद से हम प्रदेश की पूरी 11 की 11 सीटें जितने जा रहे हैं।

कांग्रेस देशवासियों की मेहनत की कमाई से अर्जित सम्पत्ति लूटने की मंशा रखती है - किरण सिंह देव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सलाहकार सैम पित्रोदा के विरासत पर कर लगाने के बयान को कांग्रेस की छिपी हुई बदनीयती का परिचायक बताया है और कहा है कि सम्पत्ति का सर्वे करके कांग्रेस देशवासियों की मेहनत की कमाई से अर्जित सम्पत्ति लूटने की मंशा रखती है और अब पित्रोदा अमेरिकी तर्ज पर विरासत टैक्स लगाने की बात करके दावा कर रहे हैं कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो वह एक कानून लाने की योजना बना रही है, जिसके तहत जब आप मरेंगे तो आपकी आधी संपत्ति सरकार ले लेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने कहा कि पित्रोदा के बयान से कांग्रेस की नीयत और इरादे पूरी तरह बेनकाब हो गए हैं। सोनिया गांधी और राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस अगर पित्रोदा से असहमत है तो उसे अपने घोषणा पत्र से इस मुद्दे को वापस लेना चाहिए। परंतु ऐसा न करके कांग्रेस अब यह कहकर अपना पल्ला झाड़ रही है कि हमारा यह मकसद नहीं है, जबकि पित्रोदा का बयान कांग्रेस का मकसद साफ तौर पर जाहिर करने के लिए पर्याप्त है। श्री देव ने कहा कि पित्रोदा का बयान कांग्रेस की उस घोषणा को पुष्ट करने वाला है जिसमें सम्पत्ति का सर्वे करके अपने चुनाव घोषणा पत्र में उसे छीनकर सबको बाँट देने की बात कही गई है। अपने शासनकाल में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा था कि देश की सम्पत्ति पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों, और उनमें भी मुसलमानों का है। इसका मतलब साफ है कि कांग्रेस अब देशभर से सम्पत्ति इकठ्ठी करके जिनके ज्यादा बच्चे हैं, उनको और घुसपैठियों को बाँटने की बात कह रही है। अपनी मेहनत की कमाई का पैसा घुसपैठियों को दिया जाना कतई मंजूर नहीं की जा सकती।

नागरिकों की पैतृक संपत्ति छीनना चाहती है कांग्रेसः बृजमोहन

रायपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री और रायपुर लोकसभा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल ने कहा है कि कांग्रेस का देश की जनता को नया कानून बनाकर मनमाने तरीके से लूटने का खतरनाक मंसूबा कभी पूरा नहीं होगा। कांग्रेस पार्टी के खतरनाक इरादे एक के बाद एक खुलकर सामने आ रहे हैं। कभी राजीव गांधी के सलाहकार रहे आज राहुल गांधी के सलाहकार सैम पित्रोदा ने सरकार आने से पहले ही देश के मिडिल क्लास है, जो मेहनत करके कमाते हैं, उन पर मनमाना टैक्स लगाने और जनता की संपत्तियों को सरकारी तरीके से हड़पने की अपनी सोच को व्यक्त कर दिया है ।

सैम पित्रोदा का कहना है कि वो माता-पिता से मिलने वाली विरासत पर भी टैक्स लगाएगी। आप जो अपनी मेहनत से संपत्ति जुटाते हैं, वो आपके बच्चों को नहीं मिलेगी। वो भी कांग्रेस का पंजा आपसे छीन लेगा। ऐसे खतरनाक इरादे रखने वाली पार्टी को जनता ही सबक सिखाएगी स्कूल शिक्षा मंत्री और रायपुर लोकसभा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस का मंत्र है वे आपसे छीन लेगा, आपको लूट लेगा। कांग्रेस का मंत्र है, जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी। जब तक आप जीवित रहेंगे, कांग्रेस आपको ज्यादा टैक्स से मारेगी लेकिन जब आप जीवित नहीं रहेंगे तो इनहेरिटेंट टैक्स का बोझ आपके बच?चों पर लाद देगी । जिन लोगों ने पूरी कांग्रेस पार्टी पैतृक संपत्ति मानकर अपने बच्चों को दे दी, वो नहीं चाहते कि सामान्य भारतीय अपने बच्चों को अपनी जीवन भर की कमाई से अर्जित संपत्ति दें। हमारा देश संस्कारों से, संस्कृति से उपभोक्तावादी देश नहीं है। हम संरक्षित, संवर्द्धन करने में विश्वास करते हैं, संरक्षित करने में विश्वास करते हैं। आज अगर हमारी प्रकृति बची है तो संस्कारों से बचा है। हमारे यहां घर में बूढ़े मां-बाप होंगे, दादा-दादी होंगे तो संभाल कर रखेंगी।

मतदान के दिन चप्पे-चप्पे में रहेगी पुलिस, सीएएफ और सीपीएफ की 23 कंपनियां तैनात

खैरागढ़/रायपुर। राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के लिए 26 अप्रैल को दूसरे चरण में मतदान होना है. इसके मद्देनजर खैरागढ़ जिले में पुलिस प्रशासन ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है. खैरागढ़ जिला मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के सीमा से लगा होने के कारण इसकी भौगोलिक स्थिति तीन राज्यों के ट्राई जंक्शन पर है. इसे नक्सलियों का रूख्ष्ट जोन माना जाता है. नक्सली इस क्षेत्र का उपयोग अंतर्राज्यीय आवागमन के लिए करते हैं. इस लिहाज से खैरागढ़ जिले में शांतिपूर्ण मतदान करवाना पुलिस और प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती होती है. इसको ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एसपी त्रिलोक बंसल ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए. एसपी त्रिलोक बंसल ने बताया कि जिले में सीएएफ और सीपीएफ की 23 कंपनियां तैनात की गई है, जो नक्सल क्षेत्रों में बूथ, एरिया डॉमिनेशन और रोड ओपनिंग के लिए मोर्चा संभालेंगी. इसके साथ ही सभी सीमावर्ती क्षेत्रों और संवेदनशील वनांचल क्षेत्रों में सुरक्षा संबंधित सभी तैयारिया कर ली गई हैं. साथ ही खैरागढ़ एसपी त्रिलोक बंसल ने सभी लोगों से बिना डर के निर्भीक होकर मतदान करने की अपील की।

मेरे बेटे की हत्या के वक्त गृहमंत्री रहे ताम्रध्वज को नहीं आयी समाज की यादः साहू

धमतरी/रायपुर। साहू समाज को लेकर भाजपा-कांग्रेस आमने सामने आ गए हैं। लोकसभा चुनाव को लेकर अब एक दिन ही शेष रह गए हैं। इस बीच साजा विधायक ईश्वर साहू ने महासमुंद लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी को लेकर बड़ा बयान दिया है।

धमतरी भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता लेकर ईश्वर साहू ने कहा कि जब मेरे बेटे की हत्या हई, उस समय छत्तीसगढ़ सरकार और ना ही गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के द्वारा कोई मदद और कार्रवाई की गई। साथ ही साहू समाज से होने के बाद भी ताम्रध्वज साहू मेरा हालचाल जानने घर भी नहीं आए। लेकिन अब चुनाव के वक्त उनको साहू समाज की याद आ रही है और गांव गांव जाकर समाज के नाम से वोट मांग रहे हैं। बाकी समय उनको समाज याद नहीं आता। विधायक ईश्वर साहू ने कहा कि ऐसे लोग ना तो समाज के होते हैं और ना ही देश के। ईश्वर साहू ने कहा कि ऐसे लोग अपने फायदे के लिए आते हैं। जिसके चलते विधायक ईश्वर साहू ने ऐसे लोगों से बचकर रहने के लिए मतदाताओं से कहा है।

वहीं विधायक ईश्वर साहू के बयान को लेकर धमतरी विधायक ओंकार साहू ने कहा कि उस समय हमारी कांग्रेस की सरकार ने उनके परिवार की तत्काल मदद किया था और आज इस मुद्दे को उछालकर ईश्वर साहू राजनीतिकरण कर रहे हैं। धमतरी विधायक ने कहा कि ईश्वर साहू चुनाव के वक्त साहू समाज को बरगलाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में धमतरी विधायक ने उनके बयान की निंदा कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

राजेश जैन राही की व्यंग्य कृति नाचे आम आदमी का विमोचन

रायपुर। राजेश जैन राही की व्यंग्य कृति नाचे आम आदमी का विमोचन 21 अप्रैल, रविवार, वृंदावन सभागार, रायपुर में सम्मानीय अतिथियों डॉ. गिरीश पंकज, डॉ. चितरंजन कर, डॉ महेंद्र ठाकुर, डॉ. मृणालिका ओझा, शालू साँखला (भीलवाड़ा), सलोनी जैन (ब्यावर), डॉ सीमा श्रीवास्तव, राजकुमार मसंद एवं संजय जैन गिड़िया के कर-कमलों से सम्पन्न हुआ। कृति पर डॉ. गिरीश पंकज, डॉ चितरंजन कर एवं डॉ. मृणालिका ओझा ने अपने महत्वपूर्ण विचार रखे। कृति प्रतिष्ठित श्वेतवर्णा प्रकाशन दिल्ली द्वारा प्रकाशित हुई है। गद्य और पद्य मिलाकर कृति में कुल 81 व्यंग्य हैं। कृति की भूमिका प्रख्यात व्यंग्यकार श्री सुभाष चन्दर दिल्ली ने लिखी है। विमोचन के पश्चात राही द्वारा शीर्षक व्यंग्य नाचे आम आदमी एवं काव्य व्यंग्यशिक्षा और संस्कार की मुलाकात का पाठ किया गया। जिसे उपस्थित साहित्य प्रेमियों ने बहुत पसंद किया।

भाजपाई बताए कि 76 प्रतिशत आरक्षण विधेयक राजभवन में क्यों कैद है?

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी और केंद्र की मोदी सरकार जनहितैषी होने का केवल ढोंग करती है, असलियत यह है कि इनके फोकस में केवल अपने पूजीपति मित्रों का मुनाफा है। अपने आप को पिछड़ा वर्ग का बताने वाले मोदी जी ने यह नहीं बताया कि छत्तीसगढ़ में पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ देने वाला विधेयक पिछले डेढ़ साल से राजभवन में क्यों कैद है? आदिवासी हितैषी होने का पाखंड करने वाले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को बताना चाहिए कि आदिवासियों के 32 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान का विधेयक राजभवन में कब तक बंधक रखा जाएगा? वन अधिकार अधिनियम में मोदी सरकार द्वारा किए गए आदिवासी विरोधी संशोधनों पर मौन क्यों है? प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि मोदी सरकार ने देश के लगभग तीन दर्जन बड़े सार्वजनिक उपक्रमों को बेचा है, सरकारी उपक्रम बेचने से केवल देश के संसाधन ही नहीं बिके, बल्कि देश के युवाओं के सरकारी नौकरी पाने का सपना भी मोदी सरकार ने बेच दिया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि 10 साल के मोदी राज में देश को केवल अडानी के मुनाफे के लिए चलाया गया।

कांग्रेस का विरासत टैक्स लगाने की कोई योजना नहीं

रायपुर। विरासत टैक्स को लेकर प्रधानमंत्री सफेद झूठ बोल रहे है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस का विरासत टैक्स लगाने का कोई योजना नहीं है, न ही कांग्रेस पार्टी ने इस प्रकार के टैक्स के बारे में कोई विमर्श कभी किया है। सैम पित्रोदा के एक संगोष्ठी में पश्चिमी देशों के टैक्स को लेकर दिये गये भाषण जो कि उनके निजी विचार थे को प्रधानमंत्री मोदी दुर्भावनापूर्वक चुनावी प्रचार का हिस्सा बना रहे है। यह मोदी की बौखलाहट को प्रदर्शित करता है। 10 सालों तक देश की सरकार चलाने के बाद प्रधानमंत्री के पास कोई उपलब्धि नहीं है। वे कांग्रेस को कोस कर वोट मांग रहे। प्रधानमंत्री जाति धर्म के आधार पर वोट मांगने को मजबूर हो गये है। यह प्रधानमंत्री की नाकामी को प्रदर्शित करता है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री झूठ बोलकर वोट मांग रहे है। वे कांग्रेस के घोषणा पत्र के बारे में भ्रम फैलाकर वोट मांग रहे है। वे देश के लोगों को महिलाओं को मंगलसूत्र का डर दिखा कर वोट मांग रहे है। देश को लोगों का सोना महिलाओं का मंगलसूत्र तो मोदी के कुशासन के कारण छिना है। नोटबंदी और कोरोना तथा जीएसटी के कारण छिने रोजगार के कारण महिलाओं को मंगलसूत्र बेचने को मजबूर होना पड़ा था।

धार्मिक भावनाओं को आहत पहुचाने वाले पोस्टर लगे चुनाव आयुक्त से शिकायत

रायपुर। राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल के विरूद्ध असमाजिक तत्वों के व्यक्तियों द्वारा आपत्ति जनक पोस्टर चिपकाते हुये और धार्मिक भावनाओं को आहत पहुचाने वाले पोस्टर लगे होने की शिकायत कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त से किया। ज्ञापन में कहा गया कि वर्तमान समय में सम्पुर्ण भारत में आदर्श आचार संहिता लागू है ऐसी स्थिति में राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी श्री भूपेश बघेल जी के विरूद्ध असमाजिक तत्वां के व्यक्तियों द्वारा अपत्ति जनक पोस्टर चिपकाते हुये और धार्मिक भावनाओं को आहत पंहुचाने वाले पोस्टर खैरागढ़ क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम-जालबांधा में लगाया गया है। जिसका प्रदेश कांग्रेस कमेटी विधि विभाग घोर आपत्ति/शिकायत करती है। ग्राम जालबांधा, खैरागढ़ क्षेत्र में जिन व्यक्ति के द्वारा उक्त पोस्टर को लगाया है उनका नाम क्रमशः-1. अशरफ खान, पिता-शकील खान 2. सहिल खान पिता-जहिल खान 3. रमजान खान पिता कलीम खान, 4. कोमल साहू पिता केजा राम साहू 5 साहिल देशलहरे पिता-हेमंत देशलहरे के द्वारा ग्राम जालबांधा के शासकीय पानी टंकी में राजनांदगांव लोकसभा के कांग्रेस के प्रत्याशी भूपेश बघेल जी का आपत्तिजनक फोटो वाली पोस्टर लगाया गया है।

फर्जी आईडी व डीपी लगाकर धोखाधड़ी करने वाला युवक गिरफ्तार

रायपुर। एसीबी इंडिया कम्पनी के डॉयरेक्टर का वाट्सएप पर फर्जी आई.डी. व डीपी बना कर धोखाधड़ी करने वाले युवक को झारखंड के बोकारो पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

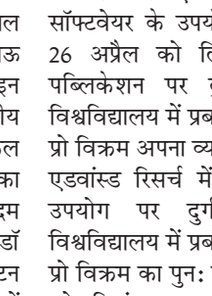

हिमांशु श्रीवास्तव 39 वर्ष निवासी पार्थिव प्रोविंस कॉलोनी सरोना, एसीबी इंडिया प्रा. लिमि. कम्पनी का कार्मिक है। उसने सिविल लाइंस साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया था। इसके मुताबिक मोबाईल नम्बर 99555-18973 का धारक, एसीबी इंडिया कम्पनी के डॉयरेक्टर रूद्र सेन सिंधु का डीपी व फर्जी आई.डी. बना कर कम्पनी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाकर धोखाधड़ी कर रहा। इस रिपोर्ट पर विवेचना दौरान सायबर सेल से तथ्यात्मक जानकारी ले आरोपी का पहचान होने पर पुलिस टीम को झारखण्ड भेजा गया। जहां आरोपी अनंत कुमार सिंह पिता रविन्द्र कुमार सिंह 33 वर्ष निवासी प्रजापति पेट्रोल पम्प के पास, आल हेवेल्स अपार्टमेन्ट चिराचास, बोकारो, झारखण्ड को पकड़ा। उससे इस्तेमाल किए गए रियल-मी कम्पनी का फोन एवं सिम नम्बर 99555-18973 जप्त किया। उसे धारा 419, 420 भादवि 66 (सी) 66 (डी) आई.टी. एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने मतदाता पर्ची वितरण कार्य की समीक्षा की

सेक्टर अधिकारियों को निर्देश, घर-घर पहुंचकर वितरण करें मतदाता पर्ची

रायपुर। लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह ने आज कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कलेक्टर सभा कक्ष में सेक्टर अधिकारियों की बैठक लेकर मतदाता पर्ची वितरण कार्य की समीक्षा की। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि सेक्टर अधिकारी मतदाता पर्ची वितरण कार्य की मॉनीटरिंग करें और गंभीरता के साथ कार्य करें। निर्धारित समय-सीमा के भीतर मतदाता पर्ची का वितरण सुनिश्चित की जाएं। मतदान बूथों में बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

कलेक्टर ने कहा कि मतदान केंद्रों में टॉयलेट, पंखा इत्यादि सुविधाएं होनी चाहिए। साथ ही मतदान केंद्रों में बड़े हॉल में मतदाताओं के लिए मतदाता प्रतिक्षा कक्ष का चिंहाकन किया जाएं। निर्धारित समय-सीमा में तेजी के साथ मतदाता पर्ची वितरण करने वाले बीएलओ को सम्मान भी किया जाएगा।

सभी सेक्टर अधिकारी मतदाता पर्ची कार्य की प्रगति रिपोर्ट प्रतिदिन तैयार करें। सेक्टर अधिकारियों के लिए निर्वाचन प्रक्रिया संबंधी वीडियो भी तैयार किए गए है। जिसके माध्यम से भी सेक्टर अधिकारियों को प्रशिक्षण में आसानी हो रही है। इस अवसर पर एआरओ श्री मनोज कोसरिया सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहें।

अग्रसेन महा.व महंत लक्ष्मीनारायण दास महा. द्वारा आज से शुरू होगी पांच दिवसीय कार्यशाला

रायपुर. अग्रसेन महाविद्यालय (पुरानी बस्ती रायपुर) एवं महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में कल से दाऊ अमरीश कुमार लक्ष्मेश्वर दयाल अग्रवाल छत्तीसगढ़ी अग्रवाल भवन के दाऊ रामखिलावन सभागार में न्यू मेथडोलोजी इन रिसर्च प्रजेंटेशन विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा. कल सुबह साढ़े आठ बजे से इस कार्यशाला का शुभारम्भ होगा. शासकीय जे. योगानन्दम छत्तीसगढ़ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अमिताभ बनर्जी इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे. इस कार्यशाला में शोध समस्या (रिसर्च प्रोब्लम) को परिभाषित करने के साथ ही शोधार्थी को उपयुक्त रिसर्च डिजाइन (शोध संरचना) के चयन हेतु समुचित मार्गदर्शन दिया जायेगा. साथ ही शोध परिकल्पना तैयार करने सहित शोध की दिशा निर्धारित करने एवं इसमें सांख्यिकी-आधारित सॉफ्टवेयर के उपयोग पर चर्चा की जाएगी 26 अप्रैल को लिटरेचर रिव्यू एंड पेपर पब्लिकेशन पर दुर्ग स्थित केके मोदी विश्वविद्यालय में प्रबंध संकाय के विभागाध्यक्ष प्रो विक्रम अपना व्याख्यान देंगे. 27 अप्रैल को एडवांस्ड रिसर्च में एनालिटिकल टूल्स के उपयोग पर दुर्ग स्थित केके मोदी विश्वविद्यालय में प्रबंध संकाय के विभागाध्यक्ष प्रो विक्रम का पुनः व्याख्यान होगा. 28 अप्रैल को रविशंकर शुक्ल विश्व विद्यालय रायपुर में प्रबंध संकाय के प्राध्यापक डॉ. गोपाल देशमुख, रिसर्च प्रोसेस में आई.टी. एप्लीकेशन के उपयोग पर अपना व्याख्यान देंगे.

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.